website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष : 13 | अंक : 318 | पेज: 8 | जयपुर, शनिवार 25 अक्टूबर 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

भारत में पहला ऑस्ट्रेलियाई नेशंस बिजनेस मिशन

-माइनिंग पार्टनरशिप को मिलेगा नया आयाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच माइनिंग पार्टनरशिप को मजबूत करने के उद्देश्य से ऑस्ट्रेलिया इस महीने भारत में अपना पहला नेशंस बिजनेस मिशन लीड करने जा रहा है। इस अवसर पर पार्टनरशिप के मौकों को तलाशने के लिए आठ ऑस्ट्रेलियाई माइनिंग इक्विपमेंट, टेक्नोलॉजी और सर्विसेज कंपनियां (एमईटीएस) 26 अक्टूबर से 3 नवंबर तक मुंबई, नई दिल्ली और कोलकाता का दौरा करेंगी।

डेलिगेशन पहले 26 से 28 अक्टूबर तक मुंबई उसके बाद 28 से 30 अक्टूबर दिल्ली और इसके बाद 30 अक्टूबर से 2 नवंबर तक कोलकाता के दौरे पर रहेगा। इस दौरान भारत के सबसे बड़े माइनिंग कॉन्फ्रेंस इंटरनेशनल माइनिंग, इक्विपमेंट एंड मिनरल्स एग्जीबिशन में अपनी विशेषज्ञता और इनोवेशन का प्रदर्शन करेंगे। इस दौरे को लेकर ऑस्ट्रेलियाई हाई कमिश्नर फिलिप ग्रीन ने कहा, "दुनिया भर में स्वदेशी अधिकारों को आगे बढ़ाने और फर्स्ट नेशंस ट्रेड और इन्वेस्टमेंट को बढ़ाने में मदद करने की हमारी कोशिशों के तहत, ऑस्ट्रेलिया भारतीय अर्थव्यवस्था से ऑस्ट्रेलिया में रहने वाले लोगों को फायदा पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है।" उन्होंने आगे कहा कि भारत ऑस्ट्रेलियाई फर्स्ट नेशंस इंडस्ट्रीज के लिए एक बहुत अवसर पेश करता है। चाहे यह अवसर एग्रीफूड और नेटिव बोटैनिकल,कला, डिजाइन का निर्यात हो या साइबर, क्लीन एनर्जी या माइनिंग सॉल्यूशन डेवलप करना हो। ऑस्ट्रेलियाई सरकार इस ऐतिहासिक बिजनेस मिशन को सपोर्ट करने पर गर्व महसूस करती है। ऑस्ट्रेलियाई फर्स्ट नेशंस एबोरिजिनल और टोरेस स्ट्रेट आइलैंडर लोग धरती की सबसे पुरानी लगातार चलने वाली सभ्यताओं में से एक हैं, जो 65,000 साल से भी अधिक पुरानी है। इनकी पहचान ऑस्ट्रेलिया के पहले डिप्लोमैट, ट्रेडर, इनोवेटर और ज्ञान रखने वालों के रूप में होती है। इस डेलिगेशन को पर्थ यूएसएशिया सेंटर और चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ऑफ वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया द्वारा ऑस्ट्रेलियाई सरकार की ओर से लीड किया जा रहा है। जो कि डीजल माइनिंग गाड़ियों को इलेक्ट्रिक में बदलने से लेकर फ्यूल एफिशिएंसी को बेहतर बनाने के लिए केमिकल बनाने, सेफ्टी, इंडस्ट्रियल गैस, इंजीनियरिंग और टेक्निकल सर्विसेज जैसे कई सेक्टरों में ऑस्ट्रेलियाई क्षमताओं का बेहतरीन उदाहरण पेश करते हैं।

रक्षा मंत्री ने लोंगेवाला के अग्रिम इलाकों का किया दौरा

-कहा- 'ऑपरेशन सिंदूर' सैन्य शक्ति और राष्ट्रीय चरित्र का प्रतीक

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को राजस्थान स्थित लोंगेवाला के अग्रिम इलाकों का दौरा किया। यहां रक्षा मंत्री ने 'ऑपरेशन सिंदूर' को भारत की सैन्य शक्ति और राष्ट्रीय चरित्र का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि यह केवल एक सैन्य अभियान नहीं, बल्कि राष्ट्र के साहस और संयम का प्रतीक है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, "ऑपरेशन सिंदूर इतिहास में केवल एक सैन्य अभियान के रूप में नहीं, बल्कि भारत के नैतिक अनुशासन, रणनीतिक स्पष्टता और मानवीय गरिमा के उदाहरण के रूप में दर्ज होगा।" उन्होंने जैसलमेर में आर्मी कमांडर्स कॉन्फ्रेंस के दौरान सुरक्षा स्थिति एवं भारतीय सेना की ऑपरेशनल तैयारी की समीक्षा भी की। चीन से लगी उत्तरी सीमा की स्थिति पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि चल रही वार्ताएं और डी-एस्केलेशन के प्रयास भारत की संतुलित और दृढ़ विदेश नीति के प्रमाण हैं।उन्होंने कहा, "हमारी नीति स्पष्ट है। संवाद भी होगा और सीमा पर हमारी तैयारी भी अटूट रहेगी।"

कॉन्फ्रेंस में भारतीय सेना के वरिष्ठ नेतृत्व के साथ ग्रे-जोन वॉरफेयर, संयुक्तता, आत्मनिर्भरता और नवाचार जैसे प्रमुख विषयों पर गहन विचार-विमर्श हुआ। इस अवसर पर चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान, थलसेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी, रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह, वाइस चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल पुष्पेंद्र सिंह तथा सभी आर्मी कमांडर उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि यह अभियान इस बात का प्रतीक है कि भारत किसी भी

आतंकवादी गतिविधि का उत्तर अपनी ही शर्तों पर देता है। यही नए भारत का रक्षा सिद्धांत है, जो संकल्प और साहस दोनों का प्रतीक है। रक्षा मंत्री ने सैनिकों से आह्वान किया कि वे दुश्मनों को कभी कम न आंके और हर समय सतर्क एवं तैयार रहें। रक्षा मंत्री ने सेना के कमांडरों से डिफेंस डिप्लोमेसी, आत्मनिर्भरता, सूचना युद्ध, रक्षा अवसंरचना और बल आधुनिकीकरण पर लगातार ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता भविष्य के लिए तैयार सेना बनाने की है। उन्होंने सैनिकों के साहस और अनुशासन की सराहना की और भरोसा दिलाया कि सरकार आधुनिक तकनीक, इन्फ्रास्ट्रक्चर और आवश्यक संसाधन प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। रक्षा मंत्री ने जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद की स्थिति पर कहा, "आज जम्मू-कश्मीर की गलियों में अशांति नहीं, उम्मीद दिखाई देती है। लोग अपने भविष्य के प्रति आत्मविश्वास से भरे हैं। सबसे महत्वपूर्ण यह है कि अब निर्णय लेने की शक्ति स्थानीय लोगों के हाथों में है। भारतीय सेना ने इस परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।" कॉन्फ्रेंस के दौरान रक्षा मंत्री ने कई टेक्नोलॉजी आधारित परियोजनाओं का वर्चुअल उद्घाटन किया। रक्षा मंत्री ने लोंगेवाला में 1971 के युद्ध के वीर योद्धाओं को सम्मानित किया। उन्होंने 'चांदपुरी हॉल' का उद्घाटन किया। यह ब्रिगेडियर कुलदीप सिंह चांदपुरी की स्मृति में निर्मित एक ऑडियो-वीडियो कक्ष है, जिन्होंने 1971 के युद्ध में वीरता का परिचय दिया था। रक्षा मंत्री ने लोंगेवाला को राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक स्थल बनाने के लिए चल रही विकास परियोजनाओं की भी समीक्षा की। राजनाथ सिंह ने एक 'कैपेबिलिटी डेमोंस्ट्रेशन एक्सरसाइज' भी देखी, जिसमें भैरव बटालियन और अशनि प्लाटून सहित सेना के नवीनतम तकनीकी संसाधनों का समन्वित प्रदर्शन किया गया। यह प्रदर्शन भारतीय सेना की परंपरा और नवाचार के समन्वय का प्रतीक बना तथा इसने क्षमता विकास और आधुनिकीकरण के प्रति समर्पण को दिखाया। रक्षा मंत्री ने कहा कि आज का युद्ध केवल मशीनों का नहीं बल्कि मानव आत्मा और दृढ़ संकल्प का भी है। तकनीक शक्ति बढ़ाती है, लेकिन परिणाम सैनिकों की इच्छाशक्ति से तय होते हैं। आधुनिक युद्ध अब साइबर, सूचना, इलेक्ट्रॉनिक और अंतरिक्ष जैसे अदृश्य क्षेत्रों में लड़े जा रहे हैं और इन सबके केंद्र में हमारे सैनिक हैं।

केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने राज्यों से बायोइनोवेशन इकोसिस्टम मजबूत करने की अपील की

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जितेंद्र सिंह ने राज्यों से क्षेत्रीय बायोटेक्नोलॉजी इकोसिस्टम को बढ़ावा देने का आह्वान किया है, ताकि नवाचार और अर्थव्यवस्था को नई गति मिल सके। बायोटेक्नोलॉजी विभाग (DBT) की एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए, उन्होंने भारत के बायो-इनोवेशन परिदृश्य को सशक्त करने के लिए चल रहे प्रोजेक्ट्स और नई पहलों का जायजा लिया।

राज्यों की बायोटेक्नोलॉजी क्षमता के आधार पर कई नए प्रोजेक्ट्स की समीक्षा की

केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने बायोफाउंड्री, क्षेत्रीय इनोवेशन हब और राज्यों की बायोटेक्नोलॉजी क्षमता के आधार पर मैपिंग जैसे कई नए प्रोजेक्ट्स की समीक्षा की। इनका उद्देश्य नवाचार (इनोवेशन), सहयोग और स्थानीय भागीदारी के माध्यम से देश की बायोइकोनॉमी को मजबूती प्रदान करना है। उन्होंने कहा, "क्षेत्रीय ताकतों का उपयोग और राज्य सरकारों व स्थानीय हितधारकों के साथ सहयोग बढ़ाकर हमें बायोटेक्नोलॉजी इकोसिस्टम को और मजबूत करना होगा।"

बायोटेक्नोलॉजी सेक्टर राष्ट्रीय विकास का प्रमुख स्तंभ

केंद्रीय मंत्री ने भारत के बायोटेक्नोलॉजी सेक्टर को राष्ट्रीय विकास का एक प्रमुख स्तंभ बताते हुए कहा कि यह स्वास्थ्य, कृषि, पर्यावरण और औद्योगिक नवाचार के माध्यम से अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। उन्होंने रिसर्च संस्थानों, स्टार्टअप्स और राज्य सरकारों को एक साझा इनोवेशन इकोसिस्टम में जोड़ने की सरकार की रणनीति पर जोर दिया, ताकि बायोटेक्नोलॉजी सामाजिक और आर्थिक बदलाव का माध्यम बने।

बायोटेक्नोलॉजी और खेल विज्ञान के समन्वय से एक स्वस्थ और मजबूत राष्ट्र का निर्माण संभव

सिंह ने यह भी बताया कि DBT का ह्यूमन फिजियोलॉजी,

मेटाबोलिक रिसर्च और हेल्थ टेक्नोलॉजी में काम भारत में परफॉर्मेंस साइंस को नई दिशा दे सकता है। उन्होंने कहा, "बायोटेक्नोलॉजी और खेल विज्ञान के समन्वय से एक स्वस्थ और मजबूत राष्ट्र का निर्माण संभव है।"

हमारा लक्ष्य राष्ट्रीय प्राथमिकताओं को क्षेत्रीय ताकतों के साथ जोड़ना

उन्होंने क्षेत्रीय जुड़ाव के महत्व पर बल देते हुए कहा कि DBT ने राज्यों की बायोटेक्नोलॉजी क्षमता के आधार पर मैपिंग और बायो E3 सेल बनाने में उनके साथ मिलकर काम करने की दिशा में कदम उठाए हैं। यह बायो E3 नीति का हिस्सा है, जो उद्यमिता, शिक्षा और सशक्तिकरण पर केंद्रित है। उन्होंने कहा, "हमारा लक्ष्य राष्ट्रीय प्राथमिकताओं को क्षेत्रीय ताकतों के साथ जोड़ना है, ताकि राज्य अपनी विशिष्ट संभावनाओं को पहचान सकें और उन्हें विकसित कर सकें।" उल्लेखनीय है यह पहल भारत को बायोटेक्नोलॉजी के क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व प्रदान करने और समावेशी विकास को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

दिल्ली में छठ पूजा की तैयारियां जोरों पर

-एलजी वी.के. सक्सेना और मंत्री कपिल मिश्रा ने लिया जायजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। 'छठ पूजा 2025' की तैयारियों को लेकर दिल्ली सरकार युद्धस्तर पर जुटी हुई है। राजधानी में इस वर्ष 1300 से अधिक घाटों पर भव्य और ऐतिहासिक आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना और कला, संस्कृति एवं भाषा मंत्री कपिल मिश्रा ने गुरुवार को वासुदेव घाट का संयुक्त निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान दोनों नेताओं ने विभागों को निर्देश दिए कि सफाई, लाइटिंग, सुरक्षा और यातायात की व्यवस्थाएं समय पर पूरी हों, ताकि श्रद्धालुओं को कोई असुविधा न हो

निरीक्षण के दौरान दोनों नेताओं ने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि सफाई, लाइटिंग, सुरक्षा और यातायात प्रबंधन की सभी व्यवस्थाएं समय पर पूरी कर ली जाए ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। इस मौके पर दिल्ली सरकार, नगर निगम और अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की सरकार की यह पहली छठ पूजा है और पहली ही बार यमुना किनारे पूजन का संकल्प पूरा होने जा रहा है

निरीक्षण के बाद मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा, "दिल्ली में इस वर्ष छठ पूजा का आयोजन अब तक का सबसे व्यापक और भव्य आयोजन होने जा रहा है। हमारा उद्देश्य है कि श्रद्धालुओं को स्वच्छ, सुरक्षित और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध अनुभव मिले।" उन्होंने कहा कि यह सरकार कहने वाली नहीं, बल्कि करने वाली सरकार है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की सरकार की यह पहली छठ पूजा है और पहली ही बार यमुना किनारे पूजन का संकल्प पूरा होने जा रहा है। यह दिल्ली के लिए गर्व का क्षण है कि श्रद्धालु परंपरागत तरीके से यमुना तट पर पूजा-अर्चना कर सकेंगे।

कपिल मिश्रा ने कहा कि पिछली सरकार ने जानबूझकर छठ पूजा पर रोक लगाई थी

कपिल मिश्रा ने कहा कि पिछली सरकार ने जानबूझकर छठ पूजा पर रोक लगाई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि केजरीवाल ने पूर्वांचल के लोगों का अपमान किया था, लेकिन इस बार पूर्वांचलवासी गर्व और स्वाभिमान के साथ अपना पर्व मनाएंगे। उन्होंने कहा कि पिछले छह साल से यमुना किनारे छठ पूजा पर बैन लगा हुआ था, मगर इस बार ऐसा नहीं है। अब दिल्ली की सरकार हर श्रद्धालु के साथ खड़ी है और उनके आस्था पर्व को सम्मान देने के लिए प्रतिबद्ध है।

सभी स्थलों पर लाइटिंग, टेंट, सुरक्षा व्यवस्था और सफाई अभियान को विशेष प्राथमिकता दी जा रही है

बता दें कि इस वर्ष दिल्ली सरकार ने यमुना तट सहित 1300 से अधिक घाटों पर छठ पूजा के आयोजन की तैयारी की है। सभी स्थलों पर लाइटिंग, टेंट, सुरक्षा व्यवस्था और सफाई अभियान को विशेष प्राथमिकता दी जा रही है।

उत्तर प्रदेश: लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के वित्तीय अधिकारों में बढ़ोतरी

यूपी (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोक निर्माण विभाग के विभागीय अधिकारियों के वित्तीय अधिकारों में पांच गुना तक की वृद्धि किए जाने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि बदलावों से विभागीय अधिकारियों को निर्णय

लेने में अधिक स्वायत्तता प्राप्त होगी। उच्च स्तर पर अनुमोदन की आवश्यकता घटने से निविदा, अनुबंध गठन एवं कार्यारंभ की प्रक्रिया में गति आएगी। यह सुधार वित्तीय अनुशासन बनाए रखते हुए प्रशासनिक दक्षता और पारदर्शिता को बढ़ाने में सहायक होगा। शुक्रवार को लोक निर्माण विभाग की बैठक में यह तथ्य सामने आया कि विभाग के अधिकारियों के वित्तीय अधिकार वर्ष 1995 में निर्धारित किए गए थे। इस बीच निर्माण कार्यों की लागत में पांच गुना से अधिक की वृद्धि हुई है। कॉस्ट इन्फ्लेशन इंडेक्स के अनुसार वर्ष 1995 की तुलना में वर्ष 2025 तक लगभग 5.52 गुना वृद्धि दर्ज की गई है। सीएम योगी ने कहा कि वर्तमान परिदृश्य में वित्तीय अधिकारों का पुनर्निर्धारण आवश्यक है, जिससे निर्णय प्रक्रिया में तेजी आए और परियोजनाओं का क्रियान्वयन समयबद्ध रूप से किया जा सके। अपर मुख्य सचिव, लोक निर्माण विभाग ने मुख्यमंत्री को सिविल, विद्युत एवं यांत्रिक कार्यों के लिए वित्तीय अधिकारों की वर्तमान व्यवस्था की जानकारी दी। विमर्श के उपरांत निर्णय लिया गया कि सिविल कार्यों के लिए अधिकारियों के वित्तीय अधिकारों की सीमा अधिकतम पांच गुना तक तथा विद्युत एवं यांत्रिक कार्यों के लिए कम से कम दो गुना तक बढ़ाई जाएगी। मुख्यमंत्री के निर्णय के अनुसार मुख्य अभियंता को अब 2 करोड़ के स्थान पर 10 करोड़ तक के कार्यों की स्वीकृति का अधिकार होगा। अधीक्षण अभियंता को 1 करोड़ से बढ़ाकर 5 करोड़ तक के कार्यों की स्वीकृति का अधिकार दिया जाएगा। अधिशासी अभियंता के वित्तीय अधिकार 40 लाख से बढ़ाकर 2 करोड़ किए जाएंगे। सहायक अभियंता को भी सीमित दायरे में टेंडर स्वीकृति एवं छोटे कार्यों की अनुमति देने के अधिकार बढ़ाए जाएंगे। बता दें कि यह पुनर्निर्धारण तीन दशकों के बाद होने जा रहा है। बैठक में उत्तर प्रदेश अभियंता सेवा (लोक निर्माण विभाग) (उच्चतर) नियमावली, 1990 में संशोधन के माध्यम से विद्युत एवं यांत्रिक संवर्ग की सेवा संरचना, पदोन्नति व्यवस्था तथा वेतनमान के पुनर्गठन से जुड़े प्रस्तावों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। बैठक में बताया गया कि नियमावली में किया जा रहा यह संशोधन विभागीय अभियंताओं की सेवा संरचना को वर्तमान आवश्यकताओं के अनुरूप बनाने के उद्देश्य से किया गया है। संशोधित नियमावली में विद्युत एवं यांत्रिक संवर्ग में पहली बार मुख्य अभियंता (स्तर-एक) का नया पद सम्मिलित किया गया है। इसके साथ मुख्य अभियंता (स्तर-दो) और अधीक्षण अभियंता के पदों की संख्या में वृद्धि की गई है। नवसृजित पदों को नियमावली में समाहित करते हुए उनके पदोन्नति स्रोत, प्रक्रिया और वेतनमान को स्पष्ट रूप से परिभाषित किया गया है, जिससे सेवा संरचना अधिक पारदर्शी और संगठित हो सके। बैठक में यह भी बताया गया कि मुख्य अभियंता (स्तर-एक) के पद पर पदोन्नति अब मुख्य अभियंता (स्तर-दो) से वरिष्ठता के आधार पर की जाएगी। इसी प्रकार मुख्य अभियंता (स्तर-दो) और अधीक्षण अभियंता के पदों पर भी पदोन्नति की प्रक्रिया को नियमावली में स्पष्ट किया गया है। सातवें वेतन आयोग की सिफारिशों के अनुरूप अधिशासी अभियंता से लेकर मुख्य अभियंता (स्तर-एक) तक के पदों के वेतनमान और मैट्रिक्स पे लेवल भी निर्धारित किए गए हैं।

दिल्ली में छठ पूजा की धूम, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कई छठ घाटों का किया उद्घाटन

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में आस्था के महापर्व छठ की तैयारी पूरे जोश और श्रद्धा के साथ जारी है। इसी क्रम में शुक्रवार को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कई छठ घाटों का उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का कहना है कि सरकार छठ की तैयारियों के लिए कोई कमी नहीं छोड़ रही है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और विधायक संदीप सहरावत ने शुक्रवार को पहले भव्य पोचनपुर छठ घाट का उद्घाटन किया और श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। सीएम रेखा गुप्ता ने कहा, "पूरी दिल्ली में लगभग 1,500 स्थानों पर छठ घाट बनाए गए हैं और सभी तैयारियां जोरों पर हैं। इसके अलावा, यमुना नदी के किनारे कई किलोमीटर तक 17 अलग-अलग स्थानों पर विशेष घाट बनाए गए हैं, ताकि श्रद्धालुओं को छठ पूजा करने के लिए उचित सुविधाएं मिल सकें।" भाजपा विधायक संदीप सहरावत ने आईएएनएस से बातचीत में कहा, "हमारी मुख्यमंत्री ने पोचनपुर छठ घाट का उद्घाटन किया और स्वयं सभी तैयारियों का निरीक्षण किया। उन्होंने सभी तैयारियों की समीक्षा की। मैं मुख्यमंत्री को उनके प्रयासों के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं।" इसके बाद, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने लक्ष्मी नगर विधानसभा क्षेत्र में कई प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन किया, जिसमें छठ घाट, 153 गलियां, सीवर व पानी की लाइनें और गणेश नगर कॉम्प्लेक्स में एक पुलिया शामिल है। उन्होंने धोबी समुदाय के लोगों को इलेक्ट्रिक आयरन बांटे और भाजपा की ओर से यमुना घाटों पर किए गए इंतजामों के बारे में बताया, जिससे पूर्वांचल के लोग बिना किसी परेशानी के छठ पूजा कर सकें। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, "यह घाट न सिर्फ पूर्वांचली भाई-बहनों की आस्था का प्रतीक है, बल्कि दिल्ली के सांस्कृतिक गौरव और सहभागिता की पहचान भी बनेगा।" मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने लिखा, "भाजपा सरकार के नेतृत्व में जिस समर्पण और संवेदनशीलता से छठ महापर्व की तैयारियां की जा रही हैं, वह अभूतपूर्व है। इस बार यमुना किनारे जब हमारी बहनें सूर्य देव को अर्घ्य देंगी, तो वे स्वच्छ और निर्मल जल में खड़ी होकर अपनी प्रार्थनाएं अर्पित करेंगी। यह नया घाट दिल्ली में आस्था और विकास के संगम का प्रतीक है।"

केंद्र सरकार ने तीन कोयला ब्लॉकों के लिए वेस्टिंग ऑर्डर जारी किए

नई दिल्ली। कोयला मंत्रालय ने कमर्शियल कोयला नीलामी के तहत राजगामार डिपसाइड, तंगरडीही उत्तर और महुआगढ़ी ब्लॉकों के लिए वेस्टिंग ऑर्डर जारी किए हैं। मंत्रालय के मुताबिक, इन ब्लॉकों से हर साल करीब 189.77 करोड़ रुपए का राजस्व और 150 करोड़ रुपए का निवेश मिलने की उम्मीद है। साथ ही करीब 1350 लोगों को रोजगार मिलेगा। अब तक मंत्रालय ने कमर्शियल नीलामी के तहत 130 ब्लॉकों के लिए आदेश जारी किए हैं, जिनसे 37,700 करोड़ रुपए वार्षिक राजस्व और 3.6 लाख से अधिक नौकरियां सृजित होने की संभावना है। हाल ही में कोल इंडिया ने आईआईटी मद्रास के साथ मिलकर सस्टेनेबल एनर्जी सेंटर स्थापित करने के लिए एमओयू भी साइन किया है।

व्यापार समझौतों में जल्दबाजी नहीं करेगा भारत- पीयूष गोयल

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि भारत किसी भी व्यापार समझौते में जल्दबाजी नहीं करेगा। भारत ऐसे सौदे करना चाहता है जो निष्पक्ष (Fair) और न्यायसंगत (Equitable) हों, न कि ऐसे जो उसके व्यापारिक विकल्पों को सीमित करें। यह बयान उन्होंने जर्मनी के बर्लिन ग्लोबल डायलॉग सम्मेलन में दिया। उन्होंने कहा, कि भारत की व्यापार नीति दीर्घकालिक सोच (Long-term vision) पर आधारित है, न कि तुरंत व्यापार बढ़ाने के दबाव पर। व्यापार समझौते सिर्फ टैरिफ या कीमतों तक सीमित नहीं होते, बल्कि भरोसे और साझेदारी पर आधारित होते हैं। भारत फिलहाल अमेरिका और यूरोपीय संघ (EU) के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (FTA) पर बातचीत कर रहा है, लेकिन बाजार तक पहुंच, पर्यावरण मानक और उत्पादों की उत्पत्ति के नियमों पर मतभेद बने हुए हैं। गोयल ने साफ कहा, "भारत कोई भी व्यापार समझौता जल्दबाजी में साइन नहीं करेगा।" उन्होंने यह भी कहा कि यह सिर्फ अगले छह महीनों की बात नहीं, बल्कि आने वाले वर्षों की साझेदारी का सवाल है। अमेरिका, ब्रिटेन और यूरोपीय देश भारत पर रूस से सस्ता तेल खरीदने को लेकर दबाव बना रहे हैं। इस पर गोयल ने कहा कि भारत के लिए सस्ता तेल जरूरी है ताकि आम लोगों को सस्ती ऊर्जा मिल सके और ऊर्जा सुरक्षा बनी रहे। उन्होंने बताया कि भारत-अमेरिका के बीच व्यापार वार्ताएं आगे बढ़ रही हैं। "दोनों देशों की टीमें लगातार बातचीत कर रही हैं और हम जल्द एक निष्पक्ष और संतुलित समझौते की उम्मीद करते हैं," उन्होंने कहा। गोयल इन दिनों जर्मनी दौरे पर हैं, जहाँ उन्होंने भारत-ईयू फ्री ट्रेड एग्रीमेंट को लेकर कई वरिष्ठ अधिकारियों और उद्योगपतियों से मुलाकात की। उन्होंने बताया कि दोनों पक्ष इस समझौते को जल्द पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

बांग्लादेश में अपने एजेंडे पर आगे बढ़ रहे कट्टरपंथी

बांग्लादेश में राजनीतिक और सुरक्षा के हालात तेजी से बदल रहे हैं। नोबेल पुरस्कार विजेता अर्थशास्त्री मोहम्मद यूनुस को अस्थाई (इंटरिम) सरकार का मुखिया बनाए जाने के बाद वहां की सियासी तस्वीर में कट्टरपंथियों की सक्रियता बढ़ती दिख रही है। यूनुस के नेतृत्व वाली अस्थाई सरकार के गठन के अगले ही चरणों में देश की पुरानी राजनीत-ि और सुरक्षा व्यवस्था पर बड़ा असर देखने को मिला है। इंटरनेशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल ने उन्हीं दिनों सेना के 15 ऐसे अधिकारियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया जो अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के प्रति वफादार रहे थे। इन अधिकारियों पर लोगों के गायब कर दिए जाने, हिरासत में प्रताड़ना और हत्या जैसे संगीन आरोप हैं। साथ ही शेख हसीना की गिरफ्तारी के आदेश भी जारी किए गए हैं, जिससे राजनीतिक निशानेबाज़ी और शक्ति का फेर और पेचीदा हो गया है। यह पूरा माहौल देश में तीव्र बहस और बेइत-बेइमानी का कारण बन रहा है। सबसे चिन्ताजनक बात यह है कि कुछ कट्टरपंथी संगठनों ने खुलकर अपने ऐजेंडा को आगे बढ़ाना शुरू कर दिया है। दिसंबर 2024 में 'एंटी-डिस्क्रिमिनेशन स्टूडेंट मूवमेंट' नामक एक समूह ने खुद को 'आइआरए' (ISLAMIC REVOLUTIONARY ARMY) — यानी इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी आर्मी — के रूप में प्रस्तुत करते हुए एक सशस्त्र संगठन के गठन की घोषणा की थी। उनकी घोषणा के मुताबिक यह संगठन बांग्लादेश को धार्मिक-आधारित राज्य में तब्दील करने के मकसद से काम करेगा और सरकार को नए सरे से बदलने में सक्रिय भूमिका निभाएगा। आइआरए का खाका ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉरप्स (IRGC) की तर्ज पर खींचा जा रहा है। उनके बयान और रणनीति से यह संकेत मिलता है कि वे तेज़ तर्रार राजनीतिक और सैन्य प्रशिक्षण दोनों पर जोर देना चाह रहे हैं। योजना के मुताबिक लगभग 1,60,000 युवाओं की भर्ती और प्रशिक्षण का उद्देश्य मौजूदा राष्ट्रीय सेना के बराबर ताक़त हासिल करना बताया गया है। यदि यह दावे सच साबित हुए, तो देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए यह एक बड़ा खतरा बन सकता है। विश्लेषकों का कहना है कि ऐसे तत्वों की ओर बढ़ रहा ज़ोर सामाजिक-सियासी अतिवाद और अलगाव की नतीजा है। बेरोज़गारी, युवा नाखुशी, और राजनीतिक अस्थिरता ने ऐसे समूहों के लिए जमीन तैयार कर दी है जहाँ वे असंतोष को मज़बूत सैनिक इच्छाशक्ति में बदल सकें। दूसरी तरफ़ अदालतों और ट्रिब्यूनलों के कड़े कदम भी पलटवार का बहाना बन सकते हैं, जिससे दांव और तेज़ हो जाएं। बांग्लादेश की जनता, राजनीतिक हस्ती और अंतरराष्ट्रीय समुदाय अब आशंकित हैं कि अगर समय रहते समुचित क़दम न उठाए गए तो देश में हिंसक समरूपता और अधिकारों की पाबंदी बढ़ सकती है।

बिहार विधानसभा चुनाव: राजग में नीतीश पर सस्पेंस, महागठबंधन के दांव से बदलता समीकरण

-महागठबंधन का 'चेहरा' तय, राजग अब भी संशय में — नीतीश की साख पर सवाल

राजनीति को अक्सर "संभावनाओं का खेल" कहा जाता है। यह खेल तब और दिलचस्प हो जाता है जब कोई राज्य राजनीतिक रूप से अत्यधिक संवेदनशील हो, जैसे बिहार। यहाँ जाति, समाज, विकास और सियासी गठजोड़ — सब कुछ चुनावी फैसले को प्रभावित करता है। 22 अक्टूबर की रात तक बिहार विधानसभा चुनाव में ऐसा लग रहा था कि विपक्षी महागठबंधन (INDIA गठबंधन) अपनी अंदरूनी कलह और सीट बंटवारे की जद्दोजहद में उलझकर पीछे रह जाएगा। लेकिन 23 अक्टूबर की सुबह राजनीतिक माहौल अचानक बदल गया। राजद नेता तेजस्वी यादव को महागठबंधन का मुख्यमंत्री पद का चेहरा (CM Face) और वीआईपी पार्टी के प्रमुख मुकेश सहनी को डिप्टी सीएम फेस घोषित करने के बाद बिहार की राजनीति का पूरा समीकरण ही बदल गया। यह घोषणा न केवल विपक्ष की मजबूती का संकेत थी बल्कि उसने सत्तारूढ़ राजग (राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन) को रक्षात्मक मुद्रा में ला दिया।

नीतीश कुमार पर 'अनिश्चितता' का साया

नीतीश कुमार पिछले दो दशकों से बिहार की राजनीति के सबसे बड़े चेहरों में शुमार हैं। वे 2005 से मुख्यमंत्री पद पर हैं, सिवाय थोड़े अंतराल के जब उन्होंने 2014 में इस्तीफ़ा दिया था। लेकिन 2025 के विधानसभा चुनाव से पहले राजग के भीतर एक असहज खामोशी देखी जा रही है — नीतीश कुमार को अब तक मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित नहीं किया गया है। भाजपा, जो गठबंधन की बड़ी साथी है, इस बार कुछ अलग रणनीति अपनाती दिख रही है। उसने अभी तक खुलकर यह नहीं कहा कि चुनाव के बाद नीतीश ही मुख्यमंत्री होंगे। यह परहेज कई

तरह के संकेत देता है — भाजपा के अंदरूनी वर्गों में नीतीश की कार्यशैली को लेकर असंतोष।\ लोकसभा चुनाव में जदयू के प्रदर्शन से भाजपा की असहमति। और एक संभावित तैयारी — कि अगर नतीजे मिश्रित आएं तो मुख्यमंत्री की कुर्सी भाजपा किसी नए चेहरे को दे सके। राजग में इस 'संकोच' को जनता भी महसूस कर रही है। यह वही गठबंधन है जिसने लंबे समय तक "नीतीश के चेहरे पर भरोसा" जताया था, लेकिन अब वही भरोसा प्रश्नों में घिर गया है।

महागठबंधन का 'चेहरा' तय, सियासी बढ़त हासिल

विपक्षी गठबंधन की ओर से तेजस्वी यादव को दोबारा सीएम फेस घोषित करना, एक साहसिक और रणनीतिक निर्णय माना जा रहा है। तेजस्वी पहले से ही विपक्ष के सबसे लोकप्रिय नेता बन चुके हैं, खासकर युवाओं और ग्रामीण तबके में। वे खुद को "रोजगार देने वाला नेता" और "युवा बिहार का चेहरा" के तौर पर पेश करते हैं। महागठबंधन की नई चाल में जातीय संतुलन की भी झलक दिखी। तेजस्वी यादव (ओबीसी - यादव समुदाय) को सीएम फेस बनाकर राजद ने अपने परंपरागत वोट बैंक को सशक्त संदेश दिया। मुकेश सहनी (ईबीसी - मल्लाह समुदाय) को डिप्टी सीएम फेस बनाकर उस वर्ग को जोड़ा गया जो अब तक भाजपा-जदयू के करीब रहा था। अल्पसंख्यक समुदाय पहले से ही राजद के साथ स्थायी रूप से जुड़ा माना जाता है। वहीं कांग्रेस और वामपंथी दलों की मौजूदगी ने गठबंधन को वैचारिक और वर्गीय दोनों रूप से व्यापक बना दिया है। यह समीकरण जातीय संतुलन, युवाओं की अपेक्षाओं और विकास के वादे का एक मिश्रित रूप है — जो चुनावी दृष्टि से 'विजयी फार्मूला' बन सकता है।

भाजपा की रणनीति में बदलाव के संकेत

भाजपा इस बार "डबल इंजन सरकार" की बात करने से थोड़ा पीछे हटी दिख रही है। इसके बजाय पार्टी "मोदी फैक्टर" को ज़्यादा उभार रही है। राज्य नेतृत्व के बजाय केंद्र की छवि पर भरोसा करना भाजपा की पुरानी रणनीति रही है, लेकिन बिहार की राजनीति में यह फार्मूला उतना कारगर नहीं रहा। बिहार के मतदाता प्रायः अपने स्थानीय नेतृत्व को अधिक महत्व देते हैं। भाजपा के पास राज्य स्तर पर ऐसा करिश्माई चेहरा नहीं है जो नीतीश का विकल्प बन सके। यही वजह है कि भाजपा न तो नीतीश को पूरी तरह से अपना मानना चाहती है, और न ही उनसे खुलकर दूरी बना पा रही है। इस 'अस्पष्टता' का फायदा महागठबंधन को सीधे तौर पर मिल सकता है, क्योंकि जनता अक्सर स्थिरता और स्पष्टता को तरजीह देती है।

नीतीश कुमार की राजनीतिक यात्रा और बदलती विश्वसनीयता

नीतीश कुमार को बिहार का "सुशासन बाबू" कहा जाता रहा है। उन्होंने 2005 से 2010 के बीच राज्य को अपराध और अराजकता से बाहर निकालने में अहम भूमिका निभाई थी। लेकिन समय के साथ उनकी छवि पर कुछ दाग भी लगे — बार-बार गठबंधन बदलने से उनकी राजनीतिक विश्वसनीयता पर सवाल उठे। आरजेडी से गठबंधन कर वापस भाजपा के साथ आने ने जनता के बीच उनकी छवि को डगमगाया। महागठबंधन छोड़ने और फिर राजग में लौटने की चालों ने यह धारणा बना दी कि वे "कुर्सी बचाने की राजनीति" करते हैं। 2025 का चुनाव नीतीश के लिए अस्तित्व की लड़ाई जैसा है। अगर इस बार जनता ने स्पष्ट बहुमत नहीं दिया, तो संभव है कि नीतीश का राजनीतिक अध्याय धीरे-धीरे समाप्ति की ओर बढ़े। भाजपा भी शायद यही समझ रही है, इसलिए वह नीतीश पर पूरा दांव लगाने से हिचक रही है।

जातीय गणित की निर्णायक भूमिका

बिहार की राजनीति जाति से अलग कभी नहीं रही। यहाँ हर चुनाव जातीय समीकरणों के हिसाब से लड़ा जाता है।

महागठबंधन की नई रणनीति इसी समीकरण पर आधारित है —

वर्ग	**प्रतिनिधित्व**	**गठबंधन की स्थिति**
यादव (ओबीसी)	तेजस्वी यादव	परंपरागत राजद वोट
ईबीसी/निषाद	मुकेश सहनी	नया विस्तार क्षेत्र
दलित	वाम दल और कांग्रेस	साझा अपील
मुसलमान	आरजेडी	स्थायी समर्थन
सवर्ण वर्ग	कांग्रेस/वाम	आंशिक रुझान

इस संतुलन के सामने राजग के पास फिलहाल कोई नया जातीय कार्ड नहीं है। नीतीश कुमार की "अति पिछड़ा" (EBC) नीति से उन्हें पहले लाभ मिला था, लेकिन अब वही वर्ग महागठबंधन में हिस्सेदारी महसूस करने लगा है।

भाजपा-जदयू के रिश्तों में 'विश्वास का संकट'

राजग में दिख रही अनकही असहजता केवल नेतृत्व तक सीमित नहीं है।

दोनों दलों के कार्यकर्ताओं के बीच भी विश्वास की कमी उभर रही है। भाजपा के नेता महसूस करते हैं कि नीतीश के रहते उन्हें अपने बूते बढ़ने का मौका नहीं मिलता, जबकि जदयू को लगता है कि भाजपा धीरे-धीरे उसकी जमीन खिसका रही है। 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने बिहार की 40 में से 17 सीटें जीतीं, जबकि जदयू को केवल 5 पर संतोष करना पड़ा। यह नतीजा भाजपा के लिए "डॉमिनेंट पार्टनर" बनने का संकेत था। लेकिन नीतीश इसे अपनी नेतृत्व क्षमता पर सवाल मानते हैं। इसीलिए मुख्यमंत्री पद के चेहरे पर सहमति नहीं बन पा रही है — भाजपा "मिश्रित जनादेश" की स्थिति में अपने मुख्यमंत्री की संभावना खुली रखना चाहती है, जबकि नीतीश अपनी परंपरागत स्थिति बनाए रखना चाहते हैं।

विपक्ष की एकजुटता का मनोवैज्ञानिक असर

राजनीति में "मनोवैज्ञानिक धारणा" अक्सर वास्तविक परिणामों से पहले बन जाती है।

तेजस्वी-मुकेश की जोड़ी का ऐलान इसी मनोवैज्ञानिक प्रभाव को साधने की कोशिश है।

अब मीडिया, जनसभाओं और गांवों में चर्चा का केंद्र यह बन गया है कि "महागठबंधन का चेहरा तय है, राजग का नहीं।

कहीं वीटो का अविवेकपूर्ण, निहित स्वार्थपूर्ण उपयोग संयुक्त राष्ट्र को अप्रभावी तो नहीं बना रहा?

-संयुक्त राष्ट्र को अधिक सशक्त बनाने के प्रयासों की जरूरत

आज जब हम इक्कीसवीं सदी के तीसरे दशक में खड़े हैं, तो यह कहना कठिन नहीं कि दुनिया फिर से एक अजीब तरह की अस्थिरता के दौर से गुजर रही है। एक ओर विज्ञान और तकनीक ने मानवता को अद्‌त ऊँचाइयों तक पहुँचाया है, तो दूसरी ओर संघर्ष, युद्ध, हिंसा, शोषण और असमानता का जाल वैश्विक समाज को जकड़े हुए है। यूक्रेन-रूस युद्ध हो या इजराइल-फिलिस्तीन संघर्ष, अफ्रीका में गृहयुद्ध हो या एशिया में सीमाई तनातनी—हर जगह किसी न किसी रूप में सत्ता, साम्राज्यवाद या राजनीतिक हितों का खेल जारी है। ऐसे में यह प्रश्न स्वतः उठता है कि आखिर संयुक्त राष्ट्र (United Nations) जैसी संस्था, जिसे द्वितीय विश्व युद्ध के बाद विश्व शांति की रक्षा के उद्देश्य से बनाया गया था, वह इस सबके सामने इतनी असहाय क्यों दिखाई देती है? क्या यह संस्था अब केवल औपचारिक बयानबाज़ी और निंदा प्रस्तावों तक सीमित रह गई है? या फिर वीटो अधिकार जैसे निहित स्वार्थपूर्ण प्रावधानों ने इसके अस्तित्व को ही खोखला कर दिया है?

संयुक्त राष्ट्र की स्थापना: विश्व शांति का सपना

द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान मानवता ने जो विनाश देखा था, वह किसी भी सभ्य समाज के लिए शर्मनाक था। हिरोशिमा और नागासाकी पर हुए परमाणु हमले, यूरोप में नरसंहार, और करोड़ों लोगों की मौत ने विश्व नेताओं को झकझोर दिया था। इसी पृष्ठभूमि में अक्टूबर 1945 में संयुक्त राष्ट्र संघ (UNO) की स्थापना हुई। इसका उद्देश्य स्पष्ट था— अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा की रक्षा करना। राष्ट्रों के बीच मित्रता और सहयोग को बढ़ावा देना। मानवाधिकारों और समानता की रक्षा करना। वैश्विक विकास और न्यायपूर्ण विश्व व्यवस्था की स्थापना करना। 'संयुक्त राष्ट्र चार्टर' (UN Charter) में इन उद्देश्यों को विस्तार से दर्ज किया गया। यह मानवता के लिए एक नए युग की उम्मीद थी—ऐसा मंच जो युद्ध की जगह संवाद को प्राथमिकता दे, और शक्तिशाली देशों के बजाय मानवता के पक्ष में खड़ा हो।

सुरक्षा परिषद और वीटो का प्रावधान

संयुक्त राष्ट्र की सबसे प्रभावशाली इकाई है—सुरक्षा परिषद (UN Security Council)। इसके पास अंतरराष्ट्रीय शांति बनाए रखने का मुख्य अधिकार है। लेकिन यहीं से इसकी कमजोरियों की शुरुआत भी होती है। सुरक्षा परिषद में कुल 15 सदस्य हैं—जिनमें से 5 स्थायी सदस्य (Permanent Members) हैं: अमेरिका, रूस, चीन, ब्रिटेन, फ्रांस

इन पांचों देशों को 'वीटो पावर' प्राप्त है। इसका अर्थ है कि यदि कोई भी स्थायी सदस्य किसी प्रस्ताव के खिलाफ वोट डाल देता है, तो वह प्रस्ताव भले ही अन्य 14 देशों के समर्थन से पारित हो, फिर भी रद्द हो जाता है। इसका तर्क यह दिया गया था कि बड़ी शक्तियों की सहमति के बिना किसी निर्णय को लागू करना व्यावहारिक नहीं होगा, क्योंकि वे ही सुरक्षा और संसाधनों के प्रमुख योगदानकर्ता हैं। लेकिन अब यह व्यवस्था कई बार विश्व शांति के लिए बाधा बन चुकी है।

वीटो के दुरुपयोग के उदाहरण

संयुक्त राष्ट्र की स्थापना के बाद से अब तक वीटो अधिकार का 200 से अधिक बार उपयोग हो चुका है। लेकिन अधिकतर बार इसका उपयोग किसी निष्पक्ष उद्देश्य के लिए नहीं, बल्कि अपने-अपने राजनीतिक और सामरिक हितों की रक्षा के लिए किया गया है।

अमेरिका द्वारा इजराइल की रक्षा में वीटो: अमेरिका ने पिछले 50 वर्षों में लगभग 45 बार इजराइल से जुड़े प्रस्तावों पर वीटो का प्रयोग किया। चाहे बात फिलिस्तीन पर हमले की हो या मानवाधिकार उल्लंघन की—हर बार अमेरिका ने अपने सहयोगी इजराइल को बचाने के लिए संयुक्त राष्ट्र के प्रस्तावों को रोक दिया।

रूस का यूक्रेन मुद्दे पर वीटो: 2022 में जब रूस ने यूक्रेन पर हमला किया, तब सुरक्षा परिषद ने उसकी निंदा और सैन्य कार्रवाई रोकने का प्रस्ताव रखा। लेकिन रूस स्वयं स्थायी सदस्य होने के कारण इस प्रस्ताव को वीटो कर दिया। इससे संयुक्त राष्ट्र की विश्वसनीयता को गहरी चोट पहुँची।

चीन का पाकिस्तान और उत्तर कोरिया मामलों में वीटो: चीन ने कई बार संयुक्त राष्ट्र द्वारा आतंकवाद से जुड़ी कार्रवाइयों को रोकने के लिए वीटो का प्रयोग किया। उदाहरण के लिए, जब भारत ने पाकिस्तान में रहने वाले आतंकी मसूद अज़हर को 'वैश्विक आतंकी' घोषित करने का प्रस्ताव रखा, तो चीन ने इसे वीटो कर दिया।

शीत युद्ध काल में वीटो की राजनीति: 1945 से 1989 तक अमेरिका और सोवियत संघ (अब रूस) के बीच चले शीत युद्ध में वीटो हथियार बन गया था। दोनों शक्तियों ने अपने-अपने खेमे के हितों की रक्षा के लिए बार-बार इस अधिकार का इस्तेमाल किया।

संयुक्त राष्ट्र की निष्प्रभाविता के परिणाम

जब शक्तिशाली देश अपने हितों की रक्षा में वीटो का प्रयोग करते हैं, तो संयुक्त राष्ट्र के सिद्धांतों की धज्जियाँ उड़ जाती हैं। इसका असर कई स्तरों पर दिखाई देता है—

मानवीय संकटों का समाधान नहीं हो पाता: सीरिया, सूडान, यमन और गाजा जैसे क्षेत्रों में लाखों लोग मारे जा रहे हैं, लेकिन संयुक्त राष्ट्र केवल बयान जारी करता है। कोई ठोस सैन्य या कूटनीतिक कार्वाई नहीं हो पाती, क्योंकि वीटो पावर रखने वाले देशों के हित वहां टकराते हैं।

छोटे देशों का विश्वास डगमगाता है: अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका के कई छोटे राष्ट्र अब यह मानने लगे हैं कि संयुक्त राष्ट्र सिर्फ बड़ी ताकतों का क्लब बन गया है। इन देशों की आवाज़ वहां सुनी नहीं जाती।

वैश्विक कानूनों की अवमानना बढ़ी: जब शक्तिशाली देश खुद अंतरराष्ट्रीय कानूनों को तोड़ते हैं और संयुक्त राष्ट्र उन्हें रोक नहीं पाता, तो यह संदेश जाता है कि नियम सिर्फ कमजोरों के लिए हैं।

नई अंतरराष्ट्रीय ध्रुवीकरण की प्रवृत्ति: चीन-रूस बनाम अमेरिका-यूरोप का ब्लॉक, और उसके बीच भारत, ब्राजील जैसे देशों की 'संतुलन नीति'—यह सब संयुक्त राष्ट्र की निष्प्रभाविता का ही नतीजा है।

क्या संयुक्त राष्ट्र अपने उद्देश्य से भटक गया है?

संयुक्त राष्ट्र के चार्टर में "समानता और सहयोग" की भावना निहित थी। पर आज यह संस्था वैसी नहीं रही।

इसके निर्णय राजनीतिक प्रभावों से संचालित होते हैं। विकासशील देशों की समस्याएँ—जैसे गरीबी, शिक्षा, जलवायु परिवर्तन या आर्थिक असमानता—अक्सर चर्चा में तो आती हैं, लेकिन ठोस नीतियों तक नहीं पहुँच पातीं।

आतिशबाज़ी की चमक में बच्चों की सुरक्षा का सवाल

-बच्चे क्यों बनते हैं आतिशबाज़ी के शिकार

दीपोत्सव का त्यौहार रोशनी, उमंग और उल्लास का प्रतीक है। अंधेरे पर उजाले की जीत का यह पर्व हर घर, हर गली और हर मोहल्ले को जगमग कर देता है। लोग अपनी खुशियों का इज़हार दीप जलाकर, मिठाइयां बाँटकर और आतिशबाज़ी करके करते हैं। लेकिन इस खुशी के बीच एक ऐसा पहलू भी है जो अक्सर अंधेरे में रह जाता है — बच्चों की सुरक्षा। हर साल दीपावली या किसी भी बड़े उत्सव के दौरान आतिशबाज़ी के कारण बड़ी संख्या में बच्चे झुलस जाते हैं, कई बार तो हादसे इतने गंभीर होते हैं कि ज़िंदगी भर के लिए निशान छोड़ जाते हैं। त्योहार की खुशी दर्द में बदल जाती है। यही विडंबना है कि जिसे हम "उजास का प्रतीक" कहते हैं, वही कभी-कभी अंधकार और पीड़ा का कारण बन जाता है।

त्योहार की खुशियों में छिपा खतरा

राजस्थान समेत देश के लगभग हर हिस्से से दीपावली के बाद एक जैसी खबरें आती हैं — "आतिशबाज़ी से झुलसे बच्चे अस्पताल में भर्ती", "पटाखे की चिंगारी से आंखें जलीं", "देसी बम फटा, हाथ उड़ गया" आदि। जयपुर के एसएमएस अस्पताल में ही दीपावली के तीन दिनों में 300 से अधिक मरीज आतिशबाज़ी से झुलसने के मामले में पहुंचे, जिनमें 80 प्रतिशत बच्चे थे। किसी की अंगुलियां जल गईं, किसी की आंखों की रोशनी चली गई। ऐसे हादसे सिर्फ जयपुर तक सीमित नहीं हैं, बल्कि जोधपुर, कोटा, अजमेर, बीकानेर और अलवर जैसे शहरों में भी हर साल सैकड़ों बच्चे और किशोर आतिशबाज़ी का शिकार बनते हैं। यह स्थिति सिर्फ राजस्थान की नहीं, बल्कि पूरे भारत में लगभग एक जैसी है। हर साल देशभर में हजारों बच्चे पटाखों से झुलसते हैं, कई अपनी जान भी गंवा देते हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के अनुसार, त्योहारों में होने वाले दुर्घटनाओं का लगभग 40% हिस्सा आतिशबाज़ी से संबंधित होता है, और इनका सबसे बड़ा शिकार बच्चे होते हैं।

बच्चे क्यों बनते हैं सबसे बड़े शिकार?

बच्चे जिज्ञासु होते हैं, उन्हें रंग-बिरंगी रोशनी और आवाज़ें आकर्षित करती हैं। पटाखे चलाने की चाह में वे खतरे को नज़रअंदाज़ कर देते हैं। पर असली गलती बच्चों की नहीं, बल्कि अभिभावकों की लापरवाही की होती है। अक्सर माता-पिता सोचते हैं कि बच्चा अब बड़ा हो गया है, उसे खुद पटाखे चलाने में दिक्कत नहीं होगी। वे बच्चों को "फ्री" छोड़ देते हैं — "जाओ, दोस्तों के साथ खेलो, बस ध्यान रखना।" लेकिन ध्यान रखना सिर्फ कह देने से सुरक्षा सुनिश्चित नहीं होती। बच्चों को यह समझ नहीं होती कि किस पटाखे की विस्फोट क्षमता कितनी है, कौन-सा पटाखा सुरक्षित दूरी से जलाना चाहिए, और कौन-सा बिल्कुल नहीं। नतीजतन छोटी-सी गलती एक बड़े हादसे में बदल जाती है।

बालहठ नहीं, समझ की कमी और अभिभावकों की लापरवाही

कई माता-पिता हादसों के बाद इसे बच्चों की "बालहठ" या जिद्द बता देते हैं — "हमने मना किया था, फिर भी मानते नहीं" — लेकिन असलियत में यह अभिभावकों की जिम्मेदारी की कमी है। बच्चा जब तक पूरी तरह समझदार न हो, तब तक उसके हाथों में पटाखे नहीं होने चाहिए। अगर वह चला भी रहा है तो किसी बड़े की सीधी निगरानी में होना चाहिए। माता-पिता, बड़े भाई-बहन या पड़ोस के वयस्क इस दौरान साथ रहें, ताकि अगर कोई गड़बड़ हो तो तुरंत प्रतिक्रिया दी जा सके। सिर्फ समझाने से नहीं, व्यवहारिक प्रशिक्षण देना ज़रूरी है। बच्चे को दिखाएं कि फुलझड़ी, अनार या चकरी को कितनी दूरी से जलाना चाहिए, पटाखा जलाते समय शरीर का कौन-सा हिस्सा आगे न करें, और अगर पटाखा नहीं फूटे तो क्या करना चाहिए। ये बातें किताबों में नहीं, घर पर और स्कूल में सिखाई जानी चाहिए।

आतिशबाज़ी के वैज्ञानिक खतरे

आतिशबाज़ी के पीछे का विज्ञान बेहद शक्तिशाली है। पटाखों में गंधक (सल्फर), पोटैशियम नाइट्रेट, एल्युमिनियम, बेरियम और अन्य रासायनिक पदार्थ होते हैं, जो विस्फोट के दौरान बहुत ऊँचे तापमान (1000°C तक) पैदा करते हैं।

ऐसे में ज़रा-सी असावधानी से त्वचा जल सकती है, आंखें प्रभावित हो सकती हैं, या यहां तक कि श्रवण शक्ति भी कम हो सकती है। आंखों की चोटें: स्पार्कर या बम की चिंगारी से कॉर्निया जल सकता है, जिससे स्थायी अंधापन तक हो सकता है। त्वचा जलना: फुलझड़ी या रॉकेट की चिंगारी से हाथ-पैरों में जलन या फफोले पड़ जाते हैं। श्वसन तंत्र की समस्या: धुआं और गैस बच्चों के फेफड़ों पर असर डालती है, खासकर जिनको पहले से एलर्जी या अस्थमा है। श्रवण हानि: बड़े बम या तेज आवाज़ वाले पटाखे कान के पर्दे को नुकसान पहुंचाते हैं। डॉक्टरों का कहना है कि बच्चे इन जोखिमों को समझने में सक्षम नहीं होते, इसलिए अभिभावकों को ही "सुरक्षा कवच" बनना चाहिए।

सुरक्षा के लिए क्या कदम उठाए जाएं

बच्चों को जागरूक करें, डराएं नहीं: उन्हें यह समझाएं कि पटाखे चलाना मज़ेदार ज़रूर है, लेकिन अगर सावधानी न बरती जाए तो यह जानलेवा भी हो सकता है। डराने के बजाय उन्हें सुरक्षित व्यवहार की आदत डालें।

बड़े हमेशा मौजूद रहें: कभी भी बच्चों को अकेले पटाखे चलाने न दें। एक वयस्क की उपस्थिति हर पल जरूरी है। बच्चे की हर गतिविधि पर नज़र रखें।

सुरक्षा उपकरण का प्रयोग: बच्चों को कॉटन के कपड़े, बंद जूते और चश्मे पहनने के लिए कहें। नायलॉन या सिंथेटिक कपड़े बिल्कुल न पहनें, क्योंकि ये जल्दी आग पकड़ते हैं।

खुले और सुरक्षित स्थान का चयन: आतिशबाज़ी हमेशा खुली जगह पर करें। बिजली की तारों, गाड़ियों या मकानों के पास पटाखे न चलाएं। घर की छत या बालकनी पर बम चलाना बेहद खतरनाक है।

"फेल" पटाखों को छुएं नहीं: अगर कोई पटाखा नहीं फूटे तो उसे दोबारा जलाने की कोशिश न करें। 10-15 मिनट बाद पानी डालकर नष्ट करें।

फर्स्ट-एड की तैयारी: पास में ठंडा पानी, ऐलोवेरा जेल और बर्न ऑइंटमेंट रखें। अगर चोट गहरी है तो तुरंत डॉक्टर के पास जाएं।

स्कूलों में सुरक्षा शिक्षा जरूरी

बच्चों को सुरक्षा के पाठ सिर्फ घर में नहीं, बल्कि स्कूलों में भी सिखाए जाने चाहिए। दीपावली से पहले शिक्षकों को एक या दो पीरियड "सेफ फायरवर्क्स" के लिए समर्पित करने चाहिए।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में बालिका शिक्षा को मिली नई राह

-देवनारायण छात्रा स्कूटी वितरण एवं प्रोत्साहन राशि योजना से बेटियां संवार रही अपना भविष्य

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार बालिका शिक्षा को प्रोत्साहन देने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। राज्य सरकार की प्राथमिकता है कि प्रदेश की प्रत्येक बेटी उच्च शिक्षा प्राप्त कर आत्मनिर्भर बनें, जिससे राज्य महिला शिक्षा के क्षेत्र में नई ऊंचाईयों को छू सकें। इसी क्रम में राज्य सरकार द्वारा संचालित देवनारायण छात्रा स्कूटी वितरण एवं प्रोत्साहन राशि योजना प्रदेश की किशोरियों में उत्साह और जोश भरने का कार्य कर रही है। प्रदेश में बालिका शिक्षा को प्रोत्साहन देने के लिए देवनारायण छात्रा स्कूटी वितरण एवं प्रोत्साहन राशि योजना कॉलेज शिक्षा विभाग द्वारा वर्ष 2011-12 में आरम्भ की गई थी। इस योजना के तहत राजस्थान मूल की विशेष पिछडा वर्ग की वह छात्रा जिसने राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड या केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की 12वीं परीक्षा में 50 प्रतिशत या इससे अधिक अंक प्राप्त किये तथा राजस्थान स्थित राजकीय महाविद्यालय, राज्य वित्त पोषित विश्वविद्यालय में स्नातक प्रथम वर्ष में नियमित अध्ययनरत है, उसे 12 वीं परीक्षा में प्राप्तांक प्रतिशत की वरीयता सूची के आधार पर स्कूटी प्रदान की जाती है।

वर्ष 2025 से बालिकाओं को हर वर्ष 4 हजार 240 स्कूटियों का किया जाएगा वितरण-

मुख्यमंत्री की पहल पर इस योजना के तहत प्रतिवर्ष निर्धारित लक्ष्य के अलावा अन्य समान कट ऑफ प्राप्तांक वाली छात्राओं को भी स्कूटी निःशुल्क वितरित की जाती है। इस योजना का लाभ उठाने के लिए छात्रा के माता पिता/अभिभावक/संरक्षक/पति की वार्षिक आय 2.50 लाख रूपये से कम होनी चाहिए। वर्ष 2019-20 से प्रतिवर्ष 1500 स्कूटी वितरण का लक्ष्य निर्धारित था, जिसे राज्य सरकार द्वारा बढ़ाया गया है और अब वर्ष 2025-26 से 4 हजार 240 स्कूटियों का वितरण किया जाएगा। इस योजना के अंतर्गत विशेष पिछडा वर्ग की वे छात्राएं जो स्कूटी स्वीकृति की वरीयता सूची में नहीं आ पाती हैं, उनके लिए स्नातक प्रथम वर्ष, द्वितीय वर्ष एवं तृतीय वर्ष में 50 प्रतिशत या अधिक अंक प्राप्त करने पर 10,000 रूपये वार्षिक प्रोत्साहन राशि दी जाती है। साथ ही, उन्हें स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष में 20,000 रूपये वार्षिक तथा स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष में 50 प्रतिशत या अधिक अंक प्राप्त करने स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष में 20,000 रूपये वार्षिक प्रोत्साहन राशि भी दी जाती है। इसके लिए विशेष पिछडा वर्ग की वे छात्राएं जिनके माता-पिता अथवा अभिभावक की वार्षिक आय 2.50 लाख रूपये से कम है तथा जो राजकीय महाविद्यालय, राज्य वित्तपोषित विश्वविद्यालयों में अध्ययनरत है, पात्र हैं। राज्य सरकार द्वारा देवनारायण छात्रा स्कूटी वितरण के तहत अब तक 74 करोड़ 35 लाख रुपये व्यय कर 16 हजार 21 छात्राओं को लाभान्वित किया जा चुका है। साथ ही, प्रोत्साहन राशि में 9 करोड़ 76 लाख रुपए व्यय कर 19 हजार 100 छात्राएं लाभान्वित की जा चुकी हैं। योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 में 56.10 करोड़ रूपये का बजट प्रावधान स्वीकृत है, जिसके विरूद्ध माह सितंबर 2025 तक 32.92 करोड़ राशि का व्यय किया जा चुका है।

आरएसआरडीसी की 129 वीं बोर्ड बैठक

निम्बाहेडा-मगंलवाड सडक फोरलेनकरण के लिए 260 करोड के लोन को स्वीकृति दी

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने शुक्रवार को राजस्थान स्टेट रोड डवलपमेन्ट कोर्पोरेशन की 129 वीं बोर्ड बैठक की अध्यक्षता करते हुए निम्बाहेडा-मगंलवाड सडक फोरलेनकरण कार्य के लिए नाबार्ड से लिए जा रहे 260 करोड रुपए के लोन को मंजूरी प्रदान की। इसके साथ उन्होंने कम ब्याज दरों के कारण हुड़को से नाबार्ड को शिफ्ट किए जा रहे 175 करोड़ रुपये के लोन की शिफ्टिंग को भी मंजूरी दी। उप मुख्यमंत्री ने आरएसआरडीसी सभागार में आयोजित बैठक में आरएसआरडीसी के टर्न ओवर एवं लाभ में वृद्धि की सराहना करते हुए अधिकारियों से कहा की,कोस्ट सेन्ट्रिक अप्रोच के साथ काम कर प्रोजेक्ट वाइज कोस्टशीट तैयार करके उसका परीक्षण करे ताकि हर प्रोजेक्ट की वास्तविक लागत, लाभ-हानि की सही जानकारी मिल सके। आरएसआरडीसी की वित्तीय स्थिति की समीक्षा करते हुये उपमुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिये है कि अन्य राज्यों जैसे महाराष्ट्र व मध्यप्रदेश के रोड कॉर्पोरेशन के मॉडल की स्टडी करें ताकि आरएसआरडीसी को वित्तीय रूप से मजबूत किया जा सके। उन्होंने कहा कि अन्य राज्यों के कॉर्पोरेशन जो बेहतरीन काम कर रहे है उनकी बेस्ट प्रेक्टिसेज को प्रदेश में लागू किया जाये। उपमुख्यमंत्री ने आरएसआरडीसी के कार्यो में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने की बात कहते हुये क्वालिटी कन्ट्रोल विंग को सुदृढ़ करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि जो भी परियोजनाऐं संचालित की जा रही है वे निश्चित समय अवधि में पूरी होनी चाहिए। इस दौरान विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव प्रवीण गुप्ता, प्रमुख शासन सचिव आयोजना भवानी सिंह देथा, शासन सचिव वित्त नवीन जैन, शासन सचिव पीडब्ल्यूडी डीआर मेघवाल सहित सार्वजनिक निर्माण विभाग एवं आरएसआरडीसी के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

सरकार की योजनाओं की जानकारी लक्षित वर्ग तक पहुंचा कर पत्रकार कर रहे हैं समाज सेवा-उपमुख्यमंत्री

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। लोकतंत्र में पत्रकारिता महत्वपूर्ण स्तम्भ है। सरकार की योजनाओं की जानकारी लक्षित वर्ग तक पहुंचाने और योजना क्रियान्वयन में किसी भी खामी, सुधार के सुझाव का फीडबैक सरकार तक पहुंचा कर पत्रकार समाज की सेवा करते हैं। राज्य सरकार पत्रकारों के हितों की रक्षा के लिए हरसम्भव कदम उठा रही है। उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने शुक्रवार को जयपुर में पिंकसिटी प्रेस क्लब के 34वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित पत्रकारों एवं गणमान्य नागरिकों को यह बात कही। कार्यक्रम में उन्होंने पत्रकारिता जगत में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पत्रकार बंधुओं को पिंकसिटी प्रेस क्लब की ओर से सम्मानित किया। उन्होंने क्लब के गौरवशाली इतिहास को प्रदर्शित करती फ़ोटो प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। इस अवसर पर सिविल लाइंस विधायक और वरिष्ठ पत्रकार गोपाल शर्मा, पिंकसिटी प्रेस क्लब के अध्यक्ष मुकेश मीणा, महासचिव मुकेश चौधरी, महात्मा गांधी मेडिकल विश्वविद्यालय के संस्थापक एम.एल. स्वर्णकार सहित क्लब के पदाधिकारी व गणमान्य जन उपस्थित रहे।

पर्यटन और विकास की नई ऊंचाइयों पर अजमेर - देवनानी

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि अजमेर पर्यटन और विकास के क्षेत्र में नई ऊंचाइयां छू रहा है। शीघ्र ही एक विकसित और उन्नत अजमेर विकास का नया अध्याय लिखेगा। देवनानी ने आमजन को दीपावली की शुभकामनाओं के साथ ही कहा कि अजमेर विकास की नई इबारत लिखने के लिए तैयार है। सम्राट पृथ्वीराज चौहान की धरती को श्रृंगारित करने का समय चल रहा है। इसके अन्तर्गत जयपुर रोड़ पर अजमेर के प्रवेश स्थल पर भव्य सिंह द्वार का शुभारम्भ हुआ है। यह सिंह द्वार अजमेर की पहचान बनेगा। अजमेर उत्तर विधानसभा क्षेत्र में 106 करोड़ रूपये की लागत से सड़कों के निर्माण कार्य आरम्भ किए गए हैं। उनमें से अधिकतर कार्य समाप्ति की ओर अग्रसर हैं। नगरीय परिवहन सेवा को पर्यावरण हितैषी बनाने के लिए 100 ई-बसों का संचालन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि स्वच्छ अजमेर-बेहतर जल निकासी का संवर्धन करने पर सरकार का विशेष जोर रहा है। इसके लिए 60 करोड़ रूपये की राशि का प्रबंधन किया गया है। अजमेर में आईटी पार्क का सपना साकार होना अजमेर के लिए गर्व की बात है। इससे नव भारत का डिजिटल विचार साकार होगा। अजमेर पर्यटन के नक्शे पर विशेष अहमियत रखता है। इसे ओर अधिक मजबूती प्रदान करने के लिए सरकार ने लैपर्ड सफारी का प्रावधान किया है। इससे अजमेर में पर्यटकों को रोकने के लिए नए स्थान उपलब्ध होंगे। साथ ही प्रकृति और वन्यजीवन का सम्मान बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि जेएलएन अस्पताल अजमेर संभाग के लिए प्रमुख चिकित्सा संस्थान है। इसमें आने वाले व्यक्तियों को सुविधा उपलब्ध कराने के लिए स्वास्थ्य सेवा की नई पहल स्पीकर हेल्प डेस्क के रूप में आरम्भ की गई। इसके माध्यम से अब तक 5500 रोगियों को राहत प्रदान की गई है। सुपर स्पेशलिटी सेवाओं में सुधार सुनिश्चित करने के लिए भी जेएलएन को आधुनिक स्वरूप प्रदान किया जा रहा है। इसके लिए 240 करोड़ की राशि प्रदान की गई है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में कानून एवं शान्ति व्यवस्था बनाए रखने की दिशा में भी कार्य किया गया है। हरिभाऊ उपाध्याय नगर में नवीन थाने की स्थापना इसी दिशा में एक बड़ा कदम है। इसी प्रकार आनासागर चौकी को भी नई भूमि का निश्चित स्थान मिला है। नया स्टेडियम और कन्वेशन सेन्टर अजमेर के विकास के लिए नया सवेरा साबित होगा। उन्होंने कहा कि विधानसभा संचालन में भी कई नवाचार किए गए। संविधान दिवस के अवसर पर समारोह आयोजित किया गया। साथ ही डिजिटल म्यूजियम में संविधान दीर्घा का उद्घाटन करने से संविधान को नजदीक से जानने का अवसर मिला। राष्ट्रीय पर्यावरण युवा संसद ने विधानसभा से पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। विधानसभा में नेवा सेवा केन्द्र का शुभारम्भ किया गया। आधी आबादी को उनका वास्तविक स्थान दिलाने के लिए अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिला विधायकों का सम्मान किया गया। उन्होंने कहा कि कांस्टिट्यूशन क्लब ऑफ राजस्थान का शुभारम्भ कर नया अध्याय आरम्भ किया गया। विश्व योग दिवस के अवसर पर राजस्थान विधानसभा में सामूहिक योग कार्यक्रम रखा गया। कारगिल विजय दिवस पर वीरांगनाओं का सम्मान और कारगिल शौर्य वाटिका का उद्घाटन भी किया गया। सोलहवीं विधानसभा के प्रथम तीन सत्रों में 91.5 प्रतिशत प्रश्नों के उत्तर प्राप्त किए गए। राज-काज में ई-फाइलिंग सिस्टम लागू करने से पत्रावली निस्तारण के कार्य में तेजी आई, इसकी मॉनिटिरिंग आसान की गई।

'कुर्सी से तौलिया हटाएं, टेबल छोटा करें...', हरियाणा DGP के अफसरों को कड़े निर्देश

हरियाणा । सूबे के नए डीजीपी ओपी सिंह ने बुधवार को प्रदेश के सभी आइजी, एसपी, डीएसपी और थाना प्रभारियों को संदेश जारी कर अपने ऑफिस में रखे टेबल को छोटा करने और कुर्सियों से तौलिया हटाने के लिए कहा है। उन्होंने कहा कि उनके ऑफिस में आने वाले लोगों के साथ बड़ी सहजता से पेश आना चाहिए। सरकारी ऑफिस लोगों के पैसे से बना है। यह उनकी सहायता और समस्या के समाधान के लिए है। संदेश में डीजीपी ने यह भी कहा कि पुलिस विभाग एक बिजली के तार की तरह जिसमें करंट दौड़ता है। लोगों को आपसे कनेक्शन चाहिए, रोशनी चाहिए। करंट से झटका बेशक दें, मगर यह झटका उनके लिए होना चाहिए जो लोगों का खून चूसते हैं। उन्होंने कहा कि जिन अधिकारियों को पब्लिक डीलिंग की समझ नहीं है, उनको पुलिस थानों और चौकियों से हटाएं। इसके लिए उन्होंने कहा कि बढ़ई से बढ़ई काम करवाना चाहिए। उसको हलवाई का काम नहीं देना चाहिए। डीजीपी ने लेटर में लिखा कि अगर ऑफिस में कोई कॉन्फ्रेंस हॉल है तो विजिटर्स को वहीं बैठाएं।

पहली बार किसी सरकारी सेवा पर उपभोक्ता दे सकेंगे 'स्टार रेटिंग'

-विद्युत सेवाओं में सुधार के लिए जयपुर विद्युत वितरण निगम की पहल

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर विद्त वितरण निगम ने अपनी विद्त सेवाओं में सुधार कर इसे कंज्यूमर फ्रेंडली, जवाबदेह एवं पारदर्शी बनाने की दिशा में अनूठी पहल की है। इस प्रक्रिया में जयपुर डिस्कॉम नया घरेलू कनेक्शन लेने वाले उपभोक्ताओं से फीडबैक लेने जा रहा है। प्रदेश में आमजन से जुड़ी सेवाएं प्रदान करने वाले किसी राजकीय निगम अथवा विभाग ने पहली बार निजी सेवा प्रदाता कंपनियों की तरह उपभोक्ताओं से फीडबैक लेने की ऐसी शुरूआत की है। फिलहाल नए घरेलू कनेक्शन को इसके दायरे में लिया गया है। धीरे-धीरे निगम की अन्य सेवाओं को भी इसके दायरे में लाया जाएगा। चेयरमैन डिस्कॉम्स सुश्री आरती डोगरा ने शुक्रवार को सभी जोनल मुख्य अभियंताओं तथा अधीक्षण अभियंताओं के साथ फीडबैक मैकेनिज्म की तैयारियों की समीक्षा की और सोमवार से इसे प्रारंभ करने के निर्देश दिए। अब जो भी नए घरेलू कनेक्शन जारी होंगे उनमें फीडबैक देने की यह व्यवस्था प्रभावी रहेगी। निगम का प्रयास है कि 1 अक्टूबर से जो घरेलू कनेक्शन दिए गए हैं, उनमें भी ऐसा फीडबैक लिया जाए।

ऐसे दे सकेंगे फीडबैक —

नया घरेलू कनेक्शन जारी होने के बाद आवेदक को मोबाइल एप्लीकेशन 'बिजली मित्र' डाउनलोड करने का एसएमएस प्राप्त होगा। एप्लीकेशन डाउनलोड करते ही 'के' नम्बर ड़ालने पर उपभोक्ता को फीडबैक पॉप अप दिखाई देने लगेगा। इस पॉप अप पर क्लिक करते ही उपभोक्ता कनेक्शन प्राप्त करने के अपने अनुभव 1 से 5 स्टार रेटिंग के जरिए प्रदान कर सकेंगे। इस दौरान वे अन्य वैकल्पिक टिप्पणियां भी जोड़ सकेंगे। एक से 2 स्टार रेटिंग के मामलों में अधिकारी नियमित समीक्षा करेंगे और सेवा में सुधार के उपाय सुनिश्चित करेंगे। डिस्कॉम द्वारा इनकी नियमित मॉनीटरिंग की जाएगी। वृत्त तथा सब डिविजन स्तर पर प्रत्येक माह समीक्षा होगी। इसके आधार पर अधीक्षण अभियंता तथा सहायक अभियंता कार्यालयों की भी रैंकिंग तय होगी।

निचले स्तर तक मॉनीटरिंग होगी आसान —

इस प्रक्रिया से निचले स्तर तक मॉनीटरिंग आसान होगी। कनेक्शन जारी करने में कई बार देरी की शिकायतें सामने आती हैं। ऐसे में स्वतंत्र फीडबैक लेने से वास्तविक स्थिति सामने आ पाएगी। इससे सेवाओं को त्वरित, बेहतर, पारदर्शी एवं प्रभावी बनाने में डिस्कॉम प्रबंधन को मदद मिलेगी। उन अधिकारियों अथवा कार्मिकों की भी मॉनीटरिंग हो सकेगी जो आम आदमी से जुड़ी सेवाओं की अदायगी में लापरवाही बरतते हैं अथवा उन्हें लटकाते हैं। उल्लेखनीय है कि जयपुर विद्त वितरण निगम ने कुछ दिन पूर्व ही बिजली कनेक्शन को लेकर उपभोक्ताओं से फीडबैक लेने में हैल्पलाइन सेवा 181 का भी सहयोग लिया था। इस प्रक्रिया में 1 अप्रैल, 2025 से 15 अगस्त 2025 के दौरान विद्त कनेक्शन लेने वाले 75,746 उपभोक्ताओं को मोबाइल पर कॉल किए गए। जिन 41,815 उपभोक्ताओं ने कॉल रिसीव किए। उनसे बिजली कनेक्शन जारी होने तथा इससे संबंधित अनुभव पूछे गए। इस पूरी कवायद के पीछे जयपुर डिस्कॉम की मंशा आमजन से जुड़ी सेवाओं के प्रति आमजन का वास्तविक फीडबैक प्राप्त कर इन्हें बेहतर करने की रही है।

राजस्थान रिफाइनरी से निकलने वाले डाउनस्ट्रीम उत्पादों से लगेंगे नये उद्योग

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। पचपदरा (बालोतरा) में एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी लिमिटेड (HRRL) द्वारा स्थापित की जा रही रिफाइनरी में शीघ्र ही वाणिज्यिक उत्पादन शुरू होने जा रहा है। इस वजह से रिफाइनरी के निकट रीको द्वारा स्थापित राजस्थान पेट्रो जोन (आरपीजेड) में भी उद्यमियों का रूझान बढ़ रहा है क्योंकि रिफाइनरी से निकलने वाले डाउनस्ट्रीम उत्पादों का उपयोग आरपीजेड में लगने वाले उद्योगों में ही कच्चे माल के रूप में हो सकेगा। इसके मद्देनजर आरपीजेड में भूखण्ड आवंटन के लिये उद्यमी रीको से लगातार संपर्क कर रहे हैं। रीको ने भी आरपीजेड एरिया में भूखण्डों के आवंटन की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है। इसी कड़ी में प्रत्यक्ष आवंटन योजना-2025 के तहत पॉलिमर-आधारित उद्योगों के लिये 11 भूखण्डों के ऑफर लेटर भी जारी कर दिये गये हैं जिससे लगभग 65 करोड़ रूपये का निवेश होगा। इसके अतिरिक्त 25 अन्य उद्यमियों ने भी राजस्थान सरकार के साथ राइजिंग राजस्थान के तहत पेट्रोकेमिकल एवं प्लास्टिक उद्योग लगाने हेतु एमओयू निष्पादित किये हैं। इन एमओयू से राज्य में करीब 200 करोड़ रूपये का निवेश होगा तथा स्थानीय लोगों को रोजगार भी मिलेगा। राजस्थान का क्रूड ऑयल तथा नेचुरल गैस के उत्पादन में देश में प्रमुख स्थान है। आरपीजेड में लगने वाले पेट्रोकेमिकल एवं प्लास्टिक उद्योगों से राजस्थान अब इस क्षेत्र में भी अग्रणी राज्य बनने जा रहा है। ऐसे उद्यमी जिनके पास पेट्रोकेमिकल एवं केमिकल्स में टेक्निकल योग्यता तो है परंतु पूंजी की उपलब्धता नहीं है, उनके लिये रीको आरपीजेड में ही प्लग एवं प्ले फैक्ट्री शेड भी बना रहा है जिससे इस तरह के तकनीकी उद्यमी अपना उद्योग शुरू कर सकें। रीको ऐसे करीब 8 प्लग एवं प्ले फैक्ट्री शेड्स का आरपीजेड में निर्माण कर रहा है। एक शेड की कीमत करीब 3 करोड़ रूपये है। इन उद्योगों के लिये फीडस्टॉक की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। राजस्थान पेट्रो जोन रिफाइनरी से मात्र 12 किमी की दूरी पर स्थित है तथा अमृतसर-जामनगर एक्सप्रेसवे और राष्ट्रीय राजमार्ग 25 से जुड़ा हुआ है। इस परियोजना से प्लास्टिक व पॉलिमर प्रोसेसिंग, रबड़ व पीयू मैन्युफैक्चरिंग, टेक्निकल टैक्सटाइल, रसायनिक एवं फार्मास्यूटिकल जैसे उद्योगों के जरिये राज्य में बड़े पैमाने पर निवेश आकर्षित होने की उम्मीद है। यह सभी उद्योग प्रोपलीन, बेंजीन, टोल्यून और ब्यूटाडाइन जैसे फीडस्टॉक का उपयोग करेंगे। पेट्रो जोन के पहले चरण में LLDPE और HDPE जैसे कच्चे माल पर आधारित डाउनस्ट्रीम उद्योगों की स्थापना पर विशेष ध्यान रहेगा। आरपीजेड विकसित होने से रिफाइनरी से निकलने वाले उत्पादों का बेहतर इस्तेमाल यहीं पर हो सकेगा तथा इससे रिफाइनरी को भी इन डाउनस्ट्रीम उत्पादों को अन्य शहरों एवं औद्योगिक क्षेत्रों में परिवहन नहीं करना पड़ेगा जिससे रिफाइनरी को भी फायदा होगा।

मनमाने ढंग से फीस नहीं वसूल सकेंगे मेडिकल कॉलेज

-सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों की करनी होगी पालना

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। प्रदेश में स्थापित सभी निजी मेडिकल कॉलेजों को फीस संरचना के नियमों की कड़ाई से पालना सुनिश्चित करनी होगी। राज्य सरकार ने इस संबंध में एक महत्वपूर्ण आदेश जारी किया है। चिकित्सा शिक्षा विभाग के शासन सचिव अम्बरीष कुमार ने बताया कि कुछ निजी मेडिकल कॉलेजों द्वारा मनमाने ढंग से फीस वसूलने की शिकायतें मिलती थीं। इसके बाद राज्य सरकार ने छात्रों के हित में फीस वसूली के नियमों में पूर्ण पारदर्शिता रखने के उद्देश्य से यह आदेश जारी किया है। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा इस्लामिक एकेडमी ऑफ एजुकेशन बनाम कर्नाटक राज्य मामले में दिए गए निर्णय की अनुपालना में यह आदेश जारी किया गया है, जिसमें निजी शैक्षणिक संस्थानों में शुल्क निर्धारण और प्रवेश प्रक्रिया को विनियमित करने पर जोर दिया गया है। आदेश के अनुसार राज्य स्तरीय शुल्क निर्धारण समिति द्वारा निर्धारित शुल्क संरचना का पालन सभी मेडिकल कॉलेजों के लिए अनिवार्य है।

कुछ कॉलेज 15 प्रतिशत सीटों को मैनेजमेंट सीट्स बताकर कर रहे थे अतिरिक्त वसूली

चिकित्सा शिक्षा सचिव ने बताया कि यह आदेश मुख्य रूप से निजी चिकित्सा महाविद्यालयों द्वारा अनाधिकृत रूप से अतिरिक्त शुल्क वसूली की शिकायतों के आधार पर जारी किया गया है। विशेष रूप से यूजी काउंसलिंग बोर्ड की वेबसाइट पर कुछ निजी कॉलेजों द्वारा 15 प्रतिशत सीटों को मैनेजमेंट सीट्स बताकर अतिरिक्त शुल्क प्रदर्शित किया जा रहा है, जो शुल्क नियामक समिति द्वारा अधिकृत नहीं है। यह सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय की अवहेलना है, जिसमें शिक्षा को लाभकारी व्यवसाय बनाने पर रोक लगाई गई है।

शिकायतों एवं निरीक्षणों से सामने आई स्थिति

कई मामलों में छात्रों से निर्धारित शुल्क से अधिक राशि वसूल करने की शिकायतें प्राप्त हुई थीं। राज्य सरकार को प्राप्त शिकायतों और निरीक्षणों से पता चला कि कुछ संस्थाएं व्यावसायीकरण की प्रवृत्ति अपनाकर छात्रों का शोषण कर रही हैं, जो संवैधानिक मूल्यों के विरूद्ध है। इस आदेश से ऐसी अनियमितताओं पर रोक लगाई जा सकेगी। आदेश के अनुसार निजी चिकित्सा महाविद्यालयों को अनुमोदित शुल्क संरचना का पालन करना होगा। सभी निजी चिकित्सा महाविद्यालयों एवं डेंटल महाविद्यालयों को समिति द्वारा निर्धारित शुल्क संरचना के अनुसार ही छात्रों से शुल्क वसूल करना होगा।

ज्यादा शुल्क लिया तो ब्याज सहित लौटाना होगा, संबद्धता भी हो सकती है समाप्त

चिकित्सा शिक्षा सचिव ने बताया कि अनुमोदित शुल्क से अधिक कोई अन्य शुल्क किसी भी संस्था द्वारा वसूला जाता है, तो प्रभावित छात्रों को 12 प्रतिशत वार्षिक ब्याज के साथ शुल्क वापस (रिफंड) किया जाएगा। नियमों का अनुपालन न करने पर संस्था की संबद्धता आरयूएचएस एवं एमएमयू से समाप्त की जा सकती है, अतिरिक्त शुल्क कॉलेज की संपत्तियों से वसूल किया जाएगा और प्रभावित छात्रों को अन्य चिकित्सा महाविद्यालयों में स्थानांतरित किया जाएगा। ऐसी संस्थाओं के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई भी की जाएगी। इसकी जानकारी एनएमसी एवं डीसीआई को भी दी जाएगी। संबद्धता समाप्त होने पर छात्रों के शुल्क और वित्तीय भार की वसूली संबंधित संस्था से की जाएगी।

आदर्श विद्या मंदिर सूरसागर के भवन विस्तार का हुआ विधिवत लोकार्पण

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जोधपुर जिले के श्रीमती इंदिरा देवी मांगीलाल अग्रवाल आदर्श विद्या मंदिर सूरसागर विद्यालय भवन विस्तार कार्य का लोकार्पण समारोह शुक्रवार को संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, राज्यसभा सांसद राजेंद्र गहलोत, विधायक सूरसागर देवेन्द्र जोशी, विद्या भारती के अखिल भारतीय उपाध्यक्ष अवनीश भटनागर के मुख्य आतिथ्य और रामानंद जी महाराज के पावन सानिध्य में आयोजित हुआ। इस अवसर पर संसदीय कार्य मंत्री पटेल ने कहा विद्या भारती संपूर्ण देश में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तथा युवा पीढ़ी को भारतीय संस्कारों और मूल्यों के अनुरूप शिक्षित करने के लिए सतत प्रयासरत है। उन्होंने कहा विद्या मंदिर राष्ट्रभक्ति, अनुशासन और नैतिक मूल्यों से ओत-प्रोत युवा पीढ़ी के निर्माण के केंद्र के रूप में कार्य कर रहे है। उन्होंने कहा यह संस्थान न केवल ज्ञान का प्रसार करते है, बल्कि राष्ट्र प्रेम और सेवा भावना को भी विद्यार्थियों के हृदय में जागृत करते हैं। पटेल ने अग्रवाल परिवार और अन्य भामाशाहों के अमूल्य सहयोग की सराहना करते हुए कहा सभी दानदाताओं का योगदान चिरस्मरणीय है और इससे विद्या मंदिर शिक्षा के क्षेत्र में नए आयाम प्राप्त करेगा। सांसद गहलोत ने कहा विद्या मंदिर जैसे संस्थान भारतीय शिक्षा प्रणाली के सच्चे प्रतीक हैं।

यूनियन के डेलिगेशन ने विधायक व विद्युत अधिकारियों को दीपावली की बधाइयां दी

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। ऑल राजस्थान इलेक्ट्रिसिटी एंप्लाइज यूनियन के मुख्य सरक्षक रामकिशोर मीणा, अध्यक्ष दिनेश कुमावत, महासचिव यूसुफ कुरैशी व रमजान खान अन्य पदाधिकारी के डेलिगेशन द्वारा किशन पोल जयपुर शहर विधानसभा क्षेत्र के विधायक अमीन कागजी को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं दी उसके बाद फेडरेशन के डेलिगेशन ने विद्त भवन जाकर उच्च अधिकारियों को दीपावली की शुभकामनाएं दी।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए	
टोल फ्री नंबर	18001806507
वॉट्सएप नंबर	9414037085
कस्टमर केयर	2203000
आईवीआरएस	1912
कचरा गाड़ी के लिए	
ग्रेटर	2747400
सीवरेज लीकेज	2607500
हेरिटेज	2607500
टोल फ्री नंबर	14420
पुलिस की मदद के लिए	
साइबर क्राइम	1930/2360094
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098
महिला हेल्पलाइन	1090
मुख्यमंत्री पोर्टल	181

पानी के लिए	
जलदाय कार्यालय	2706624
फायर ब्रिगेड	2747400
मेडिकल इमरजेंसी के लिए	
एंबुलेंस	102/108
एसएमएस इमरजेंसी	2518333
महिला चिकित्सालय	22610616
जनाना हॉस्पिटल	22378721
SDMH	22574189
SMS ब्लड बैंक	22518222
कल्याण ब्लड बैंक	22721771
घायल पशुओं के लिए	
नगर निगम	2747400
बर्ड बाइक	9887345580
हेल्प इन सफरिंग	8107299711
जनमंच ट्रस्ट	7230055800
पशु चिकित्सालय	2747400

अजमेर में ऑटो पार्ट्स की दुकान में भीषण आग, लाखों का नुकसान

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। अजमेर के पंचशील इलाके में गुरुवार सुबह एक ऑटो पार्ट्स की दुकान में अचानक भीषण आग लग गई, जिसने आसपास के क्षेत्र में दहशत मचा दी। यह आग स्टीफन चौराहे पर स्थित निखिल ऑटो पार्ट्स की दुकान में सुबह लगभग 6.30 बजे लगी। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और दुकान के बाहर से दूर-दूर तक लपटें दिखाई देने लगीं। आग लगने के तुरंत बाद दुकान के आसपास धुआं ही धुआं फैल गया। आसपास के लोग और दुकानदार डर के मारे इकट्ठा हो गए और अपनी सुरक्षा के लिए दूर खड़े होने लगे। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि उन्हें दूर से भी देखा जा सकता था। स्थानीय लोग और राहगीर घटना स्थल पर जमा हो गए, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। मौके पर पहुंचे क्रिश्चियन गंज थाना पुलिस और दमकल विभाग ने तुरंत राहत और बचाव कार्य शुरू किया। तीन दमकल की गाड़ियों की मदद से अग्निशमन दल ने आग पर काबू पाने के लिए

कड़ी मशक्कत की। दुकान के शटर को जेसीबी मशीन की मदद से तोड़ा गया ताकि अंदर फंसी सामग्री को निकाला जा सके और आग पर काबू पाया जा सके। कई घंटे की मेहनत के बाद आग पर नियंत्रण पाया गया, लेकिन तब तक दुकान का अधिकांश सामान और ऑटो पार्ट्स जलकर खाक हो चुके थे। क्रिश्चियन गंज थाना पुलिस ने आग लगने के कारणों की जांच शुरू कर दी है। शुरुआती अनुमान के अनुसार यह आग किसी शॉर्ट सर्किट या इलेक्ट्रिकल फॉल्ट की वजह से लगी हो सकती है, लेकिन अंतिम रिपोर्ट पुलिस की जांच के बाद ही सामने आएगी। आग में दुकान मालिक को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है, जिसकी रकम लाखों में आंकी जा रही है। स्थानीय लोग और दुकानदार इस हादसे से दहशत में हैं। आग बुझाने के दौरान आसपास के इलाके में भी धुआं फैलने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। अधिकारियों ने दुकानदारों से अपील की है कि वे अपने प्रतिष्ठानों में अग्नि सुरक्षा का पर्याप्त इंतजाम करें और किसी भी तरह की लापरवाही से बचें।

स्वदेशी से ही बनेगा आत्मनिर्भर भारत - सहारण

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर पूर्वनेताप्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ के चूरू आवास पर आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान के तहत चूरू विधानसभा का सम्मेलन जिलाध्यक्ष बसंत शर्मा की अध्यक्षता में आयेजित हुआ। कार्यक्रम में विधायक हरलाल सहारण, प्रधान दीपचन्द राहड़, उपजिला प्रमुख महेन्द्र न्यौल, विधानसभा संयोजक पदमसिंह राठौड़, नेताप्रतिपक्ष विमला गढ़वाल, जिला उपाध्यक्ष मोहन खारड़िया, जिला मंत्री दीनदयाल सैनी, जिला सहकोषाध्यक्ष रचना कोठारी, मण्डल अध्यक्ष धर्मेन्द्र राकसिया, सुरेश सारस्वत, विजय कस्वां, दौलतराम प्रजापत, निर्मल सैन, राकेश तालणिया मचस्थ रहे। इस अवसर पर बोलते हुऐ विधायक हरलाल सहारण ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत बनाना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का बहुत बड़ा सपना है जो धीरे धीरे पल्लवित होता जा रहा है। आज केन्द्र सरकार के द्वारा जो शासन की नितियां बनाई जा रही है। उनसे देश आत्मनिर्भरता की और बढ़ रहा है। विश्व में भारत की मेक इन इण्डिया कार्यक्रम को सम्मान पूर्वक देखा जाने लगा है। इस कार्यक्रम से देश के युवाओं में जागृति पैदा हुई है कि वे लोकल फोर वोकल के तहत देश की निर्मित वस्तुओ का इस्तेमाल कर रहे है ना केवल इस्तेमाल कर रहे है बल्कि मेक इन इण्डिया के तहत रोजगार उत्सर्जन का काम भी कर रहे है। उन्होने कहा कि विश्व ने ऑपरेशन सिंदूर में भारत की सामरिक ताकत को देखा कि किस प्रकार हमने दुश्मन के दांत खटटे कर दिये विश्व की बड़ी-बड़ी सैन्य ताकते इस को

लेकर आश्चर्य व्यक्त कर रही है हमारे स्वदेश निर्मित हथियारो ने दुश्मन को नाको चने चबवा दिये। जिससे दुश्मन हमारी सीमाओं को छु भी नही पाया। हमारी सैनाओं का पराक्रम और हमारे वैज्ञानिको का योगदान हम सब के लिए गौरव का विषय है। आज भारत विश्व की बड़ी आर्थिक और सामरिक ताकत बन कर आत्म निर्भर भारत का संदेश दे रहा है। उन्होने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश की अर्थव्यवस्था मजबूत हो रही है वही देश मजबूती से चुनौतियों का सामना करता है। पहले सैनिको के सिर काटने पर भी सरकारे मौन धारण कर लेती थी परन्तु अब गोली के बदले गेला चलाने की क्षमता भारत रखता है इसके लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का दृढ नेतृत्व है। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष बसंत शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का यह स्पष्ट विजन है जब तक देश आत्मनिर्भर नही हो जाता तब तक देश पूर्ण रूप से विकसित नही हो सकता। प्रधानमंत्री ने आत्मनिर्भर बनने की क्षमताओं को पहचान कर देश को कुशल नेतृत्व प्रदान किया है जिससे भारत आज आत्मनिर्भर भारत के संकल्प के साथ विश्व में अपनी स्थिती मजबूत कर रहा है। युवाओं में स्कील डवलपमेंट के द्वारा क्षमताऐं पैदा की जा रही है जिससे वे देश के विकसित बनने के लिए अपना योगदान देने को प्रेरित हो सका। उन्होने कहा कि आज भारत विश्व का सबसे बड़ा मोबाईल उत्पादक सबसे बड़ा डिजिटल ट्रांजेक्शन करने वाला देश बना है इसके पिछे यही आत्मनिर्भरता की सोच है। हमारे लघू उघोग आज देश की अर्थ व्यवस्था में अपना योगदान दे रहे है जिससे रोजगार सृजन हो रहा है यह सुखद संयोग है कि देश ने आपदा में भी अवसर को पहचाना है। उन्होने कहा कि देश विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है भारत की जनता दृढता पूर्वक स्वदेशी अपनाकर इस और आगे बढ़ रही है। उन्होने उदाहरण देते हुऐ कहा कि पिछले दिनो दिपावली पर्व पर भारतीय लोगो ने पांच दिनो मे ही पाकिस्तान की जितनी कुल जीडीपी है उतनी खरीददारी कर डाली जो ये दर्शाता है कि भारत को कोई भी देश चुनौति नही दे सकता। कार्यक्रम का प्रारंभ भारत माता, पंडित दीनदयाल उपाध्याय व डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर वन्देमात्रम से हुआ एवम् समापन जनगनमन से हुआ। इस अवसर पर एससी मोर्चा जिलाध्यक्ष अजीत मेघवाल, अल्पसंख्यक मोर्चा जिलाध्यक्ष अख्तर खांन, पार्षद ममता जोशी, भागीरथ सैनी, असलम डायर, लिखमीचन्द प्रजापत, आनन्द रैगर, शोभा चौधरी, इन्द्रा सैनी, आमीन खांन, जयपालसिंह टकणेत, रजत शर्मा, राकेश शर्मा, सुशील लाटा, संदीप पाटील, गोगराज सेनी, नीरज जांगिड़ सुरेश मिश्रा, हनुमान माटोलिया, सम्पत सिंह राठौड़, विश्वनाथ जांगिड़, चन्द्रप्रकाश खत्री, आकाश सैनी, ओम इन्दोरिया, कैलाश शर्मा, नितिन बुन्देला, दयालसिंह निर्बाण, गोपी शर्मा, सुरेन्द रबावलिया, बंशी बाल्मिकी, मुलचन्द धूत, नंदू मोजासिया, अनवर थीम, हेमसिंह शेखावत, अजय तंवर, कमल रामसरा, चेतराम सहारण, पितराम मेघवाल, गिरधारीलाल सोनी, भगवानसिंह भाटी, बुधाराम मेघवाल, बलबीर नैण, सुभाष मोयल, श्रीराम पीपलवा, कपील चंदेल, प्रकाश नायक, कमल सैनी, रामचन्द्र शर्मा, बालीसिंह चौहान, दिनेश शर्मा, पवन चांवरिया, फरियाद खान, जेपी प्रजापत, सुनील ढाका, सोहन सहारण, नीतू पारीक, अरूण शर्मा, राजीव लाम्बा, भंवर गुर्जर, बाबू इस्मायल, निखिल प्रजापत सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन जिला मीडिया संयोजक रवि दाधीच ने किया।

कोटा में बदमाशों ने पुलिस पर चाकूबाजी

-दो कांस्टेबल गंभीर रुप से घायल

कोटा (रॉयल पत्रिका)। कोटा के आरके पुरम थाना क्षेत्र में एक गंभीर घटना सामने आई है, जिसमें पुलिस पर ही बदमाशों ने चाकुओं से हमला कर दिया। यह वारदात 21 अक्टूबर की रात श्रीनाथपुरम इलाके में हुई, जब पुलिस टीम मुखबिर की सूचना पर तीन बदमाशों को पकड़ने गई थी। जैसे ही पुलिसकर्मी आरोपियों को घेरने की कोशिश कर रहे थे, तभी बदमाशों ने अचानक ताबड़तोड़ चाकूबाजी कर दी। हमले में दो कांस्टेबल गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल हुए पुलिसकर्मी पुष्पेंद्र सिंह हाडा और गोविंद चौधरी को तत्काल निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। रिपोर्ट्स के अनुसार, एक कांस्टेबल के हाथ और पेट में चाकू के गंभीर वार लगे हैं, जबकि दूसरे कांस्टेबल के कंधे में चोट आई है। दोनों की हालत अभी स्थिर बताई जा रही है, लेकिन उनका इलाज

चल रहा है। पुलिस ने बताया कि यह बदमाश पहले से ही चाकूबाजी के एक मामले में फरार थे। आरके पुरम थाना में उनके खिलाफ मामला दर्ज था और इसी मामले की जांच के लिए पुलिस उन्हें पकड़ने गई थी। हालांकि, बदमाशों की तरफ से किए गए इस हमले ने पुलिस की टीम को भी सकते में डाल दिया। घटना के बाद आरके पुरम थाना पुलिस ने पूरे इलाके में सघन तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। पुलिस अधिकारी लगातार जानकारी जुटा रहे हैं और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए अलग-अलग टीमों को लगाया गया है। स्थानीय लोगों से भी पुलिस सहयोग मांग रही है ताकि दोषियों को जल्द से जल्द पकड़ा जा सके।

चूरू कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हनुमान कोठारी द्वारा अपने प्रतिनिधियों के माध्यम से सम्मान किया गया

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय स्थित चूरू शहर व देहात ब्लॉक कांग्रेस कार्यालय मंडेलिया हाउस चूरू में कांग्रेस वरिष्ठ नेता हनुमान कोठारी द्वारा प्रसस्ती पत्र देकर राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी उपाध्यक्ष रफीक मंडेलिया का कांग्रेस के नेताओ ने किया सम्मान। पत्र का वाचन करते हुए पूर्व प्रतिपक्ष नेता मोहम्मद हुसैन निर्बाण ने कहा कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व लोहिया कॉलेज चूरू के प्रथम अध्यक्ष हनुमान कोठारी द्वारा प्रसस्ती पत्र भेंट करते हुए उनकी भावनाओं को आपके समक्ष रख रहा हूँ । इस आयोजन में स्वंय उनको आना था, अचानक स्वास्थ्य कारणों से नही आना हुआ, यह जिम्मेदारी उन्होने हमें अपनी ओर से देकर कार्य करने का आग्रह किया। प्रसस्ती पत्र में हनुमान कोठारी ने कहा कि चूरू की राजनीति में जब से रफीक मंडेलिया सक्रिय हुए, विकास की एक नई धारा प्रवाहित हुई। सरकारी सहयोग की प्रतीक्षा किये बिना, उन्होने निजि संस्थानों से विकास कार्य करवाने प्रारंभ कर दिये। चाहे भरतीया अस्पताल में उपकरण व एम्बुलेंस

का मामला हो, मन्दिर-मस्जिद का जीर्णोद्वार हो, कुण्ड-तालाब खुदवाना हो, शिक्षण संस्थानों में सुविधा विस्तार का सवाल हो, सडक बनवाना हो, कही कोई आवश्यक उपकरण देना हो, ये निजि स्तर से ही कर देते है, बिना किसी हिचक के। जरूरतमदों को निजी सहयोग भी करते है। उन्होने कहा कि मैने 60 साल की राजनीतिक सफर में विभिन्न किस्म के राजनेता देख, मगर इस किस्म का पहला यही व्यक्तित्व है। चुनावी हार जीत एक संयोग है- विभिन्न परिस्थितियों का परिणाम है, मगर 93 हजार मत देकर चूरू की जनता ने अगाढ विश्वास जताया है।इस अवसर पर राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी उपाध्यक्ष रफीक मंडेलिया ने हनुमान कोठारी का आभार व्यक्त करते हुए उनके स्वस्थ रहने की कामना करते हुए कहा कि आपका स्नेह ऐसे ही बना रहे। इस अवसर पर पं.स. प्रतिपक्ष नेता धर्मेन्द्र बुडानिया, किसान नेता आदूराम न्यौल व डॉ. प्यारेलाल दानोदिया रमजान खान ने रफीक मंडेलिया का साफा व श्योल पहनाकर स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन जिला कांग्रेस कमेटी उपाध्यक्ष जमील चौहान ने किया। इस अवसर पर चूरू शहर ब्लॉक अध्यक्ष असलम खोखर, देहात ब्लॉक अध्यक्ष किशोर धान्धू, ओबीसी प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष नारायण बालाण, हेमन्त सिहाग,विमल शर्मा, योगेश ढाका, हर्ष लाम्बा, रामरतन सिहाग, जाफर खां, हेमन्त सैनी आदि मौजुद रहें।

अजमेर स्टेशन से शुक्रवार से 14 स्पेशल ट्रेनें संचालित

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। दीपावली और छठ पूजा जैसे त्योहारों को ध्यान में रखते हुए रेलवे ने अजमेर स्टेशन से आज 14 स्पेशल ट्रेनों का संचालन शुरू किया है। मंडल रेल प्रबंधक राजू भूतड़ा के अनुसार, त्योहारों के दौरान यात्रियों की सुविधा और अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए यह विशेष प्रबंध किए गए हैं। रेलवे ने यात्रियों की सुविधा के लिए अतिरिक्त बुकिंग काउंटर खोले हैं और स्टेशन पर होल्डिंग एरिया भी बनाए गए हैं ताकि यात्रियों को इंतजार के दौरान आराम मिल सके। आज संचालित होने वाली ट्रेनों में वलसाड-हिसार स्पेशल ट्रेन सुबह 4:50 बजे अजमेर स्टेशन से रवाना होगी, जबकि अजमेर-भिवानी स्पेशल ट्रेन शाम 5:30 बजे से चलेगी। वलसाड-खातीपुरा स्पेशल ट्रेन सुबह 4:25 बजे और खातीपुरा-वलसाड स्पेशल ट्रेन रात 9:05 बजे अजमेर स्टेशन पहुंचेगी। इसके अलावा, भावनगर-शकूरबस्ती स्पेशल ट्रेन रात्रि 2:10 बजे, हरिद्वार-साबरमती स्पेशल ट्रेन दोपहर 1:15 बजे, साबरमती-गोरखपुर स्पेशल ट्रेन शाम 4:00 बजे, दौराई-समस्तीपुर स्पेशल ट्रेन रात्रि 9:20 बजे और अजमेर-रांची स्पेशल ट्रेन रात्रि 11:05 बजे अजमेर स्टेशन से चलेगी। बांद्रा टर्मिनस-जायपुर स्पेशल ट्रेन सुबह 7:15 बजे, जयपुर-डॉ. अम्बेडकर नगर स्पेशल ट्रेन दोपहर 3:05 बजे और साबरमती-बेगूसराय स्पेशल ट्रेन रात 9:05 बजे अजमेर स्टेशन से प्रस्थान करेगी। वहीं, मदार जंक्शन-रोहतक स्पेशल ट्रेन सुबह 4:30 बजे मदार जंक्शन से चलेगी। रेलवे अधिकारियों ने यात्रियों से अपील की है कि वे अपने समय और ट्रेन की जानकारी पहले से चेक कर लें और स्टेशन पर समय पर पहुंचे। रेलवे ने यह भी सुनिश्चित किया है कि स्टेशन पर सुरक्षा और स्वच्छता का पूरा ध्यान रखा जाए, ताकि त्योहारों के दौरान यात्रियों को आरामदायक और सुरक्षित यात्रा का अनुभव मिल सके।

सीकर में RLP नेता हरीश खीचड़ पर हमले के खिलाफ कार्यकर्ताओं ने SP ऑफिस का घेराव

- बाजार बंद का अल्टीमेटम

सीकर (रॉयल पत्रिका)। सीकर में RLP नेता हरीश खीचड़ पर हमले के खिलाफ विरोध प्रदर्शन और रैली का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (RLP) के कार्यकर्ताओं ने जिले के पुलिस अधीक्षक (SP) कार्यालय का घेराव किया और आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग को लेकर जोरदार विरोध किया। कार्यकर्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि रविवार तक सभी आरोपी गिरफ्तार नहीं किए गए, तो सोमवार को पूरे सीकर में बाजार बंद करने का अल्टीमेटम दिया जाएगा। 17 अक्टूबर को सीकर के सदर थाना क्षेत्र में हरीश खीचड़ पर लगभग एक दर्जन बदमाशों ने हमला किया था। यह हमला कैंपर गाड़ी से किया गया था। हमले में हरीश के पैर में कई जगह फ्रैक्चर हुआ, जिसके बाद उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। यह घटना शहर में सनसनी मचा गई और स्थानीय लोगों में गहरी चिंता उत्पन्न हुई। RLP के जिला प्रवक्ता सांवरमल मुवाल ने

बताया कि SP कार्यालय में ज्ञापन सौंपने से पहले कार्यकर्ताओं ने रैली निकाली। उन्होंने बताया कि SP ने कहा कि दो आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है, तीन हिरासत में हैं और बाकी आरोपियों को जल्द पकड़ा जाएगा। इस मामले में कुल 12-13 आरोपियों के नाम सामने आए थे। कार्यकर्ताओं ने एसपी से आग्रह किया कि सभी नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी समय पर सुनिश्चित की जाए। कार्यकर्ताओं ने एसपी को रविवार तक का समय दिया है। यदि सभी आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हुई, तो सोमवार को शहर में बाजार बंद करने का ऐलान किया जाएगा। RLP कार्यकर्ता हरीश खीचड़ के लिए न्याय की माँग कर रहे हैं और उनका कहना है कि आरोपी जितनी जल्दी हो सके गिरफ्तार किए जाएं। हरीश खीचड़ (26) गणेशम रेजिडेंसी के पास किराए के फ्लैट में रहकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे थे। 17 अक्टूबर की शाम को जब वह रेजिडेंसी से बाहर निकले, तभी बदमाशों ने उन पर जानलेवा हमला किया। इस हमले ने शहर में सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं और स्थानीय प्रशासन पर दबाव बढ़ा दिया है।

बीकानेर-कोटपूतली एक्सप्रेस-वे 2030 तक बनेगा

-एनएचएआई ने नई डीपीआर शुरू की

बीकानेर (रॉयल पत्रिका)। बजट 2024 में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश में 9 ग्रीन एक्सप्रेस-वे बनाने की घोषणा की थी, जिनमें बीकानेर-कोटपूतली एक्सप्रेस-वे भी शामिल था। शुरुआत में इस एक्सप्रेस-वे की डीपीआर (डिज़ाइन पेपर रिपोर्ट) राजस्थान पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट (PWD) तैयार कर रहा था। लेकिन कुछ महीने पहले इसे PWD की बजाय एनएचएआई (राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण) के पास भेज दिया गया। एनएचएआई ने PWD द्वारा तैयार की गई डीपीआर को खारिज कर दिया और नए सिरे से डीपीआर बनाने का टेंडर निकाला। दिलचस्प बात यह है कि 2024 में घोषित यह एक्सप्रेस-वे 2030 तक ही पूरा होने की संभावना है। इसका कारण यह है कि इस पूरे प्रक्रिया में ही लगभग तीन साल लगने वाले हैं। एनएचएआई के अनुसार, 2027 के अंत तक

इसका वास्तविक निर्माण शुरू होने की उम्मीद है। दरअसल, सीएम की घोषणा के बाद PWD ने पिछले साल ही डीपीआर के लिए टेंडर जारी कर दिए थे। लेकिन टेंडर खुलने से पहले ही सरकार ने बजट का हवाला देकर केन्द्र से इसे एनएचएआई के पास बनाने की रिक्वेस्ट की। केन्द्र ने इसे मंजूरी दे दी और जुलाई 2025 में एक्सप्रेस-वे एनएचएआई के अधीन आ गया। इसके दो महीने बाद एनएचएआई ने डीपीआर के लिए टेंडर जारी किया, जिसमें लगभग 5 कंपनियों ने भाग लिया। अब केवल एलओआई (लेटर ऑफ़ इंटेंट) जारी होना बाकी है, जिसके बाद तय होगा कि किस फर्म को डीपीआर तैयार करने का काम मिलेगा। इस पूरी प्रक्रिया में दिसंबर 2025 तक का समय लग सकता है। इसके बाद डीपीआर तैयार करने में फर्म को करीब एक साल का समय लगेगा। इसी दौरान जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया भी पूरी की जाएगी।

चूरू एसडीएम ने किया बीसीएमओ कार्यालय का निरीक्षण

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा के निर्देशानुसार चूरू एसडीएम सुनिल कुमार ने बीसीएमओ कार्यालय का निरीक्षण किया और अधिकारी/कर्मचारियों के साथ समीक्षा बैठक में निर्देश दिए। एसडीएम ने कार्यालय में सफाई व्यवस्था, कार्मिकों की उपस्थिति एवं आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया और स्वास्थ्य केन्द्रों पर प्रसव की न्यून प्रगति को बढ़ावा देने, गर्भवती महिलाओं का समय पर पंजीयन कर समय पर जांचें पूर्ण करने, टीकाकरण एवं एमसीएचएन सत्रों का आयोजन माइक्रोप्लान के अनुसार आयोजित करने एवं बायोमेडिकल

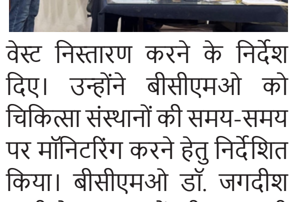

वेस्ट निस्तारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने बीसीएमओ को चिकित्सा संस्थानों की समय-समय पर मॉनिटरिंग करने हेतु निर्देशित किया। बीसीएमओ डॉ. जगदीश भाटी ने व्यवस्थाओं की जानकारी दी। इस दौरान पीए सुरेश कुमार, ओमप्रकाश प्रजापत, नौरंगलाल स्वामी, नितिन शर्मा, मधुसूदन स्वामी, सुरेन्द्र शर्मा आदि उपस्थित रहे।

सीकर में गुर्जर समाज का जिला स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह

-390 प्रतिभाओं और भामाशाहों को सम्मान, किरोड़ी बैंसला को श्रद्धांजलि

सीकर (रॉयल पत्रिका)। सीकर में गुर्जर समाज ने लिया संकल्प – सबको साथ लेकर आगे बढ़ेंगे। जिले में आयोजित जिला स्तरीय गुर्जर प्रतिभा सम्मान समारोह में 390 प्रतिभाओं और भामाशाहों का सम्मान किया गया। यह कार्यक्रम सांवली रोड स्थित गुर्जर छात्रावास में गुर्जर कर्मचारी अधिकारी कल्याण परिषद के देखरेख में आयोजित किया गया। समारोह में समाज के बड़े पैमाने पर लोग मौजूद रहे और शिक्षा, खेल, सामाजिक सेवा, प्रशासनिक व विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों को सम्मानित किया गया। समारोह की शुरुआत आराध्य देव देवनारायण महाराज और दिवंगत गुर्जर नेता कर्नल किरोड़ी सिंह बैंसला के चित्र पर माल्यार्पण से हुई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजकोट (गुजरात) पुलिस अधीक्षक आईपीएस विजय सिंह गुर्जर थे। समारोह में नवनियुक्त आरएएस विनोद गुर्जर, प्रदेशाध्यक्ष राजेंद्र तंवर और गुर्जर महासभा

जिलाध्यक्ष शैतान सिंह गुर्जर भी अतिथि के रूप में शामिल हुए। आईपीएस विजय सिंह गुर्जर ने कहा कि वर्तमान समय में पढ़ाई सबसे बड़ा हथियार है और गुर्जर समाज के बच्चे हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहे हैं।

सोनम वांगचुक एनएसए मामले में एडवाइजरी बोर्ड से कल होगी मुलाकात

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। जोधपुर जेल में बंद एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक से कल एडवाइजरी बोर्ड की टीम मुलाकात करेगी। वांगचुक की पत्नी गीतांजलि अंगमो ने उनकी हिरासत के खिलाफ राज्य सरकार, केंद्र सरकार और एडवाइजरी बोर्ड को एक प्रतिनिधित्व (Representation) सौंपा था। इसके बाद एडवाइजरी बोर्ड ने मामले की गंभीरता से पड़ताल शुरू कर दी है। एडवाइजरी बोर्ड के तीन सदस्य गुरुवार को जोधपुर पहुंचे। इनमें बोर्ड के अध्यक्ष और पूर्व न्यायाधीश एमके हुजूरा, सलाहकार मंडल अध्यक्ष और जिला जज मनोज परिहार, तथा सामाजिक कार्यकर्ता स्पल जयेश अंगमो शामिल हैं। ये तीनों सदस्य शुक्रवार सुबह 10:30 बजे जोधपुर सेंट्रल जेल में सोनम वांगचुक से मिलकर उनके एनएसए (राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम) के तहत हिरासत के मामले की सुनवाई करेंगे। सोनम वांगचुक को एनएसए के तहत हिरासत में लिया गया है, जिसे लेकर देशभर में विरोध और कानूनी चुनौतियां उठ रही हैं। इस मामले की सुप्रीम कोर्ट में भी सुनवाई चल रही है। वांगचुक की पत्नी गीतांजलि अंगमो इस कानूनी लड़ाई का नेतृत्व कर रही हैं और उनके माध्यम से वांगचुक की गिरफ्तारी के आधार को चुनौती दी जा रही है। वांगचुक की ओर से प्रस्तुत प्रतिनिधित्व में मुख्य रूप से प्रक्रियागत खामियों को उजागर किया गया है। इसमें यह भी बताया गया कि वांगचुक के वीडियो और अन्य साक्ष्यों के संदर्भ से बाहर, गलत प्रस्तुति पर आधारित कमजोर और निराधार आरोप उनके खिलाफ लगाए गए हैं। प्रतिनिधित्व में यह भी कहा गया कि वांगचुक की गिरफ्तारी के पीछे कोई ठोस कानूनी आधार नहीं है और यह केवल राजनीतिक या अनुचित दबाव का परिणाम है। एडवाइजरी बोर्ड की यह बैठक इसलिए भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है क्योंकि इसके बाद बोर्ड अपनी सिफारिशें सरकार को भेजेगा।

नागौर में रोजगार सहायता शिविर 28 अक्टूबर को

नागौर (रॉयल पत्रिका)। राज्य सरकार की लोक कल्याणकारी नीतियों के तहत आयुक्त कौशल, नियोजन एवं उद्यमिता विभाग, जयपुर के निर्देशन में जिला रोजगार कार्यालय, नागौर द्वारा एक दिवसीय रोजगार सहायता शिविर का आयोजन दिनांक 28 अक्टूबर 2025 को प्रातः 10.30 बजे टाउन हाल, नागौर में किया जाएगा। कार्यालय के सहायक निदेशक गिरिराज सिंह तोमर ने बताया कि इस रोजगार प्लेसमेंट शिविर में निजी क्षेत्र की लगभग 30 कम्पनियां भाग लेंगी। 10वीं, 12वीं, स्नातक, आईटीआई एवं अन्य विषय/तकनीकी योग्यता वाले बेरोजगार युवक-युवतियां इस शिविर के माध्यम से निजी क्षेत्र की कम्पनियों में रोजगार के अवसर प्राप्त कर सकेंगे। इच्छुक अभ्यर्थियों से अपील है कि वे अधिक से अधिक संख्या में शिविर में भाग लेकर रोजगार के अवसर का लाभ उठाएं।

सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट पर लगा ब्रेक

नई दिल्ली, एजेंसी। एमसीएक्स पर गुरुवार (23 अक्टूबर) की सुबह सोने के दाम चढ़ गए। यह बढ़त खबरों के कारण आई कि आने वाले कुछ दिनों या हफ्तों में भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौता हो सकता है। सुबह लगभग 9-08 बजे, एमसीएक्स पर दिसंबर महीने के लिए सोने के भाव 0.89 प्रतिशत बढ़कर 1,22,938 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गए। उस समय, दिसंबर महीने के लिए चांदी के कॉन्ट्रैक्ट्स भी 0.93 प्रतिशत चढ़कर 1,46,915 रुपये प्रति किलो हो गए।

क्या है भाव का अनुमान- रिलायंस सिक्योरिटीज के वरिष्ठ रिसर्च विश्लेषक जिगर त्रिवेदी के मुताबिक, दिसंबर महीने के लिए एमसीएक्स सोना 1,21,500 रुपये से लेकर 1,23,000 रुपये प्रति किलो की रेंज में चल सकता है।

वैश्विक बाजार में दबाव- वैश्विक बाजार में गुरुवार को सोने की कीमतों में गिरावट देखने को मिली। इसका कारण अमेरिकी डॉलर का मजबूत होना था, क्योंकि निवेशक इस सप्ताह आने वाले अमेरिकी महंगाई के अहम आंकड़ों का इंतजार कर रहे हैं। ये आंकड़े ब्याज दरों के भविष्य के रास्ते के बारे में संकेत दे सकते हैं। रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के अनुसार,

0310 तस्र्ज्ञ पर, स्पॉट गोल्ड 0.2 प्रतिशत गिरकर 4,084.29 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया।

हालांकि, अमेरिका में दिसंबर डिलीवरी के लिए सोने के फ्यूचर्स 0.9 प्रतिशत बढ़कर 4,100.90 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गए। डॉलर का सूचकांक अन्य मुद्राओं की तुलना में 0.2 प्रतिशत बढ़ गया, जिससे दूसरी मुद्राओं वाले निवेशकों के लिए सोना महंगा हो गया।

विश्लेषक की राय- रिलायंस सिक्योरिटीज के वरिष्ठ रिसर्च विश्लेषक जिगर त्रिवेदी ने कहा कि सोने की कीमतें लगातार तीसरे सत्र के लिए गिरकर लगभग 4,080 डॉलर प्रति औंस पर आ गईं। हाल के हफ्तों में लगातार रिकॉर्ड ऊंचाई छूने के बाद बिकवाली के दबाव के कारण यह गिरावट जारी है।

टाटा ट्रस्ट में नई रार, मेहली मिस्त्री के ईमेल ने बढ़ाई टेंशन

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा ट्रस्ट में चल रही लड़ाई समाप्त होने का नाम नहीं ले रही है। रिपोर्ट के अनुसार एक नया मामला आ गया है। खबर है कि टाटा ट्रस्ट के ट्रस्टी मेहली मिस्त्री ने वेणु श्रीनिवासन को फिर से टाटा ट्रस्ट के ट्रस्टी और श्री दोराबजी टाटा ट्रस्ट के वाइस चेयरमैन के पद पर नियुक्त करने को लेकर सहमति दे दी है। लेकिन उनकी एक शर्त भी है। इकनॉमिक्स टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार इस सशर्त सहमति का ईमेल 21 अक्टूबर की रात्रि को भेज दिया गया है। रिपोर्ट

के अनुसार मेहली मिस्त्री ने खुद को फिर से नियुक्त करने की शर्त रखी है। उनका कार्यकाल 28 अक्टूबर को समाप्त हो रहा है। मामले की जानकारी रखने वाले व्यक्ति के अनुसार मिस्त्री ने अपनी शर्त में कहा है कि ट्रस्ट के सभी सदस्यों की फिर से नियुक्ति बिना किसी बदलाव के की जाए। उन्होंने साथ में यह भी कहा है कि अगर किसी भी सदस्य की नियुक्ति को लेकर भविष्य में कोई बदलाव किया गया तो वह वेणु श्रीनिवासन के नियुक्ति का प्रस्ताव वापस ले लेंगे। बता दें, मेहली मिस्त्री का रतन टाटा का करीबी माना जाता था। उन्हें रतन टाटा ने ही टाटा ट्रस्ट का ट्रस्टी बनाया था। रतन टाटा के देहांत के बाद से ही टाटा ट्रस्ट में सबकुछ अच्छा नहीं रहा है। इस पूरे प्रकरण पर टाटा ट्रस्ट की तरफ से कोई भी आधिकारिक बयान अब तक नहीं आया है।

अमित शाह कर चुके हैं दखल

पिछले महीने 11 सितंबर को इस पूरे मामले में होम मिनिस्टर अमित शाह और फाइनेंस मिनिस्टर निर्मला सीतारमण ने दखल दिया था। भारत सरकार के दोनों ही बड़े मंत्रियों ने टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन और महत्वपूर्ण ट्रस्ट के सदस्यों से मिले थे।

इतना महत्वपूर्ण क्यों है टाटा ट्रस्ट- टाटा संस की 66 प्रतिशत हिस्सेदारी टाटा ट्रस्ट के पास है। वहीं, टाटा ट्रस्ट में 51 प्रतिशत हिस्सेदारी श्री दोराबजी टाटा ट्रस्ट और श्री रतन टाटा ट्रस्ट के पास है। टाटा संस में मिस्त्री परिवार के शापोरजी पालोनजी ग्रुप की 18 प्रतिशत हिस्सेदारी है। टाटा ग्रुप देश के डिफेंस से लेकर आईटी सेक्टर तक निवेश किया है। ऐसे में अगर टाटा ग्रुप के मैनेजमेंट में कोई हलचल होता है तो उसका असर सिर्फ कंपनियों पर नहीं भारतीय अर्थव्यवस्था पर भी दिखेगा।

फैब इंडिया मना रहा है छठ उत्सव का जश्न स्वर्णिम 2025 के साथ

मुंबई, एजेंसी। त्योहारों के इस शुभ अवसर पर फ़ैबइंडिया ने स्वर्णिम छठ पूजा कलेक्शन पेश किया है, जो लाल, मैजेंटा और गोल्ड जैसे चमकदार रंगों से प्रेरित है। इस कलेक्शन में हस्तनिर्मित कपड़ों और बारीक हस्तकला शामिल हैं साथ ही त्यौहार की सांस्कृतिक गहराई और उत्साह को दर्शाया गया है 7 इस कलेक्शन का हर प्रोडक्ट, भारतीय कारीगरी के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इसमें पारंपरिक कलाओं से प्रेरित कलात्मक बुनाई शामिल हैं, जो परंपरा और डिज़ाइन के बीच के अटूट संबंध को खूबसूरती से उजागर करते हैं। खूबसूरत रंगो का सुन्दर मेल इस कलेक्शन को और भी शानदार बनाता है, जो पारिवारिक समारोहों, त्यौहारी अनुष्ठानों और उपहार के रूप में आदर्श विकल्प है7 ये कलेक्शन पूरे परिवार के लिए एक शानदार फेस्टिव रेंज प्रस्तुत करती है – महिलाओं के लिए इसमें सुंदर साडी, कुर्ता और दुप्पटा शामिल हैं, जिन्हें नाजुक कढ़ाईदार और गोल्ड से सजाया गया है।

गोदरेज कैपिटल ने पहली बार घर के मालिक बनने को बनाया सबसे आसान और किफायती

मुंबई, एजेंसी। गोदरेज इंडस्ट्रीज समूह की वित्तीय सेवा इकाई, गोदरेज कैपिटल ने अपनी सहायक कंपनी गोदरेज हाउसिंग फाइनेंस के ज़रिए, देश के उभरते बाज़ारों में हर किसी के लिए अफोर्डेबल हाउसिंग फाइनेंस सॉल्यूशन्स यानी किफायती आवास ऋण उपलब्ध कराने के लक्ष्य के साथ, अपना नया त्योहारी अभियान पक्का पता लॉन्च किया है।

यह अभियान पहली बार घर खरीदने वालों की भावनात्मक यात्रा को दर्शाता है और गोदरेज हाउसिंग फाइनेंस को एक भरोसेमंद साथी के रूप में पेश करता है, जो किराए के मकान से खुद के घर में कदम रखने में लाखों परिवारों की मदद करता है। अभियान के केंद्र में एक सरल, लेकिन गहरी समझ है- एक 'पक्का पता', यानी एक स्थायी पता, भारतीय परिवारों की सबसे गहरी और प्रिय आकांक्षाओं में से एक है। इस फिल्म में एक युवा परिवार की अपने नए घर में जाने की यात्रा को दिखाया गया है। अनपैक किए गए बक्सों और अधूरी सजावट के बीच एक मार्मिक क्षण सामने आता है, जब एक पिता

बीपीसीएल बीना रिफाइनरी और एनजीओ स्माइल ट्रेन इंडिया के सौजन्य से मध्य प्रदेश में कटे होंठ और तालु की निःशुल्क सर्जरी

भोपाल। भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) – बीना रिफाइनरी ने अपने कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) इनिशिएटिव के तहत, दुनिया की सबसे बड़ी क्लेफ्ट केंद्रित एनजीओ स्माइल ट्रेन के साथ मध्य प्रदेश के सागर और भोपाल संभागों में 220 नि-शुल्क क्लेफ्ट (कटे होंठ और/ या तालु) सर्जरी के समर्थन के लिए साझेदारी की है। बीपीसीएल की 50वीं वर्षगांठ के उत्सव के तहत, यह सहयोग हेल्थकेयर इनिशिएटिव्स के माध्यम से सार्थक सामाजिक प्रभाव उत्पन्न करने के कंपनी के संकल्प को रेखांकित करता है। यह साझेदारी क्लेफ्ट (कटे होंठ और तालु) से संबंधित जागरूकता बढ़ाने और लक्षित क्षेत्रों में नि-शुल्क सर्जरी का समर्थन करने पर केंद्रित होगी। स्माइल ट्रेन इंडिया द्वारा संचालित भारत की एकमात्र टोल फ्री क्लेफ्ट हेल्पलाइन ङ्क 1800 103 8301 को भी इस पहल के माध्यम से सक्रिय रूप से प्रचारित किया जाएगा, ताकि प्रभावित परिवारों को समय पर सहायता और उपचार उपलब्ध हो सके। इस पहल के बारे में बात करते हुए, श्री शिरीष आर. चांदेकर, महाप्रबंधक (एचआर), बीना रिफाइनरी ने कहा, 卐बीपीसीएल बीना रिफाइनरी हमेशा प्रभावशाली सीएसआर इनिशिएटिव्स के माध्यम से समुदायों को सशक्त बनाने में विश्वास रखती है। जैसे ही हम जनवरी 2026 में बीपीसीएल की स्थापना की 50वीं वर्षगांठ मनाते हैं, स्माइल ट्रेन इंडिया के साथ यह पार्टनरशिप हमारे संकल्प को रेखांकित करती है कि हम बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार लाएं और उन्हें आत्मविश्वासपूर्ण जीवन जीने में मदद करें। साथ मिलकर, हमारा उद्देश्य मध्य प्रदेश के कई परिवारों के चेहरों पर मुस्कान लाना है।卐

अंजलि कटोच, प्रमुख ङ्क कम्युनिकेशन और बिजनेस डेवलपमेंट, स्माइल ट्रेन इंडिया ने कहा, 卐हम बीपीसीएल बीना रिफाइनरी के आभारी हैं कि उन्होंने हमारी साझेदारी के माध्यम से जरूरतमंद परिवारों को नि-शुल्क क्लेफ्ट सर्जरी का समर्थन प्रदान किया। कई परिवार यह नहीं जानते कि क्लेफ्ट एक पूरी तरह से उपचार योग्य स्थिति है, और यह सहयोग इस अंतर को कम करने में मदद करेगा और सागर और भोपाल संभाग के 11 ज़ि लों में जीवन बदलने में योगदान देगा।卐

फिलीपींस में नॉलेज एक्सचेंज मिशन का नेतृत्व कर रहे हैं जयन्त चौधरी

नई दिल्ली / मनीला। भारत सरकार के कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं शिक्षा राज्य मंत्री माननीय श्री जयन्त चौधरी, 20 से 22 अक्टूबर, 2025 तक वर्ल्ड बैंक द्वारा सुगम किए गए एक उच्च स्तरीय नॉलेज एक्सचेंज मिशन के तहत फिलीपींस की यात्रा का नेतृत्व कर रहे हैं। भारतीय प्रतिनिधिमंडल में कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी तथा उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान और तेलंगाना राज्यों के प्रतिनिधि शामिल हैं। इस मिशन के दौरान फिलीपींस की प्रमुख संस्थाओं जैसे कि डिपार्टमेंट ऑफ माइग्रेंट वर्कर्स (डीड्ब्ल्यूए), टेक्निकल एजुकेशन एंड स्किल्स डेवलपमेंट अथॉरिटी (टीईएसडीए), फिलीपीन स्टैटिस्टिक्स अथॉरिटी (पीएसए) और ओवरसीज वर्कर्स वेलफेयर एडमिनिस्ट्रेशन (ओडब्ल्यूडब्ल्यूए) के साथ रणनीतिक बैठकें आयोजित की जा रही हैं। इस यात्रा का उद्देश्य कौशल विकास, श्रम गतिशीलता (लेबर मोबिलिटी) और डेटा-आधारित पॉलिसी फ्रेमवर्क्स से संबंधित क्षेत्रों में ज्ञान के आदान-प्रदान को प्रोत्साहित करना और सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करना है। यह मिशन ग्लोबल साउथ की साझा प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जिसका उद्देश्य मानव पूंजी विकास पर सहयोग को सुदृढ़ करना, पारस्परिक सीख को बढ़ावा देना, तथा कौशल और उद्यमिता के माध्यम से समान और सतत विकास के नए अवसरों का निर्माण करना है।

ओपन आई के सीईओ सैम ऑल्टमैन की एक लाइन से गूगल के 150 अरब डॉलर डूबे

नई दिल्ली, एजेंसी। ओपनएआई ने मंगलवार को अपना नया आई-पावर्ड वेब ब्राउजर, चैटजीपीटी एटलस पेश किया। यह घोषणा एक 6 सेकंड के रहस्यमय वीडियो से की गई थी जिसमें कुछ टैब्स दिखाए गए थे और इसके बाद सीईओ सैम ऑल्टमैन ने एक लाइव स्ट्रीम के दौरान कहा,यह एक ऐसा मौका है जब हम एक दशक में एक बार देखते हैं कि ब्राउजर की परिभाषा को दोबारा सोचने का समय आ गया है।

इस घोषणा के तुरंत बाद गूगल की पैरेंट कंपनी अल्फाबेट के शेयरों में जबरदस्त गिरावट आई। घोषणा के बाद वर्णमाला के शेयर शुरू में 4.8 प्रतिशत गिरकर 246.15 तक पहुंच गए, फिर थोड़ा रिकवर होकर 2.4 प्रतिशत गिरावट के साथ 250.46 पर बंद हुए। उसके बाजार मूल्य में 150 अरब डॉलर की भारी गिरावट दर्ज की गई। यह इस साल तकनीकी उत्पादों की घोषणा पर होने वाली सबसे बड़ी प्रतिक्रियाओं में से एक मानी जा रही है।

क्या है एटलस ब्राउजर की खासियत

ओपन एआई के सीईओ सैम अल्टमैन ने एटलस को वेब ब्राउजिंग में क्रांतिकारी बदलाव करार दिया है। इसकी मुख्य विशेषताएं हैं।

यह गूगल क्रोम की तकनीक (क्रोमियम) पर ही बना है। इसमें चैटजीपीटी को सीधे हर वेबपेज में एम्बेड किया गया है, यानी अलग टैब खोलने या कॉपी-पेस्ट करने की जरूरत नहीं।

इसका सबसे अनोखा फीचर एजेंट मोड है, जहां आई आपके कर्सर और कीबोर्ड की नियंत्रण लेकर जटिल काम जैसे फ्लाइट बुक करना, रिसर्च करना या दस्तावेज संपादित करना खुद-ब-खुद कर सकता है।

गूगल के लिए क्यों है बड़ी चुनौती

यह सिर्फ ब्राउजर बाजार की लड़ाई नहीं है। गूगल की अधिकांश आमदनी सर्च और उसके विज्ञापनों से होती है। आई ब्राउजर सीधे जवाब देकर उन विज्ञापनों वाले नतीजों की जरूरत को खत्म कर सकते हैं। चैटजीपीटी के 80 करोड़ साप्ताहिक यूजर्स का बड़ा आधार ओपनएआई के पास है जो आसानी से नए ब्राउजर पर स्विच कर सकते हैं।

आत्मनिर्भर भारत के लिए सप्लाई चेन मजबूत करने की जरूरत, बोले केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि सरकार सभी सेक्टर में सप्लाई चेन की समस्याओं को दूर कर मजबूती लाने के लिए काम कर रही है, भले ही इसके लिए अतिरिक्त खर्च करना पड़े। आत्मनिर्भर भारत पहल की शुरुआत

यूएनसीटीएडी के लचीली, सतत और समावेशी आपूर्ति श्रृंखलाओं और व्यापार रसद की ओर विषय पर मंत्रीस्तरीय राउंडटेबल को संबोधित करते हुए गोयल ने बताया कि आत्मनिर्भर भारत पहल शुरू की गई है। इसका उद्देश्य देश को आत्मनिर्भर बनाना और व्यापारिक लॉजिस्टिक्स को अधिक सक्षम बनाना है।

बुनियादी ढांचे के विकास को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय मास्टर प्लान- सरकार ने घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन योजना और देश में सेमीकंडक्टर उत्पादन को बढ़ावा देने की नीति जैसी पहल शुरू की है। उन्होंने कहा कि बुनियादी ढांचे के विकास को बढ़ावा देने के लिए भारत ने एक ट्रिलियन डॉलर का राष्ट्रीय मास्टर प्लान शुरू किया है।

घरेलू बुनियादी ढांचे के विस्तार के लिए 130 अरब डॉलर का खर्च - उन्होंने कहा कि सरकार स्वयं घरेलू बुनियादी ढांचे के विस्तार पर हर साल लगभग 130 अरब डॉलर खर्च करती है। उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया में, पिछले 10 वर्षों में, भारत ने अपनी बंदरगाह क्षमता को लगभग दोगुना कर दिया है, हवाई अड्डों की संख्या 74 से बढ़ाकर 158 कर दी है और अगले सात और आठ वर्षों में, हम हवाई अड्डों की संख्या 225 तक बढ़ा देंगे। उन्होंने कहा कि इन उपायों से देश में रोजगार सृजन और क्षमता बढ़ाने में मदद मिली है। उन्होंने आगे कहा कि जहां भी हमें किसी भी भौगोलिक क्षेत्र में उत्पादन या आपूर्ति का संकेन्द्रण मिला, हमने वहां आत्मनिर्भरता की ओर ध्यान दिया। स्पष्ट रूप से, लाल सागर में जो कुछ हो रहा है या इन स्वास्थ्य महामारियों के बारे में हम कुछ नहीं कर सकते, लेकिन हमने महसूस किया कि आत्मनिर्भरता महत्वपूर्ण है। अंतर्देशीय जलमार्गों में भारत निवेश कर रहा

इस्राइल-हमास संघर्ष ने एक प्रमुख समुद्री मार्ग, लाल सागर के माध्यम से व्यापारिक माल के सुचारू परिवहन को प्रभावित किया है। उन्होंने कहा कि भारत रेल, सड़क और अंतर्देशीय जलमार्गों का एक विशाल नेटवर्क बनाने में भी निवेश कर रहा है। गोयल ने कहा कि इसका उद्देश्य स्थानीय उद्योग और आत्मनिर्भर विनिर्माण प्रणालियों को बढ़ावा देने के लिए आधुनिक बुनियादी ढांचे का

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के करीब, टैरिफ 16 फीसदी तक संभव

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और अमेरिका के बीच बहु-प्रतीक्षित व्यापार समझौते पर जल्द ही मुहर लग सकती है। मामले से जुड़े सूत्रों के मुताबिक इस समझौते से भारतीय निर्यातकों को बड़ी राहत मिल सकती है। समझौते के तहत भारतीय उत्पादों पर वर्तमान में लगाए जा रहे भारी-भरकम 50 फीसदी टैरिफ को घटाकर 15-16 फीसदी तक किया जा सकता है।

बातचीत में ऊर्जा और कृषि प्रमुख केंद्र बिंदु हैं। सूत्रों ने संकेत दिया है कि इस डील के तहत भारत धीरे-धीरे रूसी कच्चे तेल के आयात में कमी लाने पर सहमत हो सकता है। अमेरिका ने रूसी तेल खरीद के कारण ही भारतीय निर्यात पर 25 फीसदी का दंडात्मक शुल्क लगाया था, जो 25 फीसदी के टैरिफ के अतिरिक्त था। रूस से तेल आयात अभी भारत के कुल कच्चे तेल आयात का लगभग 34 फीसदी है। भारत अपनी मौजूदा तेल और गैस जरूरतों का लगभग 10 फीसदी (मूल्य के हिसाब से) अमेरिका से आयात करता है।

व्यापार समझौते पर वाणिज्य मंत्रालय, विदेश मंत्रालय और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार के अधिकारी बातचीत कर रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि समझौते की व्यापक रूपरेखा तैयार है, लेकिन कृषि और ऊर्जा जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में घोषणा से पहले उच्चस्तरीय राजनीतिक मंजूरी की जरूरत है।

अमेरिकी कृषि उत्पादों के लिए खुलेगा बाजार

सूत्रों के मुताबिक, समझौते के तहत भारत गैर-आनुवंशिक रूप से संशोधित (गैर-जीएम) अमेरिकी मक्का और सोयामील के लिए अपने बाजार की पहुंच बढ़ा सकता है। चीन की ओर से अमेरिकी मक्का आयात में भारी कटौती के बाद, अमेरिका नए खरीदारों की तलाश में है। इसी तरह पोल्ट्री, डेयरी और इथेनॉल उद्योगों की बढ़ती घरेलू मांग को देखते हुए, भारत अमेरिका से गैर-जीएम मक्का आयात का कोटा बढ़ाने पर विचार कर रहा है,

हालांकि इस पर 15 फीसदी का शुल्क अपरिवर्तित रहेगा। गैर-जीएम सोयामील के आयात की अनुमति पर भी बात चल रही है। अमेरिकी टीम की प्रमुख मांग रही उच्चस्तरीय चीज सहित डेयरी उत्पादों पर टैरिफ कटौती पर अभी सहमति नहीं बन पाई है।

आसियान सम्मेलन में एलान संभव- सूत्रों के मुताबिक, इस द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने की घोषणा इस माह के अंत में होने वाले आसियान शिखर सम्मेलन में किए जाने की संभावना है। हालांकि, सम्मेलन में पीएम मोदी के भाग लेने की उम्मीद कम ही है।26 से 28 अक्तूबर तक क्वालालंपुर में हो रहे सम्मेलन में विदेश मंत्री एस जयशंकर शिरकत कर सकते हैं।

ऊर्जा नीति में बदलाव की तैयारी- समझौते के लिए भारतीय पक्ष रूसी तेल आयात कम करने के लिए तैयार दिख रहा है। यह बदलाव किसी औपचारिक घोषणा के बजाय सरकारी तेल कंपनियों को कच्चे तेल के आयात को अमेरिका सहित अन्य स्थानों की ओर मोड़ने की सलाह देकर किया जाएगा।

द्विपक्षीय व्यापार में तेजी जारी

आंकड़ों के अनुसार, भारत ने पिछले वित्त वर्ष में 137 अरब डॉलर के कच्चे तेल का आयात किया। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही में भारत-अमेरिका व्यापार 71.41 अरब डॉलर रहा जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि से 11.8 फीसदी ज्यादा है। इस अवधि में अमेरिका को भारत का निर्यात 13.4 फीसदी से बढ़कर 45.82 अरब डॉलर हो गया।

नागिन बनने से पहले

प्रियंका चाहर चौधरी ने इस एक्टर संग दिया सिजलिंग पोज!

प्रियंका चाहर चौधरी की कुछ फोटोज सामने आ गई हैं. इन फोटोज में वह बार्बी डॉल लग रही हैं. प्रियंका का ये लुक फैंस को काफी पसंद आया है.

फोटोज ने इंटरनेट पर लगाई आग

टीवी एक्ट्रेस प्रियंका चाहर चौधरी इन दिनों खूब लाइमलाइट बटोर रही हैं. प्रियंका का नाम नागिन 7 से जुड़ रहा है. दावा है कि वह इस शो की लीड एक्ट्रेस के तौर पर नजर आएंगी, लेकिन इस बीच वह सोशल मीडिया पर अपने फैंस को खूब एंटरटेन कर रही हैं. प्रियंका अक्सर अपनी फोटोज से फैंस का दिल जीत लेती हैं लेकिन इस बार एक्ट्रेस की एक फोटो ने हर किसी का ध्यान खींच लिया. इस फोटो में वह मानिक पॉल के साथ नजर आ रही हैं. आइए आपको फोटोज दिखाते हैं.

प्रियंका चाहर चौधरी ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ फोटोज शेयर की हैं, जिसमें वह कमाल की लग रही हैं. पिंक लहंगे में प्रियंका का हुस्न देखने लायक हैं. फैंस की निगाहें प्रियंका पर अटक गई हैं.

प्रियंका ने अपने दिवाली लुक को बार्बी स्टाइल में पूरा किया. इस मौके पर एक्ट्रेस ने भारी भरकम पिंक लहंगा पहना. साथ में हल्की ज्वैलरी से अपना लुक अट्रैक्टिव बनाया. प्रियंका ने अपना मेकअप मिनिमल रखा. इन सबके बीच जिस फोटो ने फैंस का ध्यान खींचा वो ये है, जो ट्विटर पर वायरल हो रही है. इस फोटो में प्रियंका नामिक पॉल के साथ नजर आ रही हैं. नामिक ने प्रियंका को पीछे से हग किया हुआ है. हालांकि, आपको बता दें कि प्रियंका और नामिक की ये फोटो नकली है. इस फोटो को फैंस द्वारा बनाया गया है. ये दोनों कलाकार नागिन शो में लीड रोल निभा सकते हैं और इसी वजह से फैंस दोनों को साथ देखने के लिए एक्साइटेड हैं.

थामा का दीपावली पर रिलीज होना मेरे लिए बहुत स्पेशल है: आयुष्मान

बॉलीवुड अभिनेता आयुष्मान खुराना की फिल्म थामा रिलीज हो चुकी है। इसमें वह रश्मिका मंदाना के साथ पहली बार बड़े पर्दे पर साथ दिखाई दे रहे हैं। आयुष्मान ने बताया कि थामा उनके करियर की सबसे महत्वपूर्ण फिल्म है।अभिनेता ने एक किस्सा साझा करते हुए कहा कि हर साल वह अपने परिवार के साथ किसी सुपरस्टार की फिल्म देखने सिनेमाघरों में जाते थे, मगर इस बार उन्होंने अपनी फिल्म के साथ उस खुशी का अनुभव किया।

इस फिल्म ने पहले दिन करीब 25 करोड़ रुपए की कमाई की। थामा के बारे में बात करते हुए आयुष्मान खुराना ने कहा, मैं एक एंटरटेनर हूं, इसलिए दीपावली की इस बड़ी छुट्टी के दौरान लोगों को थामा और मेरे अभिनय को पसंद करते और पसंद करते देखकर मुझे बहुत खुशी हो रही है। उन्होंने कहा, जब निर्माता दिनेश विजान ने मुझे बताया कि थामा दीपावली पर रिलीज हो रही है, तो मैं बहुत खुश हुआ क्योंकि इस पल का मैं बेसब्री से इंतजार कर रहा था कि मेरी भी कोई फिल्म बड़े स्टार्स की तरह दीपावली पर रिलीज हो। आयुष्मान खुराना ने आगे कहा, एक ऐसा त्योहार जिस पर बड़े-बड़े सुपरस्टार अपनी फिल्में रिलीज करते आए हैं, थामा मेरे करियर की सबसे बेहतरीन फिल्म है और मैं खुशकिस्मत हूं कि इसे दीपावली पर रिलीज करने का मौका मिला। हर साल मैं अपने परिवार के साथ किसी सुपरस्टार की फिल्म देखने सिनेमाघरों में जाता था। इस बार मैं अपने परिवार के साथ अपनी फिल्म देखने सिनेमाघरों में गया।

यह अविश्वसनीय लगता है। आयुष्मान खुराना ने निर्माता दिनेश विजान का शुक्रिया अदा करते हुए कहा, मैं दिनेश विजान का शुक्रिया अदा करता हूं कि उन्होंने मुझ पर एक ऐसे किरदार को निभाने का भरोसा दिखाया, जिसके बारे में लोगों को ज्यादा जानकारी नहीं है।

एक बेताल के रूप में मेरे किरदार को दर्शकों द्वारा देखा जाना और सराहा जाना, मेरे लिए वाकई एक अद्भुत अहसास है। आयुष्मान खुराना ने आखिर में बताया कि थामा को पहले दिन जो दर्शकों को प्यार मिला, उसने यह मिथक तोड़ा कि लोग दीपावली पर सिर्फ सीक्वल, रीमेक और बड़े सुपरस्टार की फिल्में देखना चाहते हैं।

मैडॉक के हॉरर कॉमेडी शक्ति शालिनी में लीड रोल करेंगी अनीत

यशराज फिल्म्स की सैयारा में अनीत पड्डा ने लीड रोल अदा किया। इस फिल्म ने उनके करियर को बुलंदी पर पहुंचा दिया है। अब उनकी एंट्री मैडॉक फिल्म्स के हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स में हो गई है। दरअसल, आज मैडॉक की थामा थिएटर्स में रिलीज हो गई है। फिल्म के आखिर में मैडॉक के हॉरर यूनिवर्स की अगली फिल्म शक्ति शालिनी का अनाउंसमेंट वीडियो शेयर किया गया। फिल्म में अनीत पड्डा लीड रोल अदा करेंगी। अनाउंसमेंट वीडियो शेयर करते हुए इसकी रिलीज डेट बताई है। साथ ही साफ कर दिया कि फिल्म में सैयारा फेम अनीत पड्डा लीड रोल करेंगी। पहली फिल्म में कियारा आडवाणी यह रोल अदा करने वाली थीं। फिल्म शक्ति शालिनी अगले साल सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

अच्छे पार्टनर की तलाश में शहर से पंजाब के पिंड पहुंचीं शहनाज गिल

अपने चुलबुले अंदाज से सबका दिल जीतने वालीं अदाकारा शहनाज गिल अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म एक कुड़ी लेकर आ गई हैं।एक्ट्रेस की नई फिल्म का शानदार ट्रेलर रिलीज कर दिया है और रिलीज के साथ ही सोशल मीडिया पर ट्रेलर छा गया है। इतना ही नहीं, हिना खान ने खुद फिल्म के ट्रेलर की भर-भरकर तारीफ की है। शहनाज गिल की पंजाबी फिल्म एक कुड़ी का ट्रेलर रिलीज हो गया है। ट्रेलर में एक्ट्रेस एक अच्छे जीवनसाथी की तलाश में शहर से पंजाब के पिंड में पहुंच जाती हैं और पता लगाती हैं कि जिससे उनकी शादी होने वाली है, असल में वो लड़का कैसा है। ट्रेलर में शहनाज को एक अच्छे जीवनसाथी की तलाश है और वे उसके लिए अपने पूरे परिवार का साथ पाती हैं, जो लड़के को उसके गांव जाकर परखता है। फिल्म में फैमिली कॉमेडी से लेकर एक लड़की की शादी से पहले महसूस किए जाने वाले अनुभव और डर को दिखाया गया है। फैंस भी ट्रेलर को देखकर अपनी हंसी नहीं रोक पा रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, वाह, सचमुच बहुत बढ़िया ट्रेलर, शहनाज़ कमाल की और बहुत खूबसूरत लग रही हैं, फिल्म का इंतज़ार रहेगा। एक अन्य यूजर ने लिखा, गजब, क्या ट्रेलर है? सब कुछ एकदम सही, कहानी और गाने बहुत पसंद आ रहे हैं। बता दें कि फिल्म के गाने ट्रेलर रिलीज से पहले ही रिलीज कर दिए गए हैं। फिल्म में एक गाना शहनाज ने पंजाबी सिंगर यो-यो हनी सिंह के साथ भी फिल्माया है, जिसे फैंस का बंपर रिस्पांस मिला है। फिल्म 31 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज की जाएगी।

लकी अली ने जावेद अख्तर को बताया खराब इंसान

आलोचनात्मक सोच और समाज को बेहतर और प्रगतिशील बनाने वाली प्रथाओं को अपनाने की वकालत

सोशल मीडिया पर छिड़ी बहस

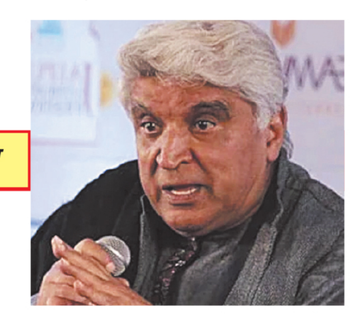

मशहूर सिंगर लकी अली ने सोशल मीडिया पर लेखक जावेद अख्तर पर कटाक्ष किया। उन्होंने लोगों को उनके जैसे न बनने की हिदायत देते हुए कहा कि वह बहुत ही खराब इंसान हैं।यह मुद्दा तब उठा जब जावेद अख्तर का एक पुराना वीडियो फिर से सोशल मीडिया पर सामने आया। इसमें वह देश के हिंदू समुदाय से मुस्लिम समुदाय की तरह न बनने की अपील करते दिखाई दे रहे हैं। जावेद एक नास्तिक के रूप में जाने जाते हैं और लगातार उन पारंपरिक प्रथाओं की आलोचना करते हैं, चाहे उनकी आस्था किसी भी धर्म की हो, जो समाज को नुकसान पहुंचाती हैं। वह करते हैं। जावेद इस वीडियो में शोले फिल्म के एक सीन का जिक्र करते दिखे। इस सीन में धर्मेंद्र शिवजी की मूर्ति के पीछे छिपकर बोलते हैं और हेमा मालिनी (सोचती हैं) कि शिवजी उनसे बात कर रहे हैं। जावेद कहते हैं कि क्या आज भी ऐसा सीन हो सकता है? नहीं, मैं आज ऐसा कोई सीन नहीं लिखूंगा। क्या 1975 में (जब शोले रिलीज हुई थी) हिंदू नहीं थे? क्या कोई धार्मिक लोग नहीं थे? थे। सच कहूं तो, मैं यहां यह नहीं कह रहा हूं। राजू हिरानी और मैं पुणे में एक बड़े दर्शक वर्ग के सामने थे और मैंने कहा, मुसलमानों की तरह मत बनो। उन्हें अपने जैसा बनाओ। तुम मुसलमानों की तरह बन रहे हो। यह एक त्रासदी है। यह वीडियो एक यूजर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया है। इरिना नाम की महिला ने वीडियो के साथ लिखा, इसलिए पश्चिम बंगाल की उर्दू अकादमी ने जावेद अख्तर, जो खुद को बुद्धिमान बताते हैं, उन्हें अपने यहां कार्यक्रम में नहीं बुलाया। इस पर सिंगर लकी अली ने प्रतिक्रिया देते हुए लिखा, जावेद अख्तर जैसे मत बनो, वह कभी भी ऑरिजिनल नहीं थे, वह बहुत ही खराब इंसान हैं। इस पर सोशल मीडिया पर बहस छिड़ी हुई है। कुछ लोग जावेद अख्तर का साथ देते दिखे तो कुछ लकी अली का। वैसे यह पहली बार नहीं है, जब जावेद अख्तर किसी बयान को लेकर ट्रोल हुए हों, वह अपने बयानों को लेकर सुर्खियों में आते रहते हैं।

हंसिका मोटवानी ने सरनेम में किया बदलाव!

पति सोहेल कथूरिया संग तलाक की है चर्चा

हंसिका मोटवानी और सोहेल कथूरिया के तलाक की चर्चा कई दिनों से हो रही है। इस बीच अब एक्ट्रेस ने अपने सरनेम में एक अक्षर जोड़ लिया है। फैंस इसके बारे में भी जोरशोर से चर्चा कर रहे हैं कि क्या उन्होंने अंक ज्योतिष के कारण ऐसा किया है या फिर कोई और वजह है।

साउथ और हिंदी फिल्मों की फेमस एक्ट्रेस हंसिका मोटवानी ने अपने सरनेम की स्पेलिंग में एक छोटा सा बदलाव किया है। लेकिन फैंस का ध्यान इस पर चला गया है। उन्होंने इस अपडेट को फौरन नोटिस कर लिया है, क्योंकि ये बदलाव बिजनेसमैन पति सोहेल कथूरिया संग तलाक की अफवाहों के बीच हुआ है। क्या ये पर्सनल च्वॉइस की वजह से किया है या अंक ज्योतिष का मामला है या उनके रिश्ते में कथित बदलाव हुआ है।

इस सवाल का जवाब अभी नहीं मिला है। देसमुदुरु, कोई मिल गया और महा जैसी फिल्मों में अपने काम के लिए फेमस एक्ट्रेस हंसिका मोटवानी ने अपने सरनेम की स्पेलिंग आधिकारिक तौर पर अपडेट की है। इसकी वजह का खुलासा नहीं हुआ है, लेकिन किस्मत या अंक ज्योतिष के लिए नाम बदलना सेलेब्स के बीच एक आम चलन है।

चाइल्ड एक्ट्रेस शुरू किया था करियर

हंसिका ने बतौर चाइल्ड एक्टर काम करना शुरू कर दिया था। वो शाका लाका बूम बूम टीवी शो के बाद ऋतिक रोशन की कोई मिल गया में नजर आई थीं। फिर 2007 में अल्लू अर्जुन की देसमुदुरु से साउथ में डेब्यू किया। वो तमिल और तेलुगू फिल्मों की फेमस एक्ट्रेस बन गई।

2022 में की थी शादी

हंसिका ने साल 2022 में जयपुर में बिजनेसमैन सोहेल कथूरिया से धूमधाम से शादी की थी। उनकी वेडिंग एनिवर्सिरी को जियो हॉटस्टार की एक डॉक्यूसीरीज लव, शादी, ड्रामा में दिखाया गया था। पर बीते कुछ समय से कयास लगाया जा रहा है कि वो अपने पति के साथ नहीं रहती हैं।

द लंचबॉक्स 2 में अनिल कपूर को लेना चाहते हैं निर्माता

इरफान खान की अदाकारी वाली फिल्म द लंचबॉक्स साल 2013 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म की काफी सराहना हुई थी। हाल ही में इस फिल्म की निर्माता गुनीत मोंगा ने इस फिल्म के काल्पनिक सीक्वल को लेकर अहम बात की है। उन्होंने बताया है कि अगर इस फिल्म का सीक्वल बनता है तो वह इरफान की जगह पर इस फिल्म में वह किसे लेंगी।

इरफान की जगह अनिल कपूर

कोमल नाहटा के पॉडकास्ट गेम चेंजर्स में बातचीत के दौरान फिल्म निर्माता गुनीत मोंगा से पूछा गया कि अगर उन्हें दिवंगत इरफान खान की जगह फिल्म द लंचबॉक्स के सीक्वल में नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ काम करना पड़े, तो वह किसे चुनेंगी। मोंगा ने कुछ देर रुकने के बाद जवाब दिया अनिल कपूर। क्या फिल्म का सीक्वल बनेगा? इस पर निर्माता ने कोई बात नहीं की है।

कान में हुआ द लंचबॉक्स का प्रीमियर

रितेश बत्रा द्वारा निर्देशित फिल्म द लंचबॉक्स उन फिल्मों में से एक है जिसे दुनियाभर में खूब सराहा गया। इसका प्रीमियर कान में हुआ और कई वैश्विक समारोहों में पुरस्कार जीते। गुनीत मोंगा और करण जौहर द्वारा सह-निर्मित इस फिल्म में इरफान खान, निमरत कौर और नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने शानदार किरदार निभाया था।

ओजी बॉयज़ की वापसी..!

ट्रेलर लॉन्च के वादे के साथ वेवबैंड प्रोडक्शन ने किया मस्ती 4 का दूसरा पोस्टर रिलीज़

कल्ट कॉमेडी फ्रेंचाइज़ मस्ती चार गुना अधिक मस्ती, पागलपन और हंसी के साथ एक बार फिर धमाकेदार वापसी के लिए तैयार है! इसी कड़ी में वेवबैंड प्रोडक्शन ने मिलाप मिलन ज़वेरी द्वारा लिखित और निर्देशित मस्ती 4 का दूसरा पोस्टर जारी कर दिया है, जिससे बॉलीवुड की सबसे पसंदीदा कॉमेडी फ्रेंचाइज़ के लिए दर्शकों में उत्साह भी चार गुना बढ़ गया है। फिल्म 21 नवंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है।इस पोस्टर ने आते ही ओरिजिनल मस्ती की यादें ताज़ा कर दी हैं, जो बेशुमार रंगों के साथ ढेर सारी अफरातफरी, मस्ती और शरारतों से भरपूर थी! सिर्फ यही नहीं ओजी तिकड़ी यानी रितेश देशमुख, विवेक ओबेरॉय और आफताब शिवदासानी, एक बार फिर अमर, मीत और प्रेम के रूप में लौट रहे हैं, और मस्ती 4 के साथ दर्शकों को जोरदार हंसी और मनोरंजन से भरी एक रोलरकोस्टर राइड देने का वादा कर रहे हैं। भव्य पैमाने पर बनी इस फिल्म में बड़े-से-बड़े कॉमेडी एलिमेंट्स, विदेशी और आंखों को सुकून देने वाले लोकेशन हैं। चार गुना ज्यादा एंटरटेनमेंट के साथ कानों में बस जानेवाले धुन और हँसी-ठहाकों से भरपूर मस्ती 4 ऐसा हास्य पेश करेगी, जो आज के दर्शकों के लिए बॉलीवुड कॉमेडी को नए सिरे से परिभाषित करेगी। नटखट टैगलाइन, चुलबुला डिज़ाइन और तिकड़ी की संक्रामक एनर्जी के साथ, पोस्टर फ्रेंचाइज़ की मस्ती से भरी रूह को एक बार फिर ज़िंदा कर देता है। और यकीन मानिए यह उत्साह यहीं नहीं रुकेगा, बल्कि जल्द रिलीज़ होनेवाले ट्रेलर के साथ यह दर्शकों की बेसब्री को और बढ़ा देगा! फिलहाल इस बार मस्ती गैंग में ओजी बॉयज़ के साथ शामिल हैं श्रेया शर्मा, रुई सिंह और एलनाज़ नोरोज़ी, जो इस पागलपन में नई चमक जोड़ेंगी।

कमाल करेगी तिकड़ी

इसी के साथ कुछ सरप्राइज़ कैमियो भी होंगे, जो पुराने फैंस का दिल जीत लेंगे। वेवबैंड प्रोडक्शन और ज़ी स्टूडियोज़ द्वारा प्रस्तुत, मारुति इंटरनेशनल और बालाजी टेलीफिल्म्स के सहयोग से बनी मस्ती 4 के निर्माता हैं ए. झुनझुनवाला और शिखा करण अहलूवालिया (वेवबैंड प्रोडक्शन), इंद्र कुमार और अशोक ठकेरिया (मारुति इंटरनेशनल), शोभा कपूर और एकता कपूर (बालाजी मोशन पिक्चर्स), और उमेश बंसल।

रोहित शर्मा ने रचा इतिहास

ऑस्ट्रेलिया में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बना दिया ये बड़ा रिकॉर्ड

एडिलेड, एजेंसी : भारत के सुपरस्टार सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने गुरुवार को ऑस्ट्रेलियाई धरती पर भारत-ऑस्ट्रेलिया वनडे मैचों में 1000 रन बनाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बनकर इतिहास रच दिया है। रोहित ने एडिलेड ओवल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे वनडे में यह उपलब्धि हासिल की। उनके साथ विराट कोहली भी हैं, जो वर्तमान में 802 रनों के साथ दूसरे स्थान पर हैं और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे में भारत के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बनने की दौड़ में हैं।

हिटमैन ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनकी धरती पर 21 मैचों में 56.36 की औसत और 89.32 के स्ट्राइक रेट से 1071 रन बनाए हैं, जिसमें 4 शतक और तीन अर्धशतक शामिल हैं, और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 171* रहा है। रोहित ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टेस्ट में 97 गेंदों में 7 चौकों और दो छक्कों की मदद से 73 रनों की शानदार पारी खेली। उनका स्ट्राइक रेट 75.26 का था। उनकी पारी का सबसे खास पल मिशेल ओवेन के खिलाफ लगाए गए दो बड़े पुल शॉट थे, जिन्हें स्टैंड में छक्के के लिए भेजा गया। रोहित ने अब तक 275 वनडे और 267 पारियों में 48.69 की औसत से 11,249 रन बनाए हैं, जिसमें 32 शतक और 59 अर्द्धशतक शामिल हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 264 रहा है। शर्मा पूर्व कप्तान सौरव गांगुली को भी पीछे छोड़कर वनडे में भारत के तीसरे सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने गांगुली को पीछे छोड़ दिया है जिन्होंने 308 मैचों में 40.95 की औसत से 22 शतक और 71 अर्द्धशतकों के साथ 11,121 रन बनाए थे। रोहित ने 2022 के बाद से 19 बार पचास से अधिक का स्कोर बनाया है और यह केवल दूसरा ऐसा मौका था जब उन्होंने 100 से कम स्ट्राइक रेट से 50 रन का मील का पत्थर हासिल किया।

आखिरी बार उन्होंने 2023 में घरेलू मैदान पर आईसीसी क्रिकेट विश्व कप के दौरान इंग्लैंड के खिलाफ 66 गेंदों में 50 रन बनाए थे। इस साल वनडे में रोहित ने 10 पारियों में 38.30 की औसत से 383 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और दो अर्द्धशतक शामिल हैं, और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 119 रहा है।

विराट कोहली ने एडिलेड में दिए संन्यास के संकेत, शून्य पर आउट होने के बाद किया ऐसा, फैंस मायूस

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिकेट के मैदान का शेर, जिसने सालों तक इस खेल पर राज किया. वो विराट कोहली अब अपने करियर के अंतिम पड़ाव पर हैं, ऐसा हम नहीं बल्कि क्रिकेट का हर दिग्गज बोल रहा है. हालांकि विराट की फिटनेस शानदार है, लेकिन माना जा रहा है कि वह वनडे से भी जल्द रिटायरमेंट ले लेंगे. कोहली पर्थ में शून्य पर आउट हुए थे, एडिलेड में भी वही हुआ. कोहली खाता नहीं खोल पाए, लेकिन यहां ग्राउंड से पवेलियन लौटते हुए उन्होंने कुछ ऐसा किया, जिसने फैंस को परेशान कर दिया है. विराट कोहली 7वें ओवर में बल्लेबाजी के लिए आए थे, जब कप्तान शुभमन गिल के रूप में भारत का पहला विकेट गिरा था. कोहली से बड़ी पारी की उम्मीद थी क्योंकि इस मैदान पर वह इससे पहले खेली 4 पारियों में 2 बार शतक जड़ चुके थे. लेकिन आज वह खाता भी नहीं खोल पाए, जेवियर बार्टलेट ने एक ही ओवर में गिल और कोहली को आउट किया.

विराट कोहली ने किया गुड बाय!

जब विराट कोहली एडिलेड में शून्य पर आउट होकर पवेलियन लौट रहे थे, तब फैंस खड़े हो गए तो विराट कोहली ने हाथ उठाकर गुड बाय जैसा इशारा किया.

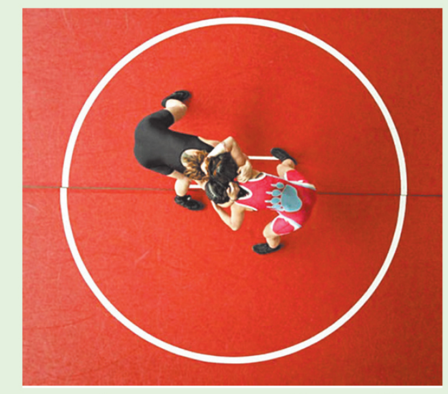

भारतीय पहलवान विश्वजीत मोरे ने कुश्ती चैंपियनशिप में जीता कांस्य

नई दिल्ली, एजेंसी। मोरे ने 55 किग्रा वर्ग में पदक जीता। मोरे ने इससे पहले जॉर्जिया के जियोर्जी कोचालिड्ज़े के खिलाफ तकनीकी श्रेष्ठता (9-1) से मुकाबला जीतकर रेपचेज में अपने मौके का पूरा फायदा उठाया। भारतीय ग्रीको रोमन पहलवान विश्वजीत मोरे ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अंडर-23 कुश्ती विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक अपने नाम किया। विश्वजीत ने कजाकिस्तान के येरासिल ममायरबेकोव को 5-4 से हराया। मोरे ने 55 किग्रा वर्ग में पदक जीता। मोरे ने इससे पहले जॉर्जिया के जियोर्जी कोचालिड्ज़े के खिलाफ तकनीकी श्रेष्ठता (9-1) से मुकाबला जीतकर रेपचेज में अपने मौके का पूरा फायदा उठाया।

तीन महिला पहलवानों को मिली हार

भारत की तीन महिला पहलवानों को हालांकि अपने-अपने शुरुआती दौर में हार का सामना करना पड़ा। हन्नी कुमारी (50 किग्रा) यूडब्ल्यूडब्ल्यू ध्वज तले प्रतिस्पर्धा कर रही स्वियातलाना कटेंका के खिलाफ एक करीबी मुकाबले में पटखनी खाने से हार गईं। कटेंका ने जब भारतीय पहलवान के खिलाफ पिन मूव हासिल किया तो स्कोर 4-6 था। दीक्षा मलिक (72 किग्रा) क्वालीफिकेशन दौर से आगे नहीं बढ़ सकीं और चीन की युकी लियू से 3-9 से हार गईं। इसके बाद लियू को भी हार का सामना करना पड़ा जिससे इस भारतीय पहलवान के लिए प्रतियोगिता में बने रहने का रास्ता बंद हो गया।

महिला वनडे विश्व कपः

एश्ले गार्डनर ने महिला वनडे विश्व कप इतिहास का सबसे तेज शतक लगाया

इंदौर, एजेंसी। बुधवार को होल्कर क्रिकेट स्टेडियम में इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच महिला वनडे विश्व कप 2025 का 23वां मैच खेला गया। इस मैच में ऑस्ट्रेलिया की एश्ले गार्डनर ने 104 रन की नाबाद यादगार पारी खेली। गार्डनर का ये शतक महिला वनडे विश्व कप इतिहास का सबसे तेज शतक है। एश्ले गार्डनर ने 69 गेंद पर शतक लगाया। महिला वनडे विश्व कप इतिहास का ये सबसे तेज शतक है।

इससे पहले का रिकॉर्ड डेंड्रा डॉटिन के नाम था। डॉटिन ने 2017 में पाकिस्तान के खिलाफ 71 गेंद पर शतक लगाया था। इसी विश्व कप में एलिसा हिली ने बांग्लादेश के खिलाफ 73 और एश्ले गार्डनर ने 77 गेंद पर न्यूजीलैंड के खिलाफ शतक लगाया है। इंग्लैंड की मौजूदा कप्तान नेट सेवियर ब्रंट ने 2017 में पाकिस्तान के खिलाफ 76 गेंद पर शतक लगाया था। इंग्लैंड के खिलाफ हुए इस मैच में 73 गेंद पर 16 चौकों की मदद से नाबाद 104 रन बनाए। गार्डनर छठे नंबर पर बल्लेबाजी करने आई थीं। छठे नंबर या उससे नीचे बल्लेबाजी करते हुए महिला वनडे क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने का रिकॉर्ड उनके नाम दर्ज है।

गार्डनर ने छठे नंबर या उससे नीचे बल्लेबाजी करते हुए 3 शतक लगाए हैं। मैच की बात करें तो ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी थी। पहले बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड ने 50 ओवर में 9 विकेट पर 244 रन बनाए थे। इंग्लैंड के लिए टैमी ब्यूमोंट ने 105 गेंद पर 1 छक्का और 10 चौकों की मदद से 78 रन की पारी खेली थी। एलिस कैप्से ने 38 और चार्लोट डीन ने 26 रन बनाए थे।

245 के लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने 68 के स्कोर पर अपने 4 विकेट गंवा दिए थे। लेकिन एश्ले गार्डनर और एनाबेल सदरलैंड ने इसके बाद टीम को कोई क्षति नहीं होने दी और 180 रन की साझेदारी करते हुए टीम को 6 विकेट से जीत दिला दी। ऑस्ट्रेलिया ने 40.3 ओवर में 4 विकेट पर 248 रन बनाए। विजयी चौका गार्डनर के बल्ले से निकला। सदरलैंड शतक नहीं बना सकीं और 98 रन पर नाबाद लौटीं।

ऑस्ट्रेलिया ने भारत को दो विकेट से हराकर सीरीज में बनाई अजेय बढ़त, कोनोली का पचासा

एडिलेड, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया ने भारत को दूसरे वनडे मैच में दो विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली है। ऑस्ट्रेलिया ने इस मैच में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया।

भारत ने रोहित शर्मा और श्रेयस अय्यर के अर्धशतकों से 50 ओवर में नौ विकेट पर 264 रन बनाए। जवाब में ऑस्ट्रेलिया के लिए मैथ्यू शॉर्ट और कूपर कोनोली ने अर्धशतक लगाए जिससे टीम ने 46.2 ओवर में आठ विकेट पर 265 रन बनाकर मैच जीता। लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने 54 रन के स्कोर पर दो विकेट गंवा दिए थे, लेकिन मैथ्यू शॉर्ट ने पारी को संभाला और अर्धशतक लगाने में सफल रहे। इस दौरान मैट रेनशॉ ने उनका साथ बखूबी निभाया। भारत रेनशॉ और एलेक्स कैरी के विकेट निकाले जिससे ऑस्ट्रेलिया पर दबाव बढ़ा। फिर हर्षित राणा ने शॉर्ट को भी पवेलियन भेज दिया।

हालांकि, कोनोली टिके रहे और उन्होंने ऑस्ट्रेलिया की जीत सुनिश्चित की। भारत को अंत में कुछ विकेट मिले, लेकिन ऑस्ट्रेलिया लक्ष्य के इतने करीब पहुंच गया था कि यहां से भारत का जीतना मुश्किल था। ऑस्ट्रेलिया की ओर से शॉर्ट ने सबसे ज्यादा 74 रन बनाए, जबकि कोनोली 61 रन बनाकर नाबाद रहे।

पंजाब किंग्स ने साईराज बहुतुले को नया स्पिन गेंदबाजी कोच नियुक्त किया

चंडीगढ, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) फ्रेंचाइजी पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) ने पूर्व भारतीय क्रिकेटर साईराज बहुतुले को बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है। उन्हें आईपीएल 2026 सीजन से पहले स्पिन गेंदबाजी कोच के रूप में शामिल किया गया है। बहुतुले, सुनील जोशी की जगह लेंगे, जिन्होंने 2023 से 2025 तक पीबीकेएस में यह पद संभाला था। अब वह बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में शामिल होंगे।नई जिम्मेदारी मिलने पर बहुतुले ने खुशी जताते हुए कहा, मैं आगामी आईपीएल सीजन के लिए पंजाब किंग्स में स्पिन बॉलिंग कोच के रूप में शामिल होने को लेकर बेहद उत्साहित हूं। यह एक अलग तरह का क्रिकेट खेलने वाली टीम है। मैं इसमें अपार संभावनाएं देख रहा हूं। इस टीम के पास कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं।

मैं उनके साथ मिलकर उनके कौशल को निखारने और उन्हें नई ऊंचाइयों तक पहुंचने में मदद करने के लिए उत्सुक हूं।÷ भारत के लिए दो टेस्ट और आठ वनडे खेलने वाले बहुतुले, पंजाब की टीम में अपार अनुभव लेकर आए हैं।

बाबर आजम की 10 महीने बाद टी-20 टीम में वापसी

● नसीम शाह 11 महीने बाद लौटे; साउथ अफ्रीका सीरीज के लिए पाकिस्तान टीम घोषित

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व कप्तान बाबर आजम की करीब 10 महीने बाद पाकिस्तान की टी-20 टीम में वापसी हो गई है। उन्होंने अपना आखिरी टी-20 मैच 13 दिसंबर 2024 को साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेला था। बाबर के साथ तेज गेंदबाज नसीम शाह की भी लगभग 11 महीने बाद टी-20 टीम में वापसी हुई है। नसीम ने अपना पिछला टी-20 मुकाबला 16 नवंबर 2024 को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी में खेला था। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ घरेलू टी-20 सीरीज और अगले महीने होने वाली त्रिकोणीय सीरीज (ट्राई सीरीज) के लिए भी टीम का ऐलान किया है। इस त्रिकोणीय सीरीज में श्रीलंका और जिम्बाब्वे भी हिस्सा लेंगे।

यह फोटो 13 दिसंबर को साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेले गए मैच की है। इस मैच में सैम अय्यूब और बाबर आजम ने मिलकर 45 गेंदों पर 87 रन की साझेदारी की थी। यह फोटो 13 दिसंबर को साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेले गए मैच की है। इस मैच में सैम अय्यूब और बाबर आजम ने मिलकर 45 गेंदों पर 87 रन की साझेदारी की थी। टी-20 सीरीज 28 अक्टूबर से, त्रिकोणीय सीरीज 17 नवंबर से पाकिस्तान और साउथ अफ्रीका के बीच टी-20 सीरीज 28 अक्टूबर से 1 नवंबर तक खेले जाएगी। मैच रावलपिंडी और लाहौर में होंगे। इसके बाद दोनों टीमों के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज भी 4 से 8 नवंबर तक फैसलाबाद के इकबाल स्टेडियम में खेली जाएगी। फिर 11 से 15 नवंबर तक श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज होगी, जबकि त्रिकोणीय टी-20 सीरीज 17 से 29 नवंबर तक आयोजित की जाएगी। फखर जमान और सुफियान मुकीम हुए बाहर अनुभवी ओपनर फखर जमान और रिस्ट स्पिनर सुफियान मुकीम को इस बार टीम से बाहर कर दिया गया है। वहीं, विकेटकीपर बल्लेबाज उस्मान खान को शामिल किया गया है, जबकि मुहम्मद हारिस को टीम से बाहर कर दिया गया है। अनकैप्ड खिलाड़ी उस्मान तारिक को भी टीम में जगह टी-20 टीम में एकमात्र अनकैप्ड खिलाड़ी (नया चेहरा) मिस्ट्री स्पिनर उस्मान तारिक को चुना गया है। वनडे टीम में फैसल अकराम, हरिस रऊफ और हसीबुल्लाह की वापसी हुई है।

फ्रेंच ओपन 2025:

इंडोनेशिया की जोड़ी से हारने के बाद सात्विक-चिराग फ्रेंच ओपन से बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की शीर्ष भारतीय जोड़ी इंडोनेशिया के रहमत हिदायत और मुहम्मद रियान अर्दियांतो के खिलाफ हार के बाद बाहर हो गए। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की शीर्ष भारतीय जोड़ी बुधवार को इंडोनेशिया के रहमत हिदायत और मुहम्मद रियान अर्दियांतो के खिलाफ राउंड ऑफ 32 पुरुष युगल मैच में हारकर फ्रेंच ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट से बाहर हो गई। चिराग और सात्विक की जोड़ी ने यह मुकाबला 18-21, 20-22 से गंवाया।

उन्नति हुड्डा जीतीं

उभरती हुई भारतीय खिलाड़ी उन्नति हुड्डा ने महिला एकल के प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई लेकिन आयुष शेट्टी पुरुष एकल में जापान के कोकी वातानबे से हारकर पहले ही दौर में बाहर हो गए। उन्नति ने पहला गेम गंवाने के बाद वापसी करते हुए महिला एकल के पहले दौर के मैच में मलेशिया की लेत्शाना करुपथेवन को 11-21, 21-13, 21-16 से हराया लेकिन इससे पहले आयुष को जापान के अनुभवी खिलाड़ी वातानबे के खिलाफ कड़े मुकाबले में 19-21, 19-21 से शिकस्त झेलनी पड़ी। अनुपमा उपाध्याय महिला एकल के पहले दौर में चीन की हान यू के खिलाफ 15-21, 11-21 से हार गई जबकि अनमोल खरब को भी दक्षिण कोरिया की आन से यंग के खिलाफ 15-21, 9-21 से हार का सामना करना पड़ा।

चैंपियंस लीग - रियल मैड्रिड, लिवरपूल और चेल्सी ने दर्ज की जीत

मैड्रिड, एजेंसी। रियल मैड्रिड ने जुवेंटस को 1-0 से हराकर चैंपियंस लीग अभियान में अपनी शानदार शुरुआत जारी रखी है। इस टीम ने तीन मुकाबलों में नौ अंक हासिल कर लिए हैं।मुकाबले के पहले हाफ में मैड्रिड ने दबदबा बनाए रखा, लेकिन कोई गोल नहीं हो सका। मैड्रिड को सबसे शानदार मौका हाफ-टाइम के दौरान मिला। किलियन एम्बाप्पे ने ब्राहिम के प्रभावशाली पास को अपने पास लिया और बॉक्स के अंदर से बाएं पैर से एक शक्तिशाली ड्राइव लगाई, लेकिन डि ग्रेगोरियो के शानदार रिएक्शन स्टॉप ने 40वें मिनट में फ्रांसीसी खिलाड़ी को गोल करने से रोक दिया। ब्रेक के बाद गतिरोध तोड़ते हुए जूड बेलिंगहैम ने 57वें मिनट में गोल दागकर रियल मैड्रिड को 1-0 से बढ़त दिला दी। एक अन्य मैच में लिवरपूल ने पहले हाफ के 10 मिनट में तीन गोल दागकर फ्रैंकफर्ट पर 5-1 से जीत दर्ज की। रेड्स ने ड्यूश बैंक पार्क में पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए चार मैचों की हार का सिलसिला तोड़ा और इस सीजन के लीग चरण में अपनी दूसरी जीत दर्ज की। रासमस क्रिस्टेंसन ने 26वें मिनट में मुकाबले का पहला गोल दागा, जिसके बाद ह्यूगो एकिटिके ने शानदार गोल के साथ स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। इसके बाद वर्जिल वैन डाइक (39) और इब्राहिमा कोनाटे (44) ने पहले हाफ में कॉर्नर से गोल करके मैच का रुख पलट दिया। लिवरपूल इस मैच में 3-1 से आगे थी। दूसरे हाफ में कोडी गाकपो (66) और डोमिनिक सोबोस्जलाई (70) के गोलों ने आर्ने स्लॉट की टीम की जीत सुनिश्चित कर दी। दूसरी ओर, चेल्सी ने अजाक्स को 5-1 से शिकस्त दी। 18वें मिनट मार्क गुइयू ने गोल दागकर मैच का खाता खोला।

महिला प्रीमियर लीग की नीलामी की तारीख आई सामने, नम्बर में दिल्ली में इस दिन होने की संभावना

नई दिल्ली, एजेंसी। महिला प्रीमियर लीग की नीलामी नई दिल्ली में होगी। फ्रेंचाइजियों को अभी तक कोई औपचारिक सूचना नहीं दी गई है, लेकिन क्रिकबज को पता चला है कि सभी टीमों को संभावित स्थल के बारे में अनौपचारिक रूप से बता दिया गया है। नीलामी की तारीख अभी तय नहीं हुई है, लेकिन अब इसकी समय सीमा 26-27 नवंबर कर दी गई है। इससे पहले भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने संकेत दिया था कि नीलामी 26 से 29 नवंबर के बीच होगी। सैद्धांतिक रूप से एक बड़ा आयोजन होने के बावजूद नीलामी एक ही दिन में पूरी होने की उम्मीद है। डब्ल्यूपीएल में केवल पांच टीमें हैं और अधिकतम 18 खिलाड़ियों की टीम है, इसलिए इस प्रक्रिया में ज़्यादा समय लगने की संभावना नहीं है, भले ही 90 खिलाड़ियों की नीलामी हो। हालांकि, यह एक असंभव परिदृश्य है, क्योंकि टीमों के नीलामी में काफी संख्या में रिटेन किए गए खिलाड़ियों के साथ उतरने की उम्मीद है।

फ्रेंचाइजी को 5 नवंबर तक अपने रिटेन किए गए खिलाड़ियों की सूची जमा करने के लिए कहा गया है। प्रत्येक टीम को पांच खिलाड़ियों को रिटेन करने की अनुमति है और अगर कोई टीम सभी 5 खिलाड़ियों को रिटेन करती है, तो उसे पहले खिलाड़ी के लिए 3.5 करोड़ रुपए, दूसरे खिलाड़ी के लिए 2.5 करोड़ रुपए, तीसरे खिलाड़ी के लिए 1.75 करोड़ रुपए, चौथे खिलाड़ी के लिए 1 करोड़ रुपए और पांचवें खिलाड़ी के लिए 50 लाख रुपए का नुकसान होगा। नीलामी के लिए खिलाड़ियों की कुल राशि 15 करोड़ रुपए है और पांच रिटेंशन पर एक टीम को 9.25 करोड़ रुपए खर्च करने होंगे। डब्ल्यूपीएल ने कहा है कि यह दिशानिर्देश मूल्य केवल वेतन सीमा की गणना के लिए है और किसी खिलाड़ी को दी जाने वाली राशि सुझाए गए मूल्य से भिन्न हो सकती है। डब्ल्यूपीएल ने हाल ही में फ्रेंचाइजियों को लिखे एक नोट में कहा, हालांकि किसी खिलाड़ी को दी जाने वाली राशि दिशानिर्देश मूल्य से भिन्न हो सकती है, लेकिन रिटेन किए गए खिलाड़ियों की संख्या के आधार पर कुल राशि का उपयोग वेतन सीमा की गणना के लिए किया जाएगा।

एक अनकैप्ड खिलाड़ी को रिटेन करने की दिशानिर्देश मूल्य 50 लाख रुपए है और प्रत्येक टीम अधिकतम दो अनकैप्ड खिलाड़ियों को रिटेन कर सकती है। इसके अलावा एक फ्रेंचाइजी अधिकतम तीन कैप्ड भारतीय खिलाड़ियों को रिटेन कर सकती है और रिटेंशन सूची में अधिकतम दो विदेशी खिलाड़ी हो सकते हैं। बीसीसीआई ने पांच राइट टू मैच विकल्पों को मंजूरी दी है, लेकिन किसी फ्रेंचाइज़ी के लिए उपलब्ध आरटीएम की संख्या रिटेन किए गए खिलाड़ियों की संख्या पर निर्भर करेगी। प्रत्येक रिटेन किए गए खिलाड़ी के लिए, फ्रेंचाइजी एक आरटीएम विकल्प खो देगी। उदाहरण के लिए अगर कोई टीम पांच खिलाड़ियों को रिटेन करती है, तो उसके पास नीलामी में राइट टू मैच का इस्तेमाल करने का विकल्प नहीं होगा। दूसरी ओर, बिना किसी रिटेंशन के नीलामी में जाने वाली टीम अपने पांच खिलाड़ियों के लिए राइट टू मैच का इस्तेमाल कर सकती है।

देश भर में नवंबर से SIR प्रक्रिया शुरू:

-2026 के राज्य चुनावों से पहले मतदाता सूचियों का पूर्ण अपडेट

नई दिल्ली । निर्वाचन आयोग ने देशभर में मतदाता सूचियों के गहन पुनरीक्षण (SIR – Special Summary Revision) की तैयारी पूरी कर ली है। आयोग ने यह कदम इस बात को ध्यान में रखते हुए उठाया है कि अगले साल मई 2026 में जिन राज्यों में चुनाव होने हैं, वहां प्रक्रिया समय पर पूरी हो सके। मार्च 2026 तक पूरे देश में नई और अद्यतन मतदाता सूचियों को तैयार करने की योजना है। निर्वाचन आयोग ने सभी राज्यों के चुनाव अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि आधार कार्ड को मतदाता पहचान के 12वें दस्तावेज के रूप में स्वीकार किया जाएगा। यह कदम मतदाता सूची को अद्यतन और सटीक बनाने के लिए उठाया गया है।

मतदाता सूची को अपडेट करने का मकसद-

SIR का मुख्य उद्देश्य मतदाता सूचियों में दोहरे या गलत प्रविष्टियों को हटाना और यह सुनिश्चित करना है कि सूची में दर्ज सभी लोग भारतीय नागरिक हों। आयोग ने विशेष रूप से केरल, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी पर ध्यान केंद्रित किया है, क्योंकि इन राज्यों में मई 2026 तक चुनाव होने हैं। निर्वाचन आयोग का कहना है कि यह समीक्षा दो दशकों के बाद हो रही है। शहरीकरण और बड़े पैमाने पर माइग्रेशन के कारण यह प्रक्रिया आवश्यक हो गई थी। उदाहरण के लिए, आंध्र प्रदेश में 2003-2004 में लगभग 5.5 करोड़ मतदाता थे, जो अब बढ़कर 6.6 करोड़ हो गए हैं। उत्तर प्रदेश में 2003 में 11.5 करोड़ मतदाता थे, जो अब 15.9 करोड़ तक पहुँच चुके हैं। दिल्ली में 2008 में 1.1 करोड़ मतदाता थे, अब यह संख्या बढ़कर 1.5 करोड़ हो गई है।

प्रक्रिया की रूपरेखा-

SIR प्रक्रिया में बीएलओ (Booth Level Officer) हर मतदाता के घर जाकर प्री-फील्ड फॉर्म वितरित करेंगे। इस फॉर्म में मतदाता को अपनी जानकारी की पुष्टि करनी होगी। इस प्रक्रिया में 31 दिसंबर तक सभी नए 18 वर्ष के मतदाताओं को शामिल किया जाएगा। देशभर में इस समय लगभग 99 करोड़ 10 लाख मतदाता हैं। इनमें से बिहार में करीब 8 करोड़ मतदाताओं की प्रक्रिया पहले ही पूरी हो चुकी है। 2002 से 2004 के बीच आयोजित SIR में लगभग 70 करोड़ मतदाताओं को दर्ज किया गया था। इस बार अनुमान लगाया जा रहा है कि लगभग 21 करोड़ मतदाताओं को आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराना होगा।

तकनीकी और प्रशासनिक तैयारी-

निर्वाचन आयोग ने सुनिश्चित किया है कि SIR के दौरान सभी राज्यों में पर्याप्त कर्मियों और संसाधनों की व्यवस्था हो। प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में विशेष टीमें गठित की गई हैं। इन टीमों का काम मतदाता सूची की पूरी जांच करना और सुनिश्चित करना है कि कोई भी योग्य मतदाता सूची से बाहर न रह जाए। आयोग ने यह भी कहा कि SIR प्रक्रिया में विशेष ध्यान उन क्षेत्रों पर दिया जाएगा, जहां दोहरे पते या असंगत प्रविष्टियों की संभावना अधिक है। इसके अलावा, प्रवासियों, शहरीकरण से प्रभावित क्षेत्रों और नए विकास क्षेत्रों में भी विशेष कवरेज किया जाएगा।

SIR का महत्व-

मतदाता सूची का अद्यतन होना लोकतंत्र के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह सुनिश्चित करता है कि प्रत्येक नागरिक को मतदान का अधिकार मिले और कोई भी व्यक्ति अनुचित रूप से सूची में दर्ज न हो। SIR प्रक्रिया केवल मतदाता सूची को साफ-सुथरा बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह चुनावों की पारदर्शिता और निष्पक्षता को भी मजबूत करती है। इसके अलावा, SIR से चुनाव आयोग को मतदाता वितरण, नए निर्वाचन क्षेत्रों की आवश्यकताओं और जनसंख्या में बदलाव का भी पता चलता है।

देश के पहले सरकारी अस्पताल में एक ही दिन में तीन अंगों का सफल ट्रांसप्लांट:

-फेफड़े, हृदय और गुर्दा

केरल (एजेंसी)। यह भारत में मेडिकल क्षेत्र की बड़ी उपलब्धियों में से एक है। 23 अक्टूबर को केरल के कोट्टायम गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज में देश में पहली बार एक ही दिन में तीन अंगों का सफल ट्रांसप्लांट किया गया। इस ऐतिहासिक सफलता में हृदय, फेफड़े और गुर्दे की सर्जरी शामिल थी। खास बात यह है कि यह पहली बार है जब किसी सरकारी अस्पताल में फेफड़े का ट्रांसप्लांट किया गया। फेफड़े का ट्रांसप्लांट देश में अत्यंत दुर्लभ सर्जरी मानी जाती है, और इसे अधिकांश निजी अस्पतालों में भी केवल सीमित रूप से किया जाता है। कोट्टायम मेडिकल कॉलेज के अधिकारियों ने दैनिक भास्कर से बातचीत में बताया कि यह एक ऐसा मील का पत्थर है, जो पूरे देश में सरकारी अस्पतालों में अंग प्रत्यारोपण की दिशा में एक नई राह खोल रहा है। इस सर्जिकल प्रक्रिया में दान किए गए अंगों में हृदय, फेफड़ा, दोनों गुर्दे, अग्नाशय (पैनक्रियास), लीवर, एक हाथ और दोनों कॉर्निया शामिल थे। इनमें से हृदय, फेफड़ा और एक गुर्दे का सफल ट्रांसप्लांट कोट्टायम मेडिकल कॉलेज के मरीजों को किया गया। इस अंग प्रत्यारोपण की प्रक्रिया रात 8:30 बजे शुरू हुई और लगभग 6 घंटे तक चली। डॉक्टरों की टीम ने न केवल अंगों को सही तरीके से निकालने में उत्कृष्ट कार्य किया, बल्कि इन्हें नए मरीजों के शरीर में प्रत्यारोपित करने में भी सफलता हासिल की। इस प्रक्रिया में सटीक समय प्रबंधन, विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम और अत्याधुनिक तकनीक का महत्वपूर्ण योगदान रहा। फेफड़े का ट्रांसप्लांट करना बहुत ही जटिल प्रक्रिया मानी जाती है। इसके लिए विशेष तकनीक, उच्च प्रशिक्षित सर्जन और पूरी तरह तैयार मेडिकल टीम की आवश्यकता होती है। इस सफलता से यह स्पष्ट होता है कि भारत में सरकारी अस्पताल अब उच्च स्तरीय अंग प्रत्यारोपण सर्जरी करने में सक्षम हो चुके हैं। इस ऐतिहासिक उपलब्धि ने न केवल केरल, बल्कि पूरे देश में अंग प्रत्यारोपण के क्षेत्र में विश्वास और उम्मीद जगाई है। यह कदम उन मरीजों के लिए नई उम्मीद लेकर आया है, जिन्हें लंबी प्रतीक्षा के बाद भी अंग प्रत्यारोपण नहीं मिल पाता था। अब वे सरकारी अस्पताल में ही सुरक्षित और विश्वसनीय तरीके से यह सर्जरी करवा सकते हैं। कोट्टायम मेडिकल कॉलेज ने इस उपलब्धि के माध्यम से यह संदेश दिया है कि सरकारी स्वास्थ्य संस्थान भी दुनिया के शीर्ष चिकित्सा मानकों के बराबर अंग प्रत्यारोपण कर सकते हैं। इस सफलता से अन्य सरकारी अस्पतालों में भी अंग प्रत्यारोपण के क्षेत्र में सुधार और विस्तार की संभावना बढ़ी है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह जैसलमेर पहुंचे:

-ऑपरेशन-सिंदूर से पाकिस्तान को मिला स्पष्ट संदेश

जैसलमेर। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह आर्मी कमांडर्स कॉन्फ्रेंस में शामिल होने के लिए गुरुवार शाम को जैसलमेर पहुंचे। उनका आगमन लगभग शाम 6:20 बजे हुआ, जहां उन्हें स्थानीय सैन्य अधिकारियों ने स्वागत किया। इस अवसर पर रक्षा मंत्री ने जैसलमेर में भारतीय सेना के वीर जवानों और उनके इतिहास को समर्पित शौर्य पार्क और कैक्टस पार्क का उद्घाटन किया। इन पार्कों में भारतीय सेना की शौर्य गाथाओं, युद्धों और जवानों की बहादुरी को प्रदर्शित किया गया है। राजनाथ सिंह ने उद्घाटन के बाद बताया कि देश की सुरक्षा और सीमाओं की रक्षा के लिए भारतीय सेना लगातार तत्पर है। उन्होंने कहा कि हाल ही में संपन्न ऑपरेशन-सिंदूर ने पाकिस्तान को स्पष्ट संदेश दिया है कि भारत अपनी सीमाओं की रक्षा के लिए हर स्थिति में तैयार है। उनके अनुसार, ऑपरेशन-सिंदूर ने दुश्मन के इरादों को बेअसर कर दिया और भारतीय सेना की क्षमता को पूरी दुनिया के सामने पेश किया। इस अवसर पर एक नया लाइट एंड साउंड शो भी शुरू किया गया, जिसमें भारत के विभिन्न युद्धों, सैन्य अभियान और वीर जवानों के अदम्य साहस को दर्शाया गया। यह शो न केवल आम जनता के लिए बल्कि जवानों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत है। रक्षा मंत्री शुक्रवार सुबह तनोट और लोंगेवाला के दौरे पर जाएंगे। ये दोनों स्थल 1971 के युद्ध और अन्य सीमावर्ती घटनाओं के लिए जाने जाते हैं। वहां राजनाथ सिंह जवानों से मिलेंगे, उनकी तैयारियों का जायजा लेंगे और शहीदों को श्रद्धांजलि देंगे। उनके दौरे का उद्देश्य जवानों का मनोबल बढ़ाना और सीमाओं पर तैनात सैनिकों के साथ सीधे संवाद करना है। इस मौके पर रक्षा मंत्री ने सैनिकों को उनके कर्तव्य और समर्पण के लिए बधाई दी और कहा कि देश के हर नागरिक को अपनी सेना पर गर्व होना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय सेना का उद्देश्य केवल रक्षा करना नहीं बल्कि सीमा पर शांति और स्थिरता बनाए रखना भी है। 23 से 25 अक्टूबर तक जैसलमेर में आयोजित आर्मी कमांडर्स कॉन्फ्रेंस में देशभर के शीर्ष सैन्य अधिकारियों ने हिस्सा लिया। इस बैठक में सेना की तैयारियों, आधुनिक हथियारों और सुरक्षा रणनीतियों पर विस्तार से चर्चा की गई। रक्षा मंत्री ने इसमें कहा कि तकनीकी रूप से सशक्त और सतर्क सेना ही देश की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने अधिकारियों से यह भी कहा कि सीमाओं पर किसी भी स्थिति के लिए हमेशा तैयार रहना आवश्यक है। आर्मी कमांडर्स कॉन्फ्रेंस के दौरान सुरक्षा चुनौतियों, सीमा पर तनाव और संभावित खतरे की स्थिति का भी विश्लेषण किया गया। रक्षा मंत्री ने जोर देकर कहा कि भारत अपनी संप्रभुता की रक्षा के लिए किसी भी कीमत पर पीछे नहीं हटेगा। उन्होंने जवानों को हौसला दिया कि उनका साहस और समर्पण भारत को मजबूत बनाता है।

पुतिन की चेतावनी: अमेरिकी टॉमहॉक मिसाइलों से हमला हुआ तो रूस देगा करारा जवाब

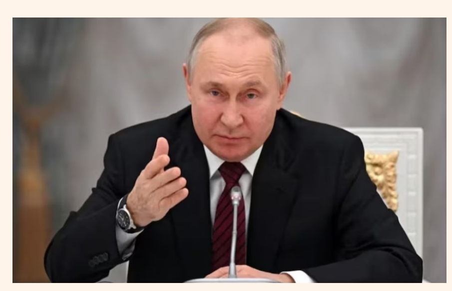

वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अमेरिका को सख्त चेतावनी दी है कि अगर रूस पर अमेरिकी टॉमहॉक मिसाइलों से हमला हुआ, तो उसका कड़ा और जवाबी एक्शन लिया जाएगा। पुतिन का यह बयान ऐसे वक्त में आया है जब अमेरिका ने रूस की दो सबसे बड़ी तेल कंपनियों — रोसनेफ्ट (Rosneft) और लूकोइल (Lukoil) — पर नए आर्थिक प्रतिबंध लगाए हैं। यह कदम अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के प्रशासन ने उठाया है, जिससे दोनों देशों के बीच तनाव और बढ़ गया है। रूसी राष्ट्रपति ने इन प्रतिबंधों को "दुश्मनी भरा कदम" बताते हुए कहा कि इससे मास्को और वॉशिंगटन के संबंधों में गंभीर गिरावट आएगी। पुतिन ने कहा, "अगर अमेरिका ने रूस पर सैन्य हमला करने की कोशिश की, तो रूस भी जवाब देने से पीछे नहीं हटेगा। हम अपनी सुरक्षा और संप्रभुता की रक्षा के लिए हर संभव कदम उठाएंगे।" हालांकि, पुतिन ने यह भी स्पष्ट किया कि रूस बातचीत से पीछे नहीं हटना चाहता। उन्होंने कहा, "किसी भी टकराव या विवाद का हल बातचीत से ही निकल सकता है। हमने हमेशा संवाद जारी रखने की वकालत की है।" पुतिन का यह बयान यह संकेत देता है कि रूस एक ओर अमेरिकी दबाव के सामने झुकने को तैयार नहीं है, वहीं दूसरी ओर वह राजनयिक रास्ता खुला रखना चाहता है। गौरतलब है कि 22 अक्टूबर को प्रस्तावित ट्रम्प-पुतिन बैठक अचानक रद्द कर दी गई थी। इसके तुरंत बाद अमेरिका ने रूस की इन तेल कंपनियों पर प्रतिबंध लगाए। विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम रूस की युद्ध फंडिंग को रोकने के उद्देश्य से उठाया गया है। ट्रम्प प्रशासन के शुरुआती दिनों में दोनों देशों के संबंध सुधार की दिशा में बढ़ रहे थे, लेकिन यूक्रेन युद्ध को लेकर मतभेद गहराते चले गए।

पीयूष पांडे: 'अबकी बार मोदी सरकार' और मशहूर विज्ञापनों के क्रिएटिव गुरु का निधन

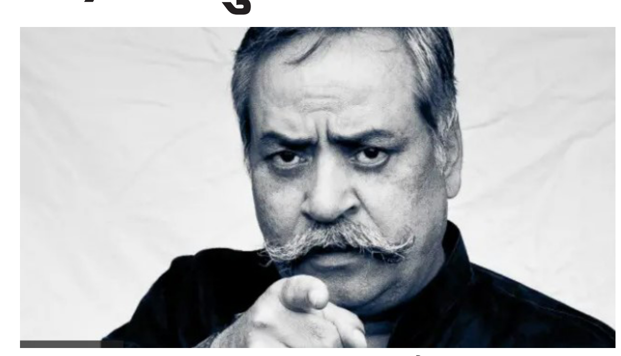

नई दिल्ली । भारतीय विज्ञापन जगत और क्रिएटिविटी की दुनिया के चमकते सितारे, पद्मश्री से सम्मानित एड गुरु पीयूष पांडे अब इस दुनिया में नहीं रहे। 70 वर्ष की उम्र में गुरुवार को मुंबई में उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन की जानकारी आज सार्वजनिक हुई। पीयूष पांडे न केवल 'अबकी बार मोदी सरकार' जैसे ऐतिहासिक नारे के लिए जाने जाते थे, बल्कि उन्होंने भारतीय विज्ञापन और क्रिएटिविटी के क्षेत्र में कई अमूल्य योगदान दिए। पीयूष पांडे का नाम भारतीय विज्ञापन जगत में एक प्रतिष्ठित और यादगार व्यक्तित्व के रूप में हमेशा याद किया जाएगा। उनके योगदान में 'हमारा बजाज', 'कुछ खास है जिंदगी में' और 'ठंडा मतलब कोका कोला' जैसे यादगार विज्ञापन शामिल हैं। ये विज्ञापन सिर्फ उत्पाद बेचने का माध्यम नहीं थे, बल्कि लोगों के दिलों और दिमागों में बसने वाले संदेश भी थे। उनकी क्रिएटिव सोच और अद्‌त कल्पनाशक्ति ने भारतीय विज्ञापन जगत को एक नई दिशा दी। पीयूष पांडे ने राजनीति और समाज पर आधारित भी कई प्रभावशाली अभियान किए। सबसे उल्लेखनीय उनका 'अबकी बार मोदी सरकार' नारा है, जिसने भारतीय राजनीतिक इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़ लाया। इसके अलावा, उन्होंने 'मिले सुर मेरा तुम्हारा' गाने के जरिए संगीत और राष्ट्रवाद का एक अनोखा मिश्रण भी प्रस्तुत किया। उनके इन कार्यों ने उन्हें न केवल विज्ञापन उद्योग में, बल्कि आम जनता के बीच भी विशेष स्थान दिलाया। पीयूष पांडे के निधन के कारणों का अभी तक स्पष्ट रूप से पता नहीं चला है। रिपोर्ट्स के अनुसार वे गंभीर संक्रमण से जूझ रहे थे। उनका अंतिम संस्कार आज मुंबई में किया जाएगा। उनके इस आकस्मिक और दुखद निधन से विज्ञापन जगत, उनके सहकर्मी और पूरे देश में शोक की लहर फैल गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी पीयूष पांडे को श्रद्धांजलि दी। पीएम ने X (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा कि पीयूष पांडे क्रिएटिविटी के लिए जाने जाते थे और उन्होंने विज्ञापन की दुनिया में शानदार योगदान दिया। पीएम ने यह भी कहा कि उन्होंने पीयूष पांडे के साथ हुई बातचीत को हमेशा संजोकर रखा है और उनके दुनिया से जाने से उन्हें बहुत दुख हुआ। उन्होंने पांडे के परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं भी व्यक्त कीं। पीयूष पांडे की उपलब्धियां सिर्फ विज्ञापन तक ही सीमित नहीं थीं। वे अपने समय के महान विचारक, प्रेरक वक्ता और समाज के लिए जिम्मेदार नागरिक भी थे। उनके विचार, उनकी रचनात्मकता और उनके द्वारा रचित संदेश आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा स्रोत बने रहेंगे। विज्ञापन उद्योग में उनकी शैली, उनके प्रयोग और उनके अनूठे दृष्टिकोण ने आने वाले क्रिएटिव्स के लिए एक मार्गदर्शन स्थापित किया।

कनाडा के विज्ञापन से भड़के ट्रम्प, 634 करोड़ का ऐड बना विवाद:

-अमेरिका-कनाडा ट्रेड डील रद्द

वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने गुरुवार रात कनाडा के साथ चल रही सभी व्यापारिक बातचीत को अचानक रद्द करने की घोषणा की। ट्रम्प ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा कि कनाडा ने "धोखे से एक झूठा विज्ञापन" प्रसारित किया है, जिसमें पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन को टैरिफ के खिलाफ बोलते हुए दिखाया गया है। ट्रम्प के अनुसार, यह विज्ञापन 1987 के रीगन के एक पुराने भाषण को तोड़-मरोड़कर पेश करता है और इसे गलत संदर्भ में इस्तेमाल किया गया है। ट्रम्प ने लिखा, "रीगन फाउंडेशन ने पुष्टि की है कि कनाडा ने उनके भाषण का फर्जी संस्करण दिखाया है। यह सीधा-सीधा अमेरिकी लोगों को भ्रमित करने की कोशिश है।" सूत्रों के मुताबिक, इस प्रचार अभियान पर करीब 75 मिलियन डॉलर यानी लगभग 634 करोड़ रुपए खर्च किए गए थे। वीडियो में दिखाया गया था कि टैरिफ नीति आम नागरिकों के लिए महंगाई और आर्थिक बोझ बढ़ा रही है। जाहिर तौर पर इसका निशाना ट्रम्प की मौजूदा व्यापार नीति पर था, जिसमें उन्होंने स्टील और एल्यूमीनियम पर भारी आयात शुल्क लगाया है। दोनों देशों के बीच पिछले कई हफ्तों से व्यापारिक समझौतों को लेकर वार्ता चल रही थी। कनाडा और अमेरिका स्टील, एल्यूमीनियम और ऊर्जा क्षेत्र में नए समझौतों की दिशा में आगे बढ़ रहे थे। लेकिन ट्रम्प की इस घोषणा ने पूरे वार्ता क्रम को ठप कर दिया।

वेनेजुएला की चेतावनी: रूस से मिली 5,000 मिसाइलें तैनात

-मादुरो बोले– अमेरिका को मिलेगा जवाब

काराकास (एजेंसी)। वेनेजुएला और अमेरिका के बीच तनाव एक बार फिर बढ़ गया है। राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने बुधवार को एक टीवी प्रोग्राम में खुलासा किया कि देश ने अमेरिकी खतरे से निपटने के लिए रूस से मिली 5,000 इग्ला-एस मिसाइलें तैनात की हैं। मादुरो ने कहा कि "हमारे पास 5,000 मिसाइलें हैं जो देश की शांति और आज़ादी की रक्षा के लिए तैयार हैं। ये मिसाइलें हवा से कम दूरी पर होने वाले किसी भी हमले को रोकने के लिए तैनात की गई हैं।" मादुरो ने अपने संबोधन में अमेरिका को अप्रत्यक्ष रूप से चेतावनी देते हुए कहा कि "अगर हमारी मातृभूमि की आज़ादी और संप्रभुता को चुनौती दी गई तो वेनेजुएला की सेना देश की हर इंच जमीन के लिए लड़ेगी।" उन्होंने अमेरिका को "साम्राज्यवादी खतरा" बताते हुए कहा कि वेनेजुएला अब किसी भी तरह की आक्रामक कार्रवाई का माकूल जवाब देने में सक्षम है। दरअसल, अमेरिका और वेनेजुएला के बीच रिश्ते लंबे समय से तनावपूर्ण रहे हैं। पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के कार्यकाल में अमेरिका ने वेनेजुएला के समुद्री तट के पास अपने नौसैनिक जहाज़ भेजे थे, जिन्हें "ड्रग्स के खिलाफ अभियान" बताया गया था। मगर कराकस का कहना है कि यह अभियान उसकी संप्रभुता पर हमला था। पिछले कुछ महीनों में अमेरिकी नौसेना ने वेनेजुएला की कई बोट्स पर कार्रवाई की है और कुछ को नष्ट भी किया है। अमेरिका का आरोप है कि ये नावें नशीले पदार्थों की तस्करी में शामिल थीं, लेकिन वेनेजुएला ने इन आरोपों को पूरी तरह खारिज किया है। अब रूस से मिले हथियारों की तैनाती के बाद मादुरो सरकार ने साफ कर दिया है कि अगर अमेरिका ने कोई भी "उकसाने वाला कदम" उठाया, तो उसे कड़े सैन्य जवाब का सामना करना पड़ेगा।

आंध्र प्रदेश में बस में भीषण आग, 20 यात्री जिंदा जल गए; बाइक टकराने से हादसा

-19 यात्री इमरजेंसी गेट तोड़कर बचे; कई शव पूरी तरह जल गए

कुर्नूल। आंध्र प्रदेश के कुर्नूल जिले में शुक्रवार तड़के एक भयावह सड़क हादसा हुआ, जिसने पूरे इलाके में शोक और हड़कंप मचा दिया। चिन्नाटेकुर के पास एक प्राइवेट बस में अचानक आग लग गई, जिसमें लगभग 20 यात्री जिंदा जल गए। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मृतकों की संख्या 25 तक पहुंच सकती है। हादसा सुबह लगभग 3:30 बजे हुआ, और इससे पहले किसी को भी इस भयावह घटना की कोई आशंका नहीं थी। जानकारी के अनुसार, बस हैदराबाद से बेंगलुरु की ओर जा रही थी। जैसे ही यह NH-44 पर चल रही थी, उसी समय एक बाइक बस के साथ टकरा गई। बाइक बस के नीचे फंस गई और उसके फ्यूल टैंक से टकराने के बाद बस में तुरंत आग भड़क उठी। इस भीषण घटना में बाइक सवार शिवशंकर की भी मौत हो गई। हादसे का दृश्य इतना भयानक था कि वहां मौजूद कोई भी इस त्रासदी को देखकर अपने आप को रोक नहीं सका। बस में उस समय लगभग 40 यात्री सवार थे। आग इतनी तीव्र थी कि यात्रियों में से अधिकांश अपने आप को बचाने में असमर्थ रहे और बुरी तरह झुलस गए। स्थानीय लोगों और राहगीरों ने मौके पर पहुंचकर अपनी जान की परवाह किए बिना बचाव कार्य शुरू किया। इस दौरान 19 यात्री इमरजेंसी गेट को तोड़कर बाहर कूदकर अपनी जान बचाने में सफल हुए। वे सभी गंभीर रूप से जल गए थे और उन्हें तुरंत कुर्नूल सरकारी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। अस्पताल में इलाज के दौरान उनकी स्थिति नाजुक बनी हुई है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि कई शव पूरी तरह जल चुके हैं, जिससे उनकी पहचान करना कठिन हो रहा है। मृतकों की संख्या में और इजाफा होने की संभावना है। कुर्नूल जिले की पुलिस और फायर ब्रिगेड ने तुरंत मौके पर पहुंचकर राहत और बचाव कार्य शुरू किया। आग पर काबू पाने के लिए तीन फायर टेंडर को मौके पर भेजा गया, जिन्होंने काफी मशक्कत के बाद आग पर नियंत्रण पाया। स्थानीय प्रशासन ने मृतकों के परिजनों को तुरंत सूचना देने और सहायता प्रदान करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। अधिकारियों ने कहा कि हादसे की वजह से प्रभावित यात्रियों और उनके परिवारों को हर संभव मदद दी जाएगी। कुर्नूल जिला प्रशासन ने मृतकों के परिजनों के लिए राहत राशि की घोषणा करने और घायलों के इलाज का खर्च उठाने की भी जानकारी दी है। हादसे के बाद से पूरे इलाके में शोक और सहानुभूति की लहर है। स्थानीय लोगों ने घायलों की मदद के लिए हॉस्पिटल में खड़े होकर रक्तदान और प्राथमिक सहायता प्रदान की। इस भीषण दुर्घटना ने राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर सड़क सुरक्षा के महत्व को फिर से उजागर किया है। यातायात और रोड सेफ्टी एक्सपर्ट्स ने इस घटना की समीक्षा करते हुए कहा कि समय पर सड़क और वाहन सुरक्षा नियमों का पालन न होना इस तरह की घटनाओं का मुख्य कारण बन सकता है। इस हादसे ने यात्रियों और आम जनता को भी सतर्क कर दिया है। विशेषज्ञों का कहना है कि बस और अन्य सार्वजनिक परिवहन में फायर सेफ्टी उपकरणों की कमी और आकस्मिक परिस्थितियों से निपटने के लिए पर्याप्त प्रशिक्षण न होना इस त्रासदी को बढ़ावा देता है। सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए उचित तकनीकी उपायों, वाहन निरीक्षण और सड़क सुरक्षा नियमों का पालन जरूरी है। हादसे की वजह से NH-44 पर यातायात भी कुछ समय के लिए ठप हो गया। पुलिस ने यात्रियों और आम लोगों को मार्ग बदलकर चलने की सलाह दी।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,